पत्रा श्रीविक्रमसंवत् २०७२, शाके १६३७

कीलक नाम संवत्सरः।। राजा शनिः।। मंत्री भौमः।। सस्येशः गुरूः।। धान्येशः बुधः।।
दुर्गेशः चन्द्रः।। धनेशः गुरूः।। रशेशः शनिः।। नीरसेशः गुरूः।। फलेशः चन्द्रः।। मेघेशः चन्द्रः।।

श्रीयुत् मुन्शी नवल किशोर सी०आई०ई० के यन्त्रालय की उत्तराधिकारिणी श्रीमती स्मिता पटवर्धन ने इस पंचांग को तेज कुमार बुक डिपो प्रा० लिमिटेड की ओर से प्रकाशित किया तथा लखनऊ दुगावाँ निवासी महामहोपाध्याय स्व० पण्डित राम प्रसाद जी सिद्धान्ती के उत्तराधिकारी एवं दौहित्र सनाढ्य वंशावतंस आचार्य प्रवर स्व० पं० कृष्ण मुरारी मिश्र राज्य ज्योतिषी जी के भ्रातृज पं० राम कृष्ण मिश्र के यहाँ अति श्रम से बनाया गया है। इस पत्रे का सर्वाधिकार प्रकाशक के लिए सुरक्षित है।

श्रीमद्रामप्रसादपण्डितवरप्रख्यातदौहित्रक-श्रीमत्कृष्णमुरारिमिश्रगणकभ्रातृज्यरामाभिधः।
संवद्विक्रम चन्द्र सप्तगगन द्व्यूब्दस्य पञ्चाङ्गकं श्रीयुक्तां पटवर्धनां वरस्मितां दास्यामि मुद्रापणे।।

स्व. श्रीमती रानी कमला भार्गव के शाश्वत् प्रयासों से पिछले पचास वर्षो
से निरन्तर प्रकाशित और उन्हीं की प्रेरणादायी स्मृति को समर्पित।

मूल्य 25/- रुपये

स्व० पं० कृष्णमुरारी मिश्र
दौहित्र स्व० पं० रामप्रसादजी सिद्धान्ती

स्व. श्रीमती रानी कमला भार्गव धर्मपत्नी मुंशी तेजकुमार भार्गव एवं महामहोपाध्याय स्व. पं. रामप्रसादजी सिद्धान्ती द्वारा प्रवर्तित इस पत्रे का १२४वाँ पुष्प इस वर्ष विद्वद्जनों की सेवा में प्रस्तुत है।

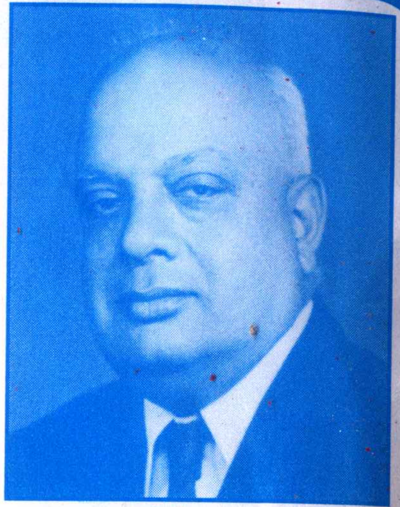

स्व० मुंशी तेजकुमार भार्गव
उत्तराधिकारी मुंशी नवलकिशोर सी.आई.ई.

।। श्री विक्रम संवत् २०७२ शाके १९३७ का वर्ष फल।।

इस वर्ष के आरम्भ में ''कीलक'' नामक संवत्सर रहेगा। श्रावण शुक्लपक्ष ३ चन्द्रवार को ''सौम्य'' नामक संवत्सर का प्रवेश होगा परन्तु कीलक नामक संवत्सर का संकल्पादिक में प्रयोग करना चाहिए। जगल्लग्नाधिपति चन्द्र सप्तम् भाव में स्थित है इत्यादि योगों के आधार पर यह वर्ष साधारण फल कारक रहेगा। विश्व के अनेक राष्ट्रों में आपस में युद्ध की स्थिति दीख पड़ेगी जिसके लिये शासक वर्ग उन्नति एवं शान्ति के लिये सतत प्रयासरत रहेंगे। भारत सभी राष्ट्रों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने की कोशिश करेगा। पड़ोसी राष्ट्रों से भारत के सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण रहेंगे परन्तु कभी-कभी आपस में वैमनस्यता की भावना दीख पड़ेगी। विदेश नीति में भारत के विचारों से सम्मान बढ़ेगा परन्तु इन विचारों से वैमनस्यता भी बढ़ेगी। धनधान्य की उन्नति होगी। तकनीकि क्षेत्र में विदेशी राष्ट्रों से परस्पर सहयोग बढ़ेगा धनधान्य तथा व्यावसायिक उन्नति के लिये अनेक देशों से व्यापारिक समझौते होंगे। आधुनिक अस्त्र-शस्त्र के निर्माण में धन व्यय होगा। भारत रक्षा पर विशेष ध्यान देगा सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का प्रयास होगा। चोरी, डकैती, आतंकवाद जनापहरण में वृद्धि होगी जिससे प्रजा में भय व्याप्त रहेगा। राजनैतिक अस्थिरता के कारण कहीं-कहीं सत्ता परिवर्तन दृष्टिगोचर होंगे। किसी विशिष्ट व्यक्ति के निधन का दुःख राष्ट्र को सहन करना पड़ सकता है। धार्मिक उन्माद जातिगत समस्यायें रहेंगी जिससे जनता में भय बना रहेगा तथापि स्थिति सुधारने का प्रयास होता रहेगा। वर्षा प्रायः अच्छी रहेगी यद्यपि अतिवृष्टि से कहीं-कहीं धन-जन की हानि सम्भव है। अन्नादि की उपज अच्छी रहेगी। इस वर्ष दस अधिकारों में सात अधिकार सौम्य ग्रह तथा तीन अधिकार क्रूर ग्रहों को प्राप्त हैं। इस वर्ष राजा शनि देव तथा मंत्री मंगलदेव विभूषित है। अतः यह वर्ष साधारण फलकारक रहेगा। इस वर्ष अच्छी वर्षा होने से अन्नादि की उत्पत्ति अच्छी होगी कहीं-कहीं बाढ़ या उप्पल वृष्टि के कारण धन-जन की हानि सम्भव है। अनेक रोग से मनुष्य पशु परेशान दिखेंगे।

श्रीमती स्मिता पटवर्धन,
प्रबन्ध संचालक
द्वारा तेजकुमार बुक डिपो प्रा. लिमिटेड
की ओर से प्रकाशित एवं लक्ष्मी ऑफसेट, संजय गांधी पुरम्, इन्दिरा नगर, लखनऊ में मुद्रित।

संपादक :
पञ्चाङ्गकर्ता- कार्यालय कृष्णमुरारी मिश्र, राजज्योतिषी (भू.पू.)
प्रवर्तक- ज्योतिष तन्त्र विज्ञान
७८, अष्टभुजी दुर्गा देवी मार्ग, अमीनाबाद रोड, लखनऊ-४

श्री गणेशाय नमः ।। अचिन्त्याव्यक्तरूपाय निर्गुणाय गुणात्मने। समस्तजगदाधारमूर्तये ब्रह्मणे नमः ।। १ ।। स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम्। वासरमणिरिव तमसां शशीन्नाशयति विघ्नानाम् ।। २।। श्रीराम जगदाधारं सीताशक्तियुतं सदा। नत्वा लोकहितार्थाय संवत्सर फलं ब्रुवे ।। ३ ।। श्रीसूर्यसिद्धान्तमतेन निर्मितं पञ्चाङ्गकं लक्ष्मणपूर्ध्रुवाङ्कतः। कृतान्तवित्कृष्णमुरारि शर्मणा सञ्चालितं यद् विदुषां प्रमोदकृत् ।। ४ ।। प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहं कुर्याद् ध्वजारोपणं स्नानं मङ्गलमाचरेद्द्विजवरैः सार्द्धं सुपूजोत्सवम्। देवानां गुरुयोषितां च शिववोऽलङ्कार वस्त्रादिभिः, संपूज्यो गणकः फलं च श्रृणुयात्तस्माच्चं लाभप्रदम् ।।५ ।। चैत्रे पुण्यमये वसन्तसमये नव्यं फलं वार्षिकं, नित्यं यः श्रृणुयादघौघदलनमायुर्यशः श्रीकरम्। वेधा विष्णुहरौ रवीन्दुमहिजाः सौम्यो गुरुर्भार्गवो,मन्दोऽगुः सशखिश्च शत्रुदलनं कुर्वन्तु सर्वे ग्रहाः ।। ६ ।। राज्यं स्यादचलं तिथि श्रवणतो वारात्तथायुश्चिरं, नक्षत्रं कृत पापसञ्चयहरं योगो वियोगापहः । सर्वाभीष्टकरं तथैव करणं पञ्चाङ्गमेवं स्फुटं, श्रोतव्यं गणकाननात्प्रतिदिनं श्रेयस्करं सिद्धिदम् ।। ७ ।। तत्रादौ कमलासनादीनां दिनादिमानानि।। चतुर्युगसहस्त्रेण ब्रह्मणो दिनमुच्यते। निजेनैव तु मानेन आयुर्वर्षशतं स्मृतम्।। १ ।। तत्पराख्यं तदर्द्धं तु परार्द्धमाभिधीयते। पितामह सहस्त्रेण विष्णोश्च घटिकाः स्मृताः।। २ ।। विष्णोर्द्वादशलक्षाणि कलार्द्धं रौद्रमुच्यते। रुद्रस्यार्वुदसङ्ख्याभिस्ततो ब्रह्माक्षरं भवेत् ।। ३ ।। अथ श्री सूर्यसिद्धान्तमतेनास्मिन् शकवर्तमानस्य ब्रह्मणे आयुषोऽर्द्ध प्रथमपरार्द्धं गतं द्वितीयपरार्द्धे स्वायंभुवः १ स्वारोचिषः २ उत्तमः ३ तापसः ४ रैवतः ५ चाक्षुषः ६ इति षण्मनवो व्यतीताः।। वर्तमानस्य वैवस्वतमनोर्भ २७ मितानि महायुगानि गतानि कृतत्रेताद्वापरमिति युगत्रयम्। कालेर्गताब्दाः ५११६ एतानि सौरवर्षाणि व्यतीतानि ।। १ ।। सृष्टयादितः स्वाभीष्टगताब्दाः।

अथ चैत्रशुक्लद्विर्तियायां लङ्कायामर्द्धरात्रिकः सावनोऽहर्गणाः ७१४४०४१३८३८ श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यस्य सम्वत् २०७२ राष्ट्रीय एवं शालिवाहनीय, संवत् १९३७ वर्षारम्भे ''कीलक'' नाम संवत्सरः प्रवर्तते। तत्रादौ नर्मदोत्तरे भागे ''कीलक'' संवत्सरस्यातीत सौरमासादयः ०। ६। २५। ५५ भोग्यमासादि ११। २३। ३४। ५ ततोऽत्र ''सौम्य'' नाम संवत्सरस्य प्रवेशः। **''कीलक'' नाम संवत्सर फलम्** – कीलकाब्देत्वीति भीतिः प्रजा क्षोम नृपावहौ। तथापि वर्धते लोकाः सम धान्यार्ध वृष्टिभिः।।

अथ राजा शनिस्तत्फलम् – शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यतेजनः। युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमितं लोका क्षुधिताश्च देशान्।।

मंत्री भौमस्तत्फलम् – अवनिजो ननु मंत्रिपदं गतोभवति दस्यु गदादिज वेदना। जनपदेषुजयं सुख संचयं न बहुगोषुपयो द्विज कर्म च।।

सस्येषो गुरूःफलम् – कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः। जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै।।

धान्येशो बुधस्तत्फलम् – बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वैमृशम्। सैंधवेलाट देशे च माघवोल्पं च वर्षति।।

मेघेशश्चंस्तफलम् – शशिनितो यदपेयदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरसं तदा। फलवती धनधान्यवती धरां विविध भोगवती ननुभामिनी।

रसेशः शनिफलम् – रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः। अजगवां गजवाजि खरोष्ट्र हा जनपदेषु नरान्नरसैर्युताः।।

नीरसेशो गुरूःफलम् – हरिद्रा पीतवस्तूनि पीत वस्त्रादिकं चयत्। नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीति रूत्तमा।।

फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् – यदि विधुः फलपोद्रुम राशयः फलयुत व्रतिभिः कुसुमैर्युता। द्विजमुखावरभोग समन्विता नृपतयो नयनाटनततपरा।

धनेशो गुरूः फलम् – सुमनसां च गुरूर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरासुख भाजनाः। फलित पुष्पित भूमिरूहाः सदाविविध द्रव्ययुता भुविमानवा।। सम सुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्परा।।

दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् – गढ़पति मृर्गलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः। बहुधनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरावर वर्णित विग्रहाः।।

कीलक नाम संवत्सर फलम् – कीलकाब्देत्वीति भीतिः प्रजा क्षोम नृपावहौ। तथापि वर्धते लोकाः समधान्यार्थ वृष्टिभिः।।

मेघानाम द्रोणः फलम् – द्रोणे वर्षतिसर्वदा।। **रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम्** – समुद्रेति महावृष्टिः। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्। मालिनः प्रचुराःवृष्टिः। अस्मिन् वर्षे अढ़ाकमानम् पर्वत भूमौ समुद्रेषु। अस्मिन् वर्षे अधिक आषाढ़ शुक्ल पक्षे षष्ठभ्यां चन्द्रवासरे २६/४० आर्द्राप्रवेशनम्। **अथ तिथिफलम्** – षष्टयामाद्रा प्रवेशश्चे जायते पद्मिनीपते। तर्हि द्रविण संपत्यानराणां प्रचुरं सुखं।। **अथवार फलम्** – शशिधरवारे स्मरहरधिष्ण्ये दिनकर वेशेसति सुमिक्षं।। **अथ नक्षत्र फलम्** – भजमेसति चन्द्रर्क्षे जायते गेरवि। तदा भूमिभृतां कीर्तिः प्रत्यहं

भाग्यवर्धनम्।। **अथ योगफलम्** – सिद्धियोगे चेत्कुर्याद्रौद्रप्रवेशनम्। धनधान्य वरादिनां वृष्टि स्यातर्हि नागेदः। **अथ वेलाफलम्** – मध्याह्न काले कृषिनाशनञ्च। धान्यं महर्घ नृपतेश्च पीडा।। **श्रावण कृष्ण पक्षः** ०८ शुक्र वासरे तारीख ०७/०८/२०१५ ई० ३१/१२ शुक्रास्तः पश्चिमायां। **श्रावण शुक्ल पक्षः** ७ शनि वासरे तारीख २२/०८/२०१५ ई. १८/०० शुक्रोदयः पूर्वस्यां। **श्रावण कृष्ण पक्षः** ३० शुक्र वासरे तारीख १४/०८/२०१५ ई. ३६/०० ई. गुरू अस्तं। **भाद्रपद कृष्ण पक्षः** ११ भौम वासरे तारीख ०८/०९/२०१५ ई. ४०/४८ ई. उदयं गुरूः।

अथ वर्षादीनां विशोपकाः – वृष्टिः ७, धान्यम् १५, तृणाम् ७, शीतम् ७, उष्णम् १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, विनाशः १५, विग्रहः ११, क्षुधाः १५, तृषा ३, निद्रा ५, आलस्यम् ७, उद्यमः १३, शान्तिः १५, क्रोधः १३, दम्भः ५, लोभः ३, मैत्री १५, रसनिष्पत्तिः ९, फलनिष्पत्तिः १३, उत्साहः ११, उग्रता १५, पापम् १५, पुण्यम् ३, व्याधिः १, व्याधिनाशनम् १५, आचारः १५, अनाचार ३, मृत्यु १७, जन्म ९, देशोपद्रवः १०, देशस्वामित्वम् ३, चौरभयम् ९, चौरनाशनम् १, अग्निभयम् १५, अग्निनाशनम् १, विषभयम् ११, विषनाशनम् १३, सेवकत्वम् ७, स्वामित्वम् ११, निजधनम् ९, परधनम् १, शलभाः १३, शुकाः ९, मूषकाः १७, अतिवृष्टि ३, अनावृष्टि ५, स्वचक्रम् ७, परचक्रम् १५, नायकत्वम् १३, रत्नम् १३, वस्त्रम् ९, घृतम् ९, तैलम् ३, दुकुलम् १३, ऊर्णम् ११, सौम्यवस्त्रम् १५।

अस्मिन् वर्षे "कीलक" नाम संवत्सरः प्रचलितः। श्रावण शुक्ल ३ चन्द्रवासरतः सौम्य नाम संवत्सरः। परन्तु वर्ष पर्यन्तः कीलक नाम संवत्सरस्य संकल्पो भविष्यति।

अथ द्वापर व्यवस्था -- माघ कृष्ण अमावस्यां शनिवारे च वासरे। व्यतिपाते निशायां तु द्वापरस्य प्रवर्तनम्।। तत्र द्वापर प्रमाणम् ८६४०००।। तत्रा वतारौ द्वौ।। श्री कृष्णः १ श्री बुधः२।। एतयोजन्मसमयः।। भाद्रकृष्णे तु चाष्टभ्यां बुधवारे च घातृभे। वृद्धि योगे च संप्राप्ते निशीये कृष्ण जन्म धृक्।। कंसादि राक्षसान्हन्तुं गोपीनां तु सुखाय वै। तत्र गोकुल मध्ये स्थितिः वर्षाणि११। गोकुले गोपीभिः सह क्रीड़ा कृत्वा मथुरायां उग्रसेनाय राज्यं दत्वा। तत्रस्थितिः वर्षाणिः ।।१००।। पुनः द्वारिकायां सम्प्राप्तिः।। तत्पश्चात् बुद्धरूपस्थितिः।। कलौदशसहस्त्राणि कृष्णस्तिष्ठिति मेदिनीम् तदर्द्ध जाह्नवीतोयं तदर्द्ध ग्राम देवता।। तत्र पापं १०।। पुण्यं ।।१०।। मनुष्यायुर्बलं ।।१०००।। हस्तोच्चया।। ७।। पात्रं ताम्रमयं रौप्यमयी मुद्रा। तीर्थ कुरूक्षेत्रम् प्राणास्त्वचागताः। चन्द्रवंशीय राजानः। तेषां नामानि श्री सोम १ श्री बुधः २ श्री पुरूरवा ३, श्री नलः ४ श्री अनलः ५ श्री नहुष ६, श्री मान्धाता ७, श्री प्रत्यन्त ८, श्री शान्तनुः ९, श्री चित्र वीर्यः १० श्री विचित्रवीर्यः ११ श्री उपेन्द्रः १२ श्री अर्जुनः १३, श्री अभिमन्युः १४, श्री परीक्षितः १५ श्री जन्मेजयः १६, श्री वृषराजः १७, श्री यौवनाश्व १८, एतेषां सुमेरूपर्यन्तगमनम्। दिव्यान्न भक्षणम् दिव्य वस्त्र परिधानम्। एकश्चेत्कुरूते पापंकुलं तस्य विनश्यति।। अत्र युगे ब्राह्मणाद्विवेदपाठिनः। सत्यासत्यवार्ता। लोभा लोभ युक्ताः। शापानुग्रहे समर्थाः। ईश्वराराधने तत्पराः। स्त्रियः शंखिन्यः। त्रयः प्रसवः। गर्भेवसति।।५।। गावोद्विकाले दुग्धपूर्णाः। नद्यो मध्य जलाः। सर्वस्ययुता पृथ्वी रौप्य द्रव्य समन्विता च। वपनं चैकवारेण सङ्ग्राह्य तत्र पञ्चधा।

अथ कलियुग व्यवस्था – भाद्रपक्षे कृष्णे त्रयोदश्यां मृगोर्वरि भगर्क्षगे। साध्ययोगे च संध्यायां कालेःपादप्रवर्तनम्। तत्र भाद्रपद कृष्ण त्रयोदश्यां कलियुगोत्पत्तिः। तस्य प्रमाणं ४३२००००। तत्र संभल देशे विष्णुशर्मा ब्राह्मणदेव शर्मी ब्राह्मणीगृहे कल्क्यवतारो भविष्यति। तत्र पापं। १५। पुण्यं । ५।। मनुष्यायुर्बलं वर्षाणि । १००। हस्तोच्वता ३½ पात्रं मृण्ययम। ताम्रमयीमुद्रा। तीर्थ गंगा। प्राणाअन्नमयाः। मनुष्यायुर्बलम्। १००। सनत्कुमार संहितायाम्।। कलेर्दश सहस्त्रान्ते विष्णुस्त्यक्ष्यति मोदिनीम्। तदर्द्ध जाहनवी तोयं तदर्द्धः ग्राम देवताः। पृथ्वीगंधहीना भविष्यत्यन्तिये कलौ। तदा त्यक्ष्यति विष्णुश्च मेदिनी नरपुङ्गव।। गत कलि ५११६ ।। भोग्य कलि ४२६८८४। अत्र युगे ब्राह्मणा स्ववेदहीनाः। असत्यवार्तारताः। लोकाः तपो हीनाः। गावो दुग्धहीनाः। नद्यो जलहीनाः। स्त्रियो हस्तिन्यः। एक विंशति प्रसवाः। गर्भे वसतिः मासा ९। पुरे पुरे राजा। वीजहीना पृथ्वी । अथ कलिमध्ये शककर्तारो नृपाः।। कलेराम्भ श्री युधिष्ठिरः शाके ३०४४। तदग्रे उज्जयिन्या श्री विक्रम शाके। १३५। ततः नर्मदा दक्षिणे श्री शालिवाहन शाके।। १८३०।। तदग्रे पुंगीप टूटने श्री विजयाभिनन्दन शाके १०,०००। तदग्रे सिन्धुसमीपे श्री नागार्जुन शाके। ४०००००। तदग्रे गौड़देशे श्री कल्कि शाके। ८२१। अथ शालिवाहन शक मध्ये दिल्लीश्वराः।। श्री तिमिरलिंग शाके। ३८२। राज्यं । ६०। श्री वावर शाके। २६४। राज्यं । ५५। श्री हुमायु शाके । ३३६। राज्यं । ४८। श्री अकबर शाके । २१। राज्यं । ५१। श्री जहाँगीर शाके । ११४। राज्यं । २२१। श्री शाहजहाँ शाके । १३६। राज्यं। ३२। श्री

औरंगजेब शाके । ८२। राज्यं । ५१। श्री बहादुर शाह शाके । ६२। राज्यं । ५। श्री फारूख शेख शाके । ५४। राज्यं । ७। श्री मुहम्मद शाके । ४४। राज्यं । ३०। श्री अहमद शाके । १४। राज्यं । ६। श्री आलमगीर शाके । २०। राज्यं । ६। श्री शाहआलम शाके । १३१ । श्री राष्ट्रीय शाके । १६३७। पंचचत्वारिशत वर्षे प्रवेशः । अथ कलियुग मध्ये सर्वेषां परमायुरूच्यते।। शतमायुर्मनुष्याणां । १००। वृक्षाणां च सहस्त्रकम् । १०००। द्वात्रिशद् गोतुरंगाणां । ३२। गजानां विंशतिः शतम् । १२०। व्याघ्रोष्ट्राणां चतुःषष्टि । ६४। कालव्याल सहस्त्रकम्। १०००। भल्लू नां वानराणां च मंडूकानां सप्तविंशतिः । २७। सहस्त्रं गृहसिंहानां । १०००। मयूराणां शतार्द्धकम्। ५०। सार्द्धशतं । १५०। च कुर्गाणां मकराणां त्वया स्मृतम्। वर्ष विंशो । २०। द्विहंङ्गनां वर्ष मेकं पिपिलिकाः। चतुर्विशत् । २४। खराणां च मृगाणां पञ्चविंशति । २५। मर्जारी च शुनी चर्वी श्रगाले च वृषेद्विषट् । ६२। मुषके पञ्च । ५। वर्षाणि वासुवर्षाणि। ८। कुक्कुडे चतुः सप्ततिः । ७४। चकोराणां पिंगलानां शतत्रयम् । ३००। प्रसाद कूप वापीषु सरसीपत्तनेषु च सहस्त्रकं । १०००। पञ्चशत् वर्षाणि तदर्द्ध ग्राम ग्रामयोः। एक त्रिशत् । ३१। दिनं प्रोक्तं मक्षिका स्वेद जातिषु मनुष्यायुर्वष शतं । १००। सन्निपाते मृत्युवै । इति युग व्यवस्था।

अथ युग व्यवस्था – कार्तिके शुक्ल पक्षे च नवम्यां शे च विष्णुभे।। धृति योगे च मध्याह्ने कृतांध्रेः स्यात् प्रवर्तनम्।। कृत युग प्रमाणम् १७२८००० तत्रावताराः ४। श्री मत्स्यः १ श्री कमठः २, श्री वाराहः ३, श्री नृसिंह : ४। एतेषां जन्म समयाः। अथ मत्स्योत्पत्ति :। प्रभवाब्दे चैत्र कृष्णे पञ्चभ्यां शे च मूलभे। सिद्धि योगे च सन्ध्यायां भगवान मत्स्यरूपधृक्। शङ्खासुर वधार्याय वेद मुद्धारणाय च।। १।। अथ कच्छपोत्पत्तिः । विभवे वत्सरे ज्येष्ठे कृष्णेऽर्के द्वादशी तिथौ धातृभे। धृतियोगे च सायं कुर्मो भवेद्धरिः भूभारहरणार्थाय शेषं सौख्याय नाटकी।। २।। अथ वाराहोत्पत्तिः । शुक्लाब्दे चैत्र कृष्णे च त्रयोदश्याम् वसुभेरवौ। ब्रह्मयोगे पराह्ने च हरिर्वाराहरूपधृक्। जलमध्ये गतां पृथ्वी दष्ट्रयोद्धर्तुकामया।। ३।। अथ नृसिंहोत्पत्तिः। अङ्गिराब्दे च वैशाखे शुक्ले शम्भुतिथौ रवौ। द्वीशर्क्षे वरीयाने च सायं स्यान् नृहरिर्हरी। हिरण्यकशिपुं हन्तुं भक्तानां च सुखाय वै।। ४।। तत्र पापं नास्ति पुण्यं ।। २०।। मनुष्यायुर्बलं १००००। हस्तोच्चता । २१। पात्रं सुवर्णमयम्। रत्नमयी मुद्रा। तीर्थ पुष्करम् । प्राणा ब्रह्माण्डगताः । दैत्यवंशीय राजानः । तेषां नामानि राजा श्री विक्रमः १, श्री विद्धवत्सः २, श्री वैरोचनः ३, श्री मुचुकुन्दः ४, श्री भैरवः ५, श्री नन्दकः ६, श्री अन्धकः ७, श्री हिरण्याक्षः ८, श्री हिरण्यकशिपुः ९, श्री प्रहलाद : १०, श्री श्री पति ११, श्री बलि १२, श्री कपिला सुर १३, श्री कपिल भद्रः १४ । एतेषां त्रैलोक्यपर्यन्त गमनम्। दिव्यान्नभक्षणम्। दिव्य वस्त्र परिधानम्। एकश्चेत्कुरूते पापं तस्य देशो विनश्यति। अत्रयुगे ब्राह्मणाश्चुर्वेद पाठिनः सत्यरताः।। ईश्वराराधने तत्पराः। पर स्त्री पर द्रव्य पराङ्मुखाः। शापानुग्रहे समर्थाः। स्त्रिया : पद्मिन्यः। एकः प्रसवः। गर्भे वसति वर्ष ५००। गावः कामदुग्धाः । नद्याः जलपूर्णाः। सर्वस्ययुता पृथ्वी बहुरत्नोपशोभिता। वपनम् चैकवारणं संग्राह्यं नवधा तथा।

अथ त्रेता व्यवस्था – वैशाखे शुक्ल पक्षे च तृतियायां गुरोर्दिने। धातृये धृतियोगे च त्रेतांङध्रेस्यात्प्रवर्तनम्।। त्रेता प्रमाणाम् १२९६०००। तत्रावताराः ३। श्री वामनः १। श्री परशुरामः २। श्री रामः ३। तेषां जन्मसमयाः। अथ वामनोत्पत्तिः। सर्वजिद्वत्सरे भाद्रे शुक्ले वै द्वादशी भृगौ। श्रवणे शोभने योगे रामो वामन रूप धृक्। यक्ष कृद्वलिनं भूप मयाचत् पृथ्वीभिमाम्।। १।। अथ परशुरामोत्पत्तिः। सर्वजिद्वत्सरे माघे शुक्ले गौर्यास्थितौ कुजे। पूर्वा भाद्रे वरीयाने रामः परशुरूप धृक्। उन्मत्तान्क्षत्रियान्हन्तुं भक्तानां तु हिताय वै ।। २।। अथ रामोत्पत्तिः तारणाब्दे चैत्र शुक्ले नवम्यां तिथिभे रवौ। सुकर्मणि च मध्याह्ने रामो दशरथात्मजः। रावणस्य वधार्थाय देवानां वन्धमुक्तये ।। ३।। तत्र पापं ५, पुण्यं १५, मनुष्यायुर्बलं १०००। हस्तोच्चता १४। पात्रं रौप्यमयं। मुद्रासुवर्णमयी। तीर्थ नैमिषारण्यम्। प्राणा अस्थिगताः। सूर्यवंशीय राजनः। तेषां नामानि। श्री मनु १, श्री धूम्राक्ष २, श्री व्याकुक्षि ३, श्री हरिश्चन्द्रः ४, श्री रोहिताश्वः ५, श्री सागरः ६, श्री मुञ्चः ७, श्री अश्वभुजः ८, श्री परिधिः ९, श्री भागीरथः १०, श्री दिलीपः ११, श्री रघुः १२, श्री अजः १३, श्री दशरथः १४, श्री रामचन्द्रः १५, श्री कुशः १६, श्री अग्निवर्णः १७, श्री द्युतिः १८। एतेषां इन्द्रलोक पर्यन्त गमनम्। दिव्यान्न भक्षणम्। दिव्य वस्त्र परिधानम्।। एकश्चेत्कुरुते पापं तस्य ग्रामो विनश्यति।। अत्र युगे ब्राह्मणास्त्रिवेद पाठिनः। सत्यरतः। शिवभक्ताः। परस्त्री पर द्रव्य पराङ्मुखाः। शापोऽनुग्रहे समर्थाः। स्त्रियः चित्रिण्यः। द्वौ प्रसवौ।। गर्भे वसति ५० ।। गावः त्रिकाल दुग्धपूर्णा। नद्याः किञ्चिन्यून जलाः। सर्वस्ययुता पृथ्वी स्वर्णद्रव्योपशोभिता।। वपनं चैक वारेण सङग्राह्यं तत्र सप्तधा।। इति त्रेता व्यवस्था।।

।। संवत् २०७२ शाके १९३७ मध्ये विवाहादिक-लग्नानि ।।

।। वैशाख शुक्ल पक्षः ।।

तिथि ३ भौमे रोहिण्यां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ४ बुधे मृगिशिरायां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ५ गुरौ मृगिशिरायां दिवा लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ९ चन्द्रे मधायां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि १० भौमे मधायां दिवा लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ११ बुधे उ०फा० लग्नं चिन्त्यम्

तिथि १२ गुरौ उ०फा० लग्नं चिन्त्यम्

।। ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः ।।

तिथि ३ गुरौ मूले लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ४ शुक्रे मूले दिवा लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ५ शनौ उत्तराषाढ़ लग्नं चिन्त्यम्

।। ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः ।।

तिथि १ भौमे मृगिशिरायां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ३ बुधे मृगिशिरायां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ९ रवौ मधायां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि १२ शनौ स्वात्यां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि १३ रवौ स्वात्यां दिवा लग्नं चिन्त्यम्

।। शुद्ध आषाढ़ कृष्ण पक्षः ।।

तिथि १ बुधे मूले लग्नं चिन्त्यम्

तिथि २ गुरौ मूले दिवा लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ३ शुक्रे उत्तराषाढ़ लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ४ शनौ उत्तराषाढ़ दिवा लग्नं चिन्त्यम्

तिथि १० गुरौ रेवत्यां लग्नं चिन्त्यम्

तिथि ११ शुक्रे रेवत्यां दिवा लग्नं चिन्त्यम्

।। अथ अष्टोत्तरीय - मतेन आय - व्यय - चक्रम्।।

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	१४	८	११	५	८	११	८	१४	२	५	५	२
व्यय	१४	८	५	५	१४	५	८	१४	८	२	२	८

।। अथ विंशोत्तरीय - मतेन आय - व्यय - चक्रम्।।

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	८	२	८	२	५	८	२	८	५	१४	१४	५
व्यय	५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	११	११	११

अथ जगल्लग्न कुण्डली ई. १७/१६

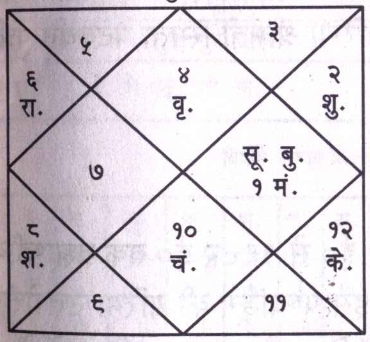

अथ आर्द्रायां वर्ष कुण्डली ई. २६/४०

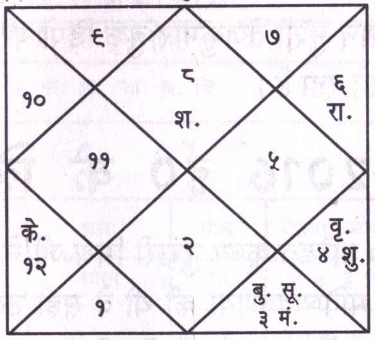

।। दिशाओं के राशि - स्वामी ।।

पूर्व दिशा के राशि स्वामी - मेष, सिंह, धनु।
दक्षिण दिशा के राशि स्वामी - वृष, कन्या, मकर।
पश्चिम दिशा के राशि स्वामी - मिथुन, तुला कुम्भ।
उत्तर दिशा के राशि स्वामी - कर्क, वृश्चिक, मीन।

।। शरीर अंगों के राशि स्वामी ।।

१. मेष - सिर
२. वृष - गर्दन
३. मिथुन - भुजाएं
४. कर्क - हृदय
५. सिंह - उदर
६. कन्या - कटिप्रदेश
७. तुला - पेडू
८. वृश्चिक - लिङ्ग, योनि
९. धनु - नितम्ब
१०. मकर - जाँघ
११. कुम्भ - पैर
१२. मीन - तलुआ

।। आयुर्वेद की दृष्टि से रोगों का निदान लग्न के 12 स्थानों से करना चाहिए ।।

卐 卐 卐 ।। ग्रह योग कालः।। 卐 卐 卐

सूर्य एक राशि में - १ मास और आरम्भ में ५ दिन फल देता है।
चन्द्रमा एक राशि में - २$\frac{१}{२}$ दिन और अंत की ३ घटी फल देता है।
मंगल एक राशि में - १$\frac{१}{२}$ मास और आरम्भ के ८ दिन फल देता है।
बुध एक राशि में - १ मास और सब दिन फल देता है।
वृहस्पति एक राशि में - १३ मास और मध्य में २ मास फल देता है।
शुक्र एक राशि में - १ मास और मध्य में ७ दिन फल देता है।
शनि एक राशि में - २$\frac{१}{२}$ वर्ष अन्त में २ मासों में फल देता है।

।। शनि की साढ़े साती आदि विचार।।

इस वर्ष पर्यन्त शनि वृश्चिक राशि के रहेंगे। अतः तुला, वृश्चिक, धनु राशि वालों के लिए शनि की साढ़े साती का प्रभाव रहेगा। तुला राशि वालों के लिए पैर पर, वृश्चिक राशि वालों के लिए उदर पर तथा धनु राशि वालों के लिए सिर पर शनि की साढ़े साती का प्रभाव रहेगा। मेष और सिंह राशि वालों के लिए शनि की अढ़ैया का प्रभाव रहेगा।

जिन लोगों को शनि की साढ़ेसाती या अढ़ैया है उन्हें हनुमान जी की आराधना एवं दर्शन हनुमान चालीसा या सुन्दरकाण्ड रामायण का पाठ करना चाहिए। शनिवार को प्रातः पीपल के पेड़ में काले तिल के साथ जलदान तथा सायं तिल के तेल का दीपक देना चाहिए। काले घोड़े के नाले या नाव के कांटे की मुदरी बनवाकर शनिवार के दिन मध्यमा अंगुली में धारण करना चाहिए। प्रत्येक शनिवार को शमी की लकड़ी से १०८ बार "ॐ शं शनैश्चराय नमः" इस मंत्र से आहुति देने से लाभ होगा।

।। संवत् 2072 शाके 1937 में विश्व में तथा भारत वर्ष में लगने वाले ग्रहण की सूचना।।

१. चैत्र शुक्ल पक्ष १५ शनिवार तद्नुसार तारीख ४ अप्रैल २०१५ ई. को ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण होगा जो रेलवे टाइम ३ बजकर ४५ मिनट पर स्पर्श और ७ बजकर १७ मिनट पर मोक्ष होगा।
२. भाद्रपद शुक्ल पक्ष १५ सोमवार तद्नुसार तारीख २८ सितम्बर २०१५ ई. को ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहण होगा जो रेलवे टाइम ६ बजकर ४० मिनट पर स्पर्श और १० बजकर १ मिनट पर मोक्ष होगा।
३. फाल्गुन कृष्णपक्ष ३० बुधवार तद्नुसार तारीख ९ मार्च २०१६ ई. को स्वरूप ग्रास ग्रस्तोदय सूर्य ग्रहण होगा जिसका स्पर्श रेलवे टाइम ५ बजकर ४० मिनट पर स्पर्श और ६ बजकर ३८ मिनट पर मोक्ष होगा।

(नोट : जहाँ वह ग्रहण दृश्य हो वह इसको मानने की आवश्यकता है। ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ लोगों को छोड़कर भोजनादि निषेध है।)

।। अथ पञ्चाङ्ग परिचय।।

इस पत्रे का संपादन लक्ष्मणपुर (लखनऊ) स्थित दुगावाँ निवासी त्रिस्कन्ध ज्योतिष में निष्णात पण्डितप्रवर महामहोपाध्याय स्वर्गीय रामप्रसाद सिद्धान्तीजी ने आर्ष सूर्यसिद्धान्त के जटिल एवं दुर्भेद्य श्लोकों का मन्थन करके श्री शुभ विक्रम संवत् १९४६ अर्थात् सन् १८८९ से प्रारम्भ किया था जिसके प्रकाशन एवं मुद्रण का श्रीगणेश उसी समय से भार्गव कुलभूषण स्वर्गीय मुंशी नवलकिशोर सी.आई.ई. ने अपने यन्त्रालय द्वारा किया था। परमेश्वर की असीम अनुकम्पा से यह पंचांग (पत्रा) अपने प्रकाशन के वर्ष पूर्ण कर १२६ वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। वस्तुतः इस पत्रे की ख्याति ''पत्रा रामप्रसाद सिद्धान्ती'' के नाम से अमरता का संदेश देती चली आ रही है। हमारे देश के ज्योतिर्विद् तथा विद्वद्वर्ग इस पत्रे के गणित तथा फलित में बड़ी आस्था और विश्वास रखते आ रहे हैं।

संवत् २०३९ तक इस पत्रे का संपादन स्वर्गीय पं. रामप्रसाद सिद्धान्ती के एकमात्र उत्तराधिकारी एवं दौहित्र आचार्यप्रवर श्री कृष्णमुरारी मिश्र जी के द्वारा संपन्न हुआ। अब यह कार्य उनके कार्यालय द्वारा उनके भ्रातृज श्री रामकृष्ण मिश्र की देख-रेख में अबाध गति से संपन्न हो रहा है। आपने इस पत्रे में अनेक नवीन विषयों का समावेश कर इसे और भी उपयोगी बना दिया है। इसके अतिरिक्त जो भी भविष्यवाणियाँ इस पत्रे के आधार पर की जाती है, अधिकांशतः सही घटित होती आ रही हैं, जिसे देखकर देश के अनेक भागों में गुणग्राहकों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। फलस्वरूप कभी-कभी इस पत्रे की प्रकाशित प्रतियाँ इतनी शीघ्रता से समाप्त हो जाती हैं कि बहुत से ग्राहकों को निराश होना पड़ता है। अब इस पत्रे का मुद्रण एवं प्रकाशन मुंशी तेजकुमार बुक डिपो की उत्तराधिकारिणी श्रीमती स्मिता पटवर्धन पुत्री स्व० मुंशी तेजकुमार भार्गव एवं उनकी धर्मपत्नी स्व० श्रीमती कमला भार्गव के संरक्षण में हो रहा है।

।। भविष्यवाणी सन् 2015-2016 ई0 के लिए ।।

प्रस्तुत पञ्चांङ्ग के भू०पू० प्रणेता एवं ज्योतिर्विज्ञान के मनीषी आचार्य प्रवर स्व० पण्डित कृष्ण मुरारी मिश्र जी ने सन् १९७५ ई० से १९८२ ई० तक ब्रह्माण्डीय राशि तथा आकाशीय तारकपुंजो के वैज्ञानिक अध्ययन तथा गवेषणात्मक विचार पर जो भविष्यवाणियां की थी वे सही उतरी। इससे इस पञ्चांङ्ग की गरिमा उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है। प्रस्तुत पञ्चांङ्ग में सन् २०१५-२०१६ ई० के लिये कुछ बातें लिखी जा रही है। जगल्लग्नाधिपति चन्द्र सप्तम् भाव में स्थित है एवं दस अधिकारों में ७ अधिकार सौम्य 'ग्रह' तथा ३ अधिकार क्रूर ग्रहों को मिले हैं। अतः यह वर्ष साधारण तथा फलकारक रहेगा। इस वर्ष राजा के पद पर शनिदेव एवं मंत्री के पद पर मंगल देव विभूषित हैं। इस वर्ष वर्षा अच्छी होने से अन्नादि की उत्पत्ति अच्छी रहेगी। कहीं-कहीं अति वृष्टि से धन-जन की हानि सम्भव है, प्रजा सुख शान्ति का अनुभव करेगी। यह वर्ष राजाओं के लिये साधारण रहेगा। चोरी, डकैती, आतंकवाद, फसाद, धार्मिक-उन्माद, जातिवाद के वृद्धि से जनता में भय व्याप्त रहेगा परन्तु इन सभी चीजों का राष्ट्र डटकर मुकाबला करेगा। पड़ोसी राष्ट्रों से मित्रतापूर्ण सम्बन्ध रहेगा, परन्तु कभी-कभी वैमनस्यता की भावना दीख पड़ेगी। विदेश नीति में भारत का सम्मान बढ़ेगा। धन-धान्य की उन्नति होगी। तकनीकि तथा व्यापारिक क्षेत्र में विदेशी राष्ट्रों से अनेक समझौते होंगे। धन-धान्य एवं व्यावसायिक उन्नति के लिये अनेक राष्ट्रों से व्यापारिक समझौते होंगे। आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में धन व्यय होगा। सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के प्रयास होंगे। किसी विशिष्ट व्यक्ति के निधन का दुःख राष्ट्र को सहन करना पड़ेगा।

स्त्री वस्त्रचूड़ीधारण का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५।३०
वार	बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	ह. चि. स्वा. वि. अनु. ध. अश्वि. रे.

गृहारम्भ का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि
नक्षत्र	उ. ३, रो. मृ. रे. चि. अनु. स्वा. श. ध. ह. पु.

वृक्ष लगाने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	श. ह. पु. अ. वि. मृ. मृ. रे. चि. अनु., ३ उ. रो.

देवप्रतिष्ठा करने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि
नक्षत्र	मृ. रे. चि. अनु. ह. अ. पु. स्वा. पुन. श्र. ध. श. ३ उ. रो.

बालक व वालिका के दाँत निकलने का विचार।

मास	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
फल	निज मृत्यु	छोटे भाई का नाश	बहिन का नाश	माता का नाश	बड़े भाई का नाश	सुख करे	पिता को सुख	शरीर पुष्टि	धन	सदा-सुखी	सौख्य	सुख संपत्ति

धान्य छेदन का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३
वार	रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	पू. फा. ज्ये. श्ले. पू. भा. ह. कृ. ध. श्र. मृ. स्वा. म. उ. ३ पू. षा. चि. पु.

दत्तक (गोद) पुत्र लेने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	रवि, भौम, बुध, शुक्र
नक्षत्र	ह. चि. स्वा. वि. अनु. अ. ध. पु.। लग्न—वृश्चिक, सिंह वृष, कुम्भ

नई वस्तु बेचने का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।७।१०।११।१२
वार	रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शनि
नक्षत्र	पु. रे. वि. कृ. श्ले. भ.

नई वस्तु माल लेने का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।७।१०।११।१३
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	रे. अ. श. स्वा. श्र. चि.

यात्रा का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।१०।११।१३
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	ह. अ. पुन. पु. अनु. मृ. रे. श्र. ध.

विवाहे रविचन्द्रगुरुशुद्धिचक्रमिदम्

ग्रहादि	रवि	चन्द्र	गुरु
शुभदायकाः	३।६।१०।११	३।६।७।१०।११	२।५।७।९।११
पूज्याः	१।२।५।७।९	१।२।५।९	१।३।६।१०
निंदिताः	४।८।१२	४।८।१२	४।८।१२

विवाहे लग्नवर्जितचक्रम्।

ग्रहाः	सू.	च.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.	लग्नेश
स्थान	७ १	७ १ ९ ८	७ ८ १०	७ ८	७ ८	३ ७ ६ ८	१ ७ १२	५ ७	७ १	६ ७ ८

उबटन व तेल लगाने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अ. पु. ह. ३ उ. रो. श्ले. स्वा. पुन, श्र. ध. श. मू. मृ. रे. चि. अनु.

अथ नवगृहप्रवेशमुहूर्तबोधकचक्रम्।

मास	वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन एतन्मासे उत्तरायणे सूर्यः
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३
वार	च. बु. बृ. शु. श.।
नक्षत्र	उ. ३, अनु. रो. मृ. चि. रे. एषु द्वास्थभेषु कुंभचक्रशुद्धे
लग्नानि	२।५।८।११ एषु सत् ३।६।९।१२ एषुमध्यमः लग्नेचंद्रौनेष्टः
लग्न शुद्धिः	जन्मर्क्षलग्नादुपचयस्थचरोनभांगे। लग्नाच्चतुर्थाष्टमशुद्धौ सत्यां शुभः। लग्नात् १।२।३।५।७।१०।११ शुभः ३।६।११ पापैश्चोत्तमः। चतुर्थशुद्धेज्ञऽपि सत्।

अथ त्रिरागमनमुहूर्तः

आदित्यहस्तेऽन्त्यमृगाश्विमैत्रे तथा श्रविष्ठास्वपि वातपित्र्ये। वध्वास्तृतीये गमने प्रशस्तं स्याद्योगिनीशूलतमोविशुद्धौ।।१।। (पुनर्वसु. हस्त, रेवती, मृगशिरा, अश्विनी, अनुराधा, श्रवण, स्वाती, मघा ये नक्षत्र शुभ हैं और योगिनी, दिशाशूल और राहु की शुद्धि लेना चाहिए। ।।१।।

विवाहे गुरुशुद्धिश्च भृगुशुद्धिर्द्विरागमे। त्रिगमे राहुशुद्धिश्च चन्द्रशुद्धिश्चतुर्गमे।।२।। आद्येऽर्के भ्रमते राहुः पूर्वाशादिक्चतुष्टये। सराहुर्दक्षिणे त्याज्यस्तृतीयगमने स्त्रियाः।।३।। छागे चन्द्र १ शरा ५ ऽ इ्क ९ राशिषु गते पूर्वे १० दशर्तु ६ द्विके २ याम्ये, वारुणि केश ११ सप्त ७ गुणके ३ सौम्ये तथा संभवेत्। वेदे ४ द्वादशके १२ तथा च वसुके ८ वध्वास्तृतीये गमे वामः पृष्टगतः शुभो मुनिवरै राहुश्च वै कीर्तितः।।४।।

मूल नक्षत्रों का ज्ञान

मूल के नक्षत्र— ज्येष्ठा, रेवती, आश्लेषा, अश्विनी, मघा और मूल हैं। इनमें ज्येष्ठा, रेवती, आश्लेषा इनके अन्त की दो-दो घटी और अश्विनी, मघा, मूल इनके आदि की दो-दो घटी गण्डान्त मूल हैं। इसमें गर्भाधान करना उचित नहीं है।

कथा शुरू करने का मुहूर्त।

पंचाङ्ग में जिस नक्षत्र के बृहस्पति हों उस नक्षत्र से सोलह नक्षत्र तक शुभ है। उसके बाद आठ नक्षत्र तक अशुभ है। उसके बाद फिर तीन नक्षत्र तक शुभ हैं इसलिए अशुभ को छोड़कर शुभ में कथा प्रारम्भ करें।

स्त्रीणामाद्यरजोदर्शने श्रेष्ठमासपक्षादीनां बोधकचक्रम्।

मास	वैशाख, श्रावण, आश्विन, मार्गशीर्ष, माघ और फाल्गुन
पक्ष	शुक्ल पक्ष व श्वेतवस्त्र में शुभदायक है।
तिथि	१।२।३।५।७।१०।११।१३।१५। कृष्णपक्ष की दशमी तक मध्यम है।
वार	चन्द्र, बुध, गुरु और शुक्र ये वार श्रेष्ठ हैं।
शुभ	श्र. ध. श. मू. रे. चि. अनु. ह. अश्वि, पुष्य, उत्तरा ३. रो. स्वा. ये उत्तम हैं। मृ. पुन. म. ज्ये. वि. कृ. ये
नक्षत्र	मध्यम हैं और शेष वर्जित हैं। दुर्योग और भद्रारहित दिन श्रेष्ठ हैं। रात्रि निन्दित है।

रजस्वलास्नानमुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	ह. स्वा. अ. मृ. अनु. ध. रो. ३ उ. ज्ये.

राजा से मिलने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	३ उ. मृ. रो. रे. चि. अनु. अ. पु. ह. श्र. ध

पुसवन का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।१०।११।१३।१५
वार	रवि, भौम, गुरु
नक्षत्र	मृ. ह. पुन. पू. म. अ. रो. रे. उ. ३

सीमन्त का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।१०।११।१३।१५
वार	रवि, भौम, गुरु
नक्षत्र	मृ. ह. पुन. पु. मू. अ रे. रो. उ. ३

सूतिकास्नानमुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।१०।११।१२।१३।१५।३०
वार	रवि, भौम, गुरु, गुरु, मध्यम, चन्द्र, शुक्र
नक्षत्र	उ. ३ रे. रो. मृ. ह. स्वा. श्र. अ.। मध्यम एतत् श्ले ध. श. ज्ये. पू. ३ वि.

नामकरण का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।१०।११।१२।१३
वार	सोमवार, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	मृ. रे. चि. अनु. रो. ह. ३ उ. पु. अ स्वा. पुन. श्र. ध. श.

बाजार में दूकान रखने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि
नक्षत्र	मृ. रे. चि. अनु. ३ उ. रो. ह. पु. अ.

अदालत में नालिश का मुहूर्त।

तिथि	१।३।५।७।९।११।१३।१५
वार	रवि, चन्द्र, गुरु, शनि
नक्षत्र	स्वा. ह. भ. अनु. पु. श्ले ध., ३ उ. रे. रो.

अन्न चटाने का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।७।१०।१३
वार	सोमवार, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	मृ. रे. चि. अनु. अ. पु. ह. स्वा. पुन. श्र. ध. श. रो. ३ उ. शुभम्।

मुण्डन करने का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।७।१०।११।१३
वार	सोमवार, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	मृ. रे. चि. ज्ये. स्वा. पुन. श्र. ध. श. ह. अ. पु.

कान छेदने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	सोमवार, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अ. पु. ह. मृ. रे. चि. अनु. पुन. श्र. ध

जनेऊ कराने का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।१०।११।१२
वार	रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अ. पु. ह. ३ उ. रो. श्ले. स्वा. पुन. श्र. ध. श. मूल. मृ. रे. चि अनु. ३ पू.

कर्जा देने व लेने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	स्वा. पुन. मृ. रे. चि. अनु. वि. पु. श्र. ध. श. अ.

विद्या आरम्भ का मुहूर्त।

तिथि	२।३।५।६।१०।११।१२
वार	रविवार, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	मृ. पुन. ह. चि. स्वा. श्र. ध. श. अ. मू. पू. षा. पू. भा. पू. फा. पु. श्ले. रो. अनु. ३. उ.

खटिया बनवाने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	३ उ. रो. मृ. रे. चि. अनु. ह. अ. पु. श्र. म. पुन.

तिलक चढ़ाने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	रो. ३ उ. रे. मू. स्वा. म. अनु. ह.

वधूप्रवेश मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, गुरु, शुक्र, शनि
नक्षत्र	रो. उ. ३ अ. पु. ह. मृ. रे. चि. अनु. श्र. ध. श. मू. स्वा.

द्विरागमन का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	ह. अ. पुन. उ. ३ रो. स्वा. पु. श्र. ध. श. मू. मृ. रे. चि. अनु.

मोती का भूषण बनवाने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	चन्द्र, शुक्र
नक्षत्र	स्वा. पुन. श्र. ध. श. रो. ३ उ मृ. चि. अनु. ह. पु. अ

हथियार धारण का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	रवि, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अनु. मृ. रे. चि. ३ उ. श. पुन. ज्ये. वि

नौकरी करने का मुहूर्त।

तिथि	१।२।३।५।६।७।८।१०।११।१२।१३।१५
वार	रवि, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	ह. अ. पु. अनु. रे. चि. मू. शुभम्

श्री गणेशाय

ति.	वा.	घ.
१	श.	१२/
२	र.	०३/ ५२/
४	चं.	५०/
५	मं.	४६/
६	बु.	४४/
७	बृ.	४५/
८	शु.	४७/
९	श.	५१/
१०	र.	५६/
११	चं.	६०/
११	मं.	०२/
१२	बु.	०८/
१३	बृ.	१५/
१४	शु.	२१/
१५	श.	२६/

पं. १ तिथि

सू.	मं.	बु.
उ.	उ.	उ.पू
११	००	१०
१२	०२	२६
०३	३३	२०
१८	५१	२३
५६	४३	११
२१	५२	४१
मा.	मा.	मा.

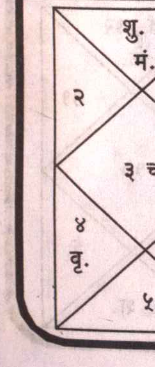

श्री गणेशाय नमः		श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १६३७ चैत्र शुक्ल पक्षः									तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घ. मि.	घ. मि.	घं. प.
१	श.	१२/४०	उ.	०५/५३ ३३/१६	ब्र.	४४/०८	व.	१२/४०	वा.	३८/१६	२१	२६	०७	मेष ५८/३८	०६/००	०६/००	३०/००
२	र.	०३/५१ ५२/३५	अ.	५३/०३	ऐ.	३५/०२	कौ.	०३/५१	तै.	३०/०६ ५६/२६	२२	०१	०८	मेष	०५/५६	०६/०१	३०/०४
४	चं.	५०/३४	भ.	४६/१३	वै.	२७/०५	व.	२३/२६	वि.	५०/३४	२३	०२	०६	मेष	०५/५८	०६/०२	३०/०८
५	मं.	४६/३६	कृ.	४७/२२	वि.	२०/५२	व.	१८/३६	वा.	४६/३६	२४	०३	१०	वृष ०३/४६	०५/५८	०६/०२	३०/१२
६	बु.	४४/५०	रो.	४७/४१	प्री.	१६/२२	कौ.	१५/४३	तै.	४४/५०	२५	०४	११	वृष	०५/५७	०६/०३	३०/१६
७	बृ.	४५/१७	मृ.	५०/०३	आ.	१३/३३	ग.	१५/०३	व.	४५/१७	२६	०५	१२	मिथुन १८/५२	०५/५६	०६/०४	३०/२१
८	शु.	४७/३२	आ.	५४/०७	सौ.	१२/०४	वि.	१६/२५	व.	४७/३२	२७	०६	१३	मिथुन	०५/५५	०६/०५	३०/२५
९	श.	५१/२६	पु.	५९/१८	शो.	१२/२८	वा.	१९/२६	कौ.	५१/२६	२८	०७	१४	कर्क ४३/००	०५/५४	०६/०६	३०/२६
१०	र.	५६/२३	पु.	६०/००	अ.	१३/१७	तै.	२४/००	ग.	५६/३३	२६	०८	१५	कर्क	०५/५३	०६/०७	३०/३३
११	चं.	६०/००	पु.	०५/५४	सु.	१५/०५	व.	२६/३७	वि.	६०/००	३०	०६	१६	कर्क	०५/५३	०६/०७	३०/३७
११	मं.	०२/४७	श्ले.	१३/५३	धृ.	१७/२५	वि.	०२/४७	व.	३५/५३	३१	१०	१७	सिंह १३/५३	०५/५२	०६/०८	३०/४१
१२	बु.	०८/५६	म.	२१/२६	शू.	१९/५०	वा.	०८/५६	कौ.	४२/१२	०१	११	१८	सिंह	०५/५१	०६/०६	३०/४५
१३	बृ.	१५/२४	पू.	२८/५५	गं.	२२/१२	तै.	१५/२४	ग.	४८/२६	०२	१२	१६	कन्या ४५/४२	०५/५०	०६/१०	३०/४६
१४	शु.	२१/२३	उ.	३६/०४	वृ.	२४/११	व.	२१/२३	वि.	५४/०६	०३	१३	२०	कन्या	०५/४६	०६/११	३०/५३
१५	श.	२६/५५	ह.	४२/३६	ध्रु.	२५/४६	व.	२६/५५	वा.	५६/१८	०४	१४	२१	कन्या	०५/४६	०६/११	३०/५७

तारीख २१ मार्चतः ०४ अप्रैल यावत् सन् २०१५ ई० श्री सूर्ये उत्तरायणे वसंन्तर्तुः।

चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारम्भः नवरात्रारम्भः कलशस्थापनं पञ्चांङ्ग फलश्रवणं वर्षपति पूजनम् धर्मघटादिदानम् यावतयंश्रगम् दुर्भिक्षकरणं श्रृंगार सिधौरा
पू.मा. बुधः ०६/४३ भा. चैत्रारम्भः जमादि लाखर ०६ मत्स्य जयन्ती गणगौरी पूजनम् मनोरथ तृतीया सौभाग्यसवनं व्रतम् शिवशक्ति पूजनम्
भ. २३/२६ उ.म. ५०/३४ या. भरण्यां शुक्रः ३०/३६ अश्वि. मेषे भौमः ३८/४५

स्कन्ध षष्ठी
भ. ४५/१७ उ. भानुसप्तमी पर्व श्री भाष्करस्य दमनक पूजा ७
भ. १६/२५ या. मीने बुधः ५४/१२ बुधास्त पूर्वस्यां दुर्गाष्टमी
रामनवमी
उ. मा. बुधः ३८/५६ पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
भ. २६/३७ उ. कामदा एकादशीव्रतम् स्मार्तानाम्
भ. ०२/४७ या. रेवत्यां रवि ४३/१४ कामदा एकादशीव्रतम् वैष्णवानाम्
प्रदोषव्रतम् मदनद्वादशी

भ. २१/२३ उ. म. ५४/०६ या. कृति शुक्र ४३/०१ जैनमहावीर जयन्ती
ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहणं श्री हनुमानजयन्ती स्नानदानादौ पूर्णिमा व्रतपुण्यंच

पं. १ तिथि ८ शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	००	१०	०३	००	०७	०५	११
१२	०२	२६	१८	१७	१०	१६	१६
०३	३३	२०	३८	४०	४७	२७	२७
१८	५१	२३	३४	१०	२०	२६	२६
५९	४३	१११	०२	७१	०१	०३	०३
२१	५२	४१	२५	५४	१४	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
०१	श.	०६	५३	०८	५२	११	५०	१२	४६	०२	४३	०५	२६	०७	३०	०६	१६	११	३५	०२	२३	०३	१४	०५	१४
०२	र.	०६	४६	०८	४८	११	४६	१२	४२	०२	३६	०५	२५	०७	२६	०६	१२	११	३१	०२	१६	०३	१०	०५	१०
०४	चं.	०६	४५	०८	४४	११	४२	१२	३८	०२	३५	०५	२१	०७	२२	०६	०८	११	२७	०२	१५	०३	०६	०५	०६
०५	मं.	०६	४१	०८	४०	११	३८	१२	३४	०२	३१	०५	१७	०७	१८	०६	०४	११	२३	०२	११	०३	०२	०५	०२
०६	बु.	०६	३७	०८	३६	११	३४	१२	३०	०२	२७	०५	१३	०७	१४	०६	००	११	१६	०२	०७	०२	५८	०४	५८
०७	बृ.	०६	३३	०८	३२	११	३०	१२	२६	०२	२३	०५	०६	०७	१०	०८	५६	११	१५	०२	०३	०२	५४	०४	५४
०८	शु.	०६	२६	०८	२८	११	२६	१२	२२	०२	१६	०५	०५	०७	०६	०८	५२	११	११	०१	५६	०२	५०	०४	५०
०९	श.	०६	२५	०८	२४	११	२२	१२	१८	०२	१५	०५	०१	०७	०२	०८	४८	११	०७	०१	५५	०२	४६	०४	४६
१०	र.	०६	२१	०८	२०	११	१८	१२	१४	०२	११	०४	५७	०६	५८	०८	४४	११	०३	०१	५१	०२	४२	०४	४२
११	चं.	०६	१७	०८	१६	११	१४	१२	१०	०२	०७	०४	५३	०६	५४	०८	४०	१०	५९	०१	४७	०२	३८	०४	३८
११	मं.	०६	१३	०८	१२	११	१०	१२	०६	०२	०३	०४	४९	०६	५०	०८	३६	१०	५५	०१	४३	०२	३४	०४	३४
१२	बु.	०६	०९	०८	०८	११	०६	१२	०२	०१	५९	०४	४५	०६	४६	०८	३२	१०	५१	०१	३९	०२	३०	०४	३०
१३	बृ.	०६	०५	०८	०४	११	०२	११	५८	०१	५५	०४	४१	०६	४२	०८	२८	१०	४७	०१	३५	०२	२६	०४	२६
१४	शु.	०६	०१	०८	००	१०	५८	११	५४	०१	५१	०४	३७	०६	३८	०८	२४	१०	४३	०१	३१	०२	२२	०४	२२
१५	श.	०५	५७	०७	५६	१०	५४	११	५०	०१	४७	०४	३३	०६	३४	०८	२०	१०	३९	०१	२७	०२	१८	०४	१८

पं. २ तिथि १५ शनौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	००	११	०३	००	०७	०५	११
१९	०८	१५	१८	२७	१०	१५	१५
५३	३०	२०	३०	३४	३२	४२	४२
३१	०१	१०	५३	३२	५९	५५	५५
५९	४३	१२१	०१	७१	०२	०३	०३
०८	४२	१७	२६	३७	१४	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.	व.

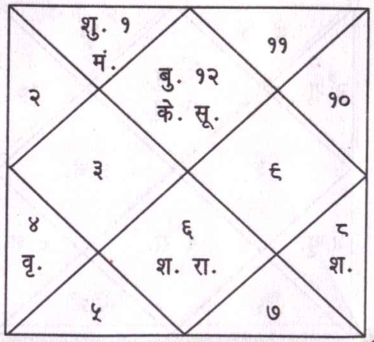

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ वैशाख कृष्ण पक्षः

ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	योग	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	तारीख अं.	फा.	वै.	चन्द्रमा घ. प.	सू. उ. घं मि.	सू. अ. घं मि.	दिनम् घं प.	तारीख ०५ अप्रैलतः १८ अप्रैल यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये उत्तरायणे वसन्तर्तुः।
१	र.	३१/४१	चि.	४८/१५	व्या.	२६/४३	कौ.	३१/४१	तै.	६०/००	०५	१५	२२	तुला १५/२७	०५/४८	०६/१२	३१/०१	रेवत्यां बुधः ४१/३८ मार्गी गुरू ४३/२६
२	चं.	३५/३४	स्वा.	५३/१४	ह.	२७/०२	तै.	०३/३७	ग.	३५/३४	०६	१६	२३	तुला	०५/४७	०६/१३	३१/०५	वृषे शुक्रः ३०/५२
३	मं.	३८/२१	वि.	५७/१४	व.	२६/३४	व.	०६/५७	वि.	३८/२१	०७	१७	२४	वृश्चिक ४१/१४	०५/४६	०६/१४	३१/१०	भ. ०६/५७ उ. ३८/२१ या.
४	बु.	४०/२८	अ.	६०/००	सि.	२५/१६	व.	०९/२४	वा.	४०/२८	०८	१८	२५	वृश्चिक	०५/४५	०६/१५	३१/१४	चतुर्थी व्रतम्
५	वृ.	४०/३९	अ.	००/०१	व्य.	२३/०५	कौ.	१०/३२	तै.	४०/३९	०९	१९	२६	वृश्चिक	०५/४४	०६/१६	३१/१८	भौमअस्त ५९/०३
६	शु.	४०/११	ज्ये.	०१/४५	प.	२०/०५	ग.	१०/२५	व.	४०/११	१०	२०	२७	धनु ०१/२७	०५/४४	०६/१६	३१/२२	भ. ४०/११ उ. भरण्यां भौम ३७/२८ ज्येष्ठायां ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानं
७	श.	३८/२७	मू.	०१/१९	प.	१५/५३	वि.	०९/१९	व.	३८/२७	११	२१	२८	धनु	०५/४३	०६/१७	३१/२६	भ. ०९/१९ या. मूले रोगविमुक्तस्नानं
८	र.	३५/२३	पू.	०१/५८ २३/०४	शि.	१०/३८	वा.	०६/४५	कौ.	३५/२३	१२	२२	२९	मकर १५/५४	०५/४२	०६/१८	३१/३०	मेषे बुधः अश्वि. ०३/०६
९	चं.	३१/०१	श्र.	५६/०६	सि.	०४/५२ २५/४९	तै.	०३/०६	ग.	३०/४० ५८/१३	१३	२३	३०	मकर	०५/४१	०६/१९	३१/३४	भ. ५८/१३ उ. श्रवणेसर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः ५६/०६ उ.
१०	मं.	२५/२५	ध.	५१/३८	शु.	४९/१०	वि.	२५/२५	व.	५२/०२	१४	२४	३१	कुम्भ २३/५२	०५/४०	०६/२०	३१/३८	भ. २५/२५ या. अश्वि. मेषेऽर्क १७/१६
११	बु.	१८/३८	श.	४५/५७	शु.	३९/५१	वा.	१८/३८	कौ.	४४/४२	१५	२५	०१	कुम्भ	०५/४०	०६/२०	३१/४२	रोहि शुक्रः १३/१३ वरूथनी एकादशी
१२	वृ.	१०/४६	पू.	३९/३८	ब्र.	३०/१२	तै.	१०/४६	ग.	३६/२८	१६	२६	०२	मीन २६/१३	०५/३९	०६/२१	३१/४६	प्रदोष
१३	शु.	०२/१० ५०/५८	उ.	३२/४८	ऐ.	२०/०४	व.	०२/१०	वि.	२७/३९ ५५/१८	१७	२७	०३	मीन	०५/३८	०६/२२	३१/५०	भ. ०२/१० उ. २७/३९ या. वक्री अनु. शनि १२/२८ मासशिवरात्रिव्रतम्
३०	श.	४४/२८	रे.	२६/१०	वै.	०९/१३	च.	१८/४७	ना.	४४/२८	१८	२८	०४	मेष २६/०१	०५/३७	०६/२३	३१/५३	भरण्यां बुधः १८/०८ पञ्चकसमाप्ति २६/१० या. देवपितृकार्येऽमावस्यां अनुसूयाजयन्ती

पं. ३ तिथि ८ रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	वु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	००	११	०३	०१	०७	०५	११
२८	१४	२९	१८	०६	१०	१५	१५
५३	३३	५५	२४	४४	१२	१४	१४
३२	४४	५०	०२	१४	३०	४६	४६
५८	४३	१२४	०१	७०	०२	०३	०३
४८	२५	१५	२२	४५	५५	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	र.	०५	५३	०७	५२	१०	५०	११	४६	०१	४३	०४	२९	०६	३०	०८	१६	१०	३५	०१	२३	०२	१४	०४	१४
२	चं.	०५	५०	०७	४९	१०	४७	११	४३	०१	४०	०४	२६	०६	२७	०८	१३	१०	३२	०१	२०	०२	११	०४	११
३	मं.	०५	४६	०७	४५	१०	४३	११	३९	०१	३६	०४	२२	०६	२३	०८	०९	१०	२८	०१	१६	०२	०७	०४	०७
४	बु.	०५	४२	०७	४१	१०	३९	११	३५	०१	३२	०४	१८	०६	१९	०८	०५	१०	२४	०१	१२	०२	०३	०४	०३
५	वृ.	०५	३८	०७	३७	१०	३५	११	३१	०१	२८	०४	१४	०६	१५	०८	०१	१०	२०	०१	०८	०१	५९	०३	५९
६	शु.	०५	३४	०७	३३	१०	३१	११	२७	०१	२४	०४	१०	०६	११	०७	५७	१०	१६	०१	०४	०१	५५	०३	५५
७	श.	०५	३०	०७	२९	१०	२७	११	२३	०१	२०	०४	०६	०६	०७	०७	५३	१०	१२	०१	००	०१	५१	०३	५१
८	र.	०५	२६	०७	२५	१०	२३	११	१९	०१	१६	०४	०२	०६	०३	०७	४९	१०	०८	१२	५६	०१	४७	०३	४७
९	चं.	०५	२२	०७	२१	१०	१९	११	१५	०१	१२	०३	५८	०५	५९	०७	४५	१०	०४	१२	५२	०१	४३	०३	४३
१०	मं.	०५	१८	०७	१७	१०	१५	११	११	०१	०८	०३	५४	०५	५५	०७	४१	१०	००	१२	४८	०१	३९	०३	३९
११	बु.	०५	१४	०७	१३	१०	११	११	०७	०१	०४	०३	५०	०५	५१	०७	३७	०९	५६	१२	४४	०१	३५	०३	३५
१२	वृ.	०५	१०	०७	०९	१०	०७	११	०३	०१	००	०३	४६	०५	४७	०७	३३	०९	५२	१२	४०	०१	३१	०३	३१
१३	शु.	०५	०६	०७	०५	१०	०३	१०	५९	१२	५६	०३	४२	०५	४३	०७	२९	०९	४८	१२	३६	०१	२७	०३	२७
३०	श.	०५	०२	०७	०१	०९	५९	१०	५५	१२	५२	०३	३८	०५	३९	०७	२५	०९	४४	१२	३२	०१	२३	०३	२३

पं. ४ तिथि ३० शनौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ. प.	अ.	अ.
००	००	००	०३	०१	०७	०५	११
०३	१८	१५	१८	१३	०९	१५	१५
२२	५६	१२	३०	२२	५२	०७	०७
४२	१४	१४	४९	३२	४४	३१	३१
५८	४३	११९	०२	७०	०३	०३	०३
३५	१०	५०	३६	१५	४५	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ वैशाख शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १९ अप्रैलतः ०४ मई यावत् सन् २०१५ ई० श्रीसूर्ये उत्तरायणे वसन्तर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं. मि.	घं. मि.	घं. प.	
१	र.	३६/२७	अ.	१९/४८	वि.	०५/५९ ३५/२५	कि.	१०/२८	व.	३६/२७	१९	२९	०५	मेष	०५/३७	०६/२६	३१/५७	
२	चं.	२९/३६	म.	१४/५८	आ.	४४/३२	वा.	०३/०५	कौ.	२८/३९ ५४/१२	२०	३०	०६	वृष २९/०८	०५/३६	०६/२४	३२/०१	चन्द्रदर्शनम् परशुराम जयन्ती शिवाजी जयन्ती
३	मं.	२४/३६	कृ.	११/३८	सौ.	३८/१७	ग.	२४/३६	व.	५३/०१	२१	०१	०७	वृष	०५/३५	०६/२५	३२/०५	भ. ५३/०१ उ. बुधोदयः पश्चिमायां ५६/२० भारतीय वैशाखारम्भः रज्जव ७ अक्षयं तृतीया
४	बु.	२१/२७	रो.	१०/०५	शो.	३५/४६	वि.	२१/२७	व.	५०/५५	२२	०२	०८	मिथुन ४०/२४	०५/३४	०६/२६	३२/०९	भ. २१/२७ या.
५	वृ.	२०/२२	मृ.	१०/४४	अ.	३१/१५	वा.	२०/२२	कौ.	५०/५६	२३	०३	०९	मिथुन	०५/३४	०६/२६	३२/१२	आद्यशंकराचार्यजयन्ती
६	शु.	२१/२९	आ.	१३/१९	सु.	३०/३१	तै.	२१/२९	ग.	५३/०२	२४	०४	१०	मिथुन	०५/३३	०६/२७	३२/१६	रामानुज जयन्ती
७	श.	२४/३४	पु.	१७/५१	धृ.	३०/३५	व.	२४/३४	वि.	५६/५१	२५	०५	११	कर्क ०४/४३	०५/३२	०६/२८	३२/२०	भ. २४/३४ उ. प. ५६/५१ या. कृतिबुधः ०९/३१ पुष्येसर्वदिग्गमन मुहूर्तः
८	र.	२९/८	पु.	२३/४६	शू.	३१/५८	व.	२९/०८	वा.	६०/००	२६	०६	१२	कर्क	०५/३१	०६/२९	३२/२३	मृगे शुक्रः ३८/५१
९	चं.	३५/०२	श्ले.	३१/०७	गं.	३४/०९	वा.	०२/०५	कौ.	३५/०२	२७	०७	१३	सिंह ३१/०७	०५/३१	०६/२९	३२/२७	भरण्यां रवि ५७/३३ वृषे बुधः ०९/०९
१०	मं.	४१/१३	म.	३८/०५	वृ.	३६/३३	तै.	०८/३८	ग.	४१/१३	२८	०८	१४	सिंह	०५/३०	०६/३०	३२/३१	
११	बु.	४७/३८	पू.	४६/०३	ध्रु.	३९/०२	व.	१४/२६	वि.	४७/३८	२९	०९	१५	सिंह	०५/२९	०६/३१	३२/३४	भ. १४/२६ उ. म. ४७/३८ या. कृति भौम ०५/०१ मोहिनी एकादशीव्रतम्
१२	वृ.	५६/२६	उ.	५३/२४	व्या.	४१/०७	व.	२०/३३	वा.	५६/२६	३०	१०	१६	कन्या ०२/५३	०५/२८	०६/३२	३२/३८	
१३	शु.	५८/५३	ह.	५९/५०	ह.	४२/४९	कौ.	२६/१०	तै.	५८/५३	०१	११	१७	कन्या	०५/२८	०६/३२	३२/४१	प्रदोषव्रतम्
१४	श.	६०/००	चि.	६०/००	व.	४२/३०	ग.	३०/५२	व.	६०/००	०२	१२	१८	तुला ३२/३०	०५/२७	०६/३३	३२/४५	मिथुने शुक्रः ३६/१२ नृसिंहः जयन्ती
१४	र.	०२/५०	चि.	०५/१०	सि.	४२/२७	व.	०२/५०	वि.	३४/२१	०३	१३	१९	तुला	०५/२६	०६/३४	३२/४८	भ. ०२/५० उ. ३४/२१ या. वृषे भौम ४४/४४
१५	चं.	०५/५२	स्वा.	०९/३५	व्य.	४२/२७	व.	०५/५२	वा.	३६/४४	०४	१४	२०	वृश्चिक ५६/५४	०५/२६	०६/३४	३२/५२	रोहिण्यां बुधः ०१/५८ पूर्णिमाव्रतम् पुण्यंञ्च वैशाख स्नान पूर्ति धर्म प्रीत्यर्थ जलकुम्भदानम्

पं. ५ तिथि ८ रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
००	००	००	०३	०१	०७	०५	११
११	२४	२९	१८	२३	०९	१४	१४
३९	४१	१२	५६	१५	२५	४८	४८
४७	३२	१४	५६	२३	४०	१५	१५
५८	४३	१०३	०४	६९	०३	०३	०३
२३	०१	१०	०१	०३	४८	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	र.	०४	५८	०६	५७	०९	५५	१०	५१	१२	४८	०३	३४	०५	३५	०७	२१	०९	४०	१२	२८	०१	१९	०३	१९
२	चं.	०४	५४	०६	५३	०९	५१	१०	४७	१२	४४	०३	३०	०५	३१	०७	१७	०९	३६	१२	२४	०१	१५	०३	१५
३	मं.	०४	५०	०६	४९	०९	४७	१०	४३	१२	४०	०३	२६	०५	२७	०७	१३	०९	३२	१२	२०	०१	११	०३	११
४	बु.	०४	४६	०६	४५	०९	४३	१०	३९	१२	३६	०३	२२	०५	२३	०७	०९	०९	२८	१२	१६	०१	०७	०३	०७
५	वृ.	०४	४२	०६	४१	०९	३९	१०	३५	१२	३२	०३	१८	०५	१९	०७	०५	०९	२४	१२	१२	०१	०३	०३	०३
६	शु.	०४	३८	०६	३७	०९	३५	१०	३१	१२	२८	०३	१४	०५	१५	०७	०१	०९	२०	१२	०८	१२	५९	०२	५९
७	श.	०४	३५	०६	३४	०९	३२	१०	२८	१२	२५	०३	११	०५	१२	०६	५८	०९	१७	१२	०५	१२	५६	०२	५६
८	र.	०४	३१	०६	३०	०९	२८	१०	२४	१२	२१	०३	०७	०५	०८	०६	५४	०९	१३	१२	०१	१२	५२	०२	५२
९	चं.	०४	२७	०६	२६	०९	२४	१०	२०	१२	१७	०३	०३	०५	०४	०६	५०	०९	०९	११	५७	१२	४८	०२	४८
१०	मं.	०४	२३	०६	२२	०९	२०	१०	१६	१२	१३	०२	५९	०५	००	०६	४६	०९	०५	११	५३	१२	४४	०२	४४
११	बु.	०४	१९	०६	१८	०९	१६	१०	१२	१२	०९	०२	५५	०४	५६	०६	४२	०९	०१	११	४९	१२	४०	०२	४०
१२	वृ.	०४	१५	०६	१४	०९	१२	१०	०८	१२	०५	०२	५१	०४	५२	०६	३८	०८	५७	११	४५	१२	३६	०२	३६
१३	शु.	०४	११	०६	१०	०९	०८	१०	०४	१२	०१	०२	४७	०४	४८	०६	३४	०८	५३	११	४१	१२	३२	०२	३२
१४	श.	०४	०७	०६	०६	०९	०४	१०	००	११	५७	०२	४३	०४	४४	०६	३०	०८	४९	११	३७	१२	२८	०२	२८
१४	र.	०४	०३	०६	०२	०९	००	०९	५६	११	५३	०२	३९	०४	४०	०६	२६	०८	४५	११	३३	१२	२४	०२	२४
१५	चं.	०३	५९	०५	५८	०८	५६	०९	५२	११	४९	०२	३५	०४	३६	०६	२२	०८	४१	११	२९	१२	२०	०२	२०

पं. ६ तिथि १५ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
००	०१	०१	०३	०२	०७	०५	११
१९	००	१०	१९	०२	०८	१४	१४
२७	५०	१७	३०	०५	५६	२०	२०
२२	२५	०७	१०	२४	००	५६	५६
५८	४२	७२	०४	६८	०४	०३	०३
०८	४३	४५	५२	०८	१२	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

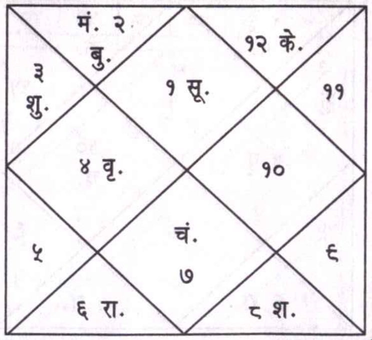

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः

ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	तारीख अं.	फा.	बं.	चन्द्रमा घ. प.	सू. उ. घं मि.	सू.अ. घं प.	दिनम् घं मि.
१	मं.	०७/३६	वि.	१२/४१	व.	४०/३२	कौ.	०७/३६	तै.	३७/५६	०५	१५	२१	वृश्चिक	०५/२५	०६/३५	३२/५५
२	बु.	०८/१५	अ.	१४/३५	प.	३७/४३	ग.	०८/१५	व.	३७/५९	०६	१६	२२	वृश्चिक	०५/२४	०६/३६	३२/५८
३	वृ.	०७/४४	ज्ये.	१५/४३	शि.	३४/१६	वि.	०७/४४	व.	३७/०१	०७	१७	२३	धनु १५/४३	०५/२४	०६/३६	३३/०२
४	शु.	०६/१७	मू.	१५/५५	सि.	३०/०२	वा.	०६/१७	कौ.	३५/११	०८	१८	२४	धनु	०५/२३	०६/३७	३३/०५
५	श.	०४/०४	पू.	१५/१२	सा.	२४/५९	तै.	०४/०४	ग.	३२/२८	०९	१९	२५	मकर २९/४८	०५/२२	०६/३८	३३/०८
६	र.	००/५२ ५६/१५	उ.	१३/३८	शु.	१९/३६	व.	००/५२	वि.	२९/०० ५७/०७	१०	२०	२६	मकर	०५/२२	०६/३८	३३/११
८	चं.	५२/३६	श्र.	११/१९	शु.	१२/३७	वा.	२४/५२	कौ.	५२/३६	११	२१	२७	कुम्भ ३९/५०	०५/२१	०६/३९	३३/१४
९	मं.	४७/१३	ध.	०८/१२	ब्र.	०६/५२ ३७/४२	तै.	१९/५४	ग.	४७/१३	१२	२२	२८	कुम्भ	०५/२१	०६/३९	३३/१७
१०	बु.	४१/१७	श.	०४/३५	वै.	५१/२५	व.	१४/१४	वि.	४१/१७	१३	२३	२९	मीन ४६/१९	०५/२०	०६/४०	३३/२०
११	वृ.	३४/३१	पू.	००/५५ १७/०२	वि.	४३/००	व.	०७/५४	वा.	३४/३१	१४	२४	३०	मीन	०५/१९	०६/४१	३३/२३
१२	शु.	२७/१९	रे.	५०/१३	प्री.	३४/३०	कौ.	००/५५	तै.	२७/१९ ५३/४४	१५	२५	३१	मेष ५०/१३	०५/१९	०६/४१	३३/२६
१३	श.	२०/०८	अ.	४५/१०	आ.	२५/५६	व.	२०/०८	वि.	४६/४२	१६	२६	०१	मेष	०५/१८	०६/४२	३३/२८
१४	र.	१३/१५	म.	४०/४७	सौ.	१७/४९	श.	१३/१५	च.	४०/१३	१७	२७	०२	वृष ५४/४६	०५/१८	०६/४२	३३/३१
३०	चं.	०७/११	कृ.	३७/०४	शो.	१०/२४	ना.	०७/११	कि.	३४/५०	१८	२८	०३	वृष	०५/१७	०६/४३	३३/३४

तारीख ५ मईतः १८ मई यावत् सन् २०१५ ई० श्री सूर्ये उत्तरायणे ग्रीष्मर्तुः।

भ. ३७/५६ उ. नारद जयन्ती

भ. ०७/४४ या. चतुर्थीव्रतम् ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानम्

आद्रा शुक्रः २७/१५ मूलेरोगविमुक्तस्नानं

भ. ००/५२ उ. भ. २९/०० या. आश्ले गुरू १९/५०

कृति रवि ४३/२९ श्रवणे सर्वदिग्गमनमुहूर्त पञ्चकारम्भः ११/१९ उ.

भ. १४/१४ उ.भ. ४१/१७ या.

अपरा एकादशी व्रतम्

वृषेऽर्क १०/४४ प्रदोषव्रतम् पञ्चकसमाप्ति ५०/१३ या.

भ. २०/०८ उ.भ. ४६/४२ या. मासशिवरात्रिव्रतम्

रोहिण्यां भौम ५३/१२

वक्रीबुधः ४५/०८ देवपितृकार्येऽमावस्या वटपूजनम् वटसावित्रीव्रतम् शनैश्चरजयन्ती

पं. ७ तिथि ८ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
००	०१	०१	०३	०२	०७	०५	११
२६	०५	१६	२०	०९	०८	१३	१३
१५	२२	१८	०७	४४	२६	५८	५८
३७	०५	५५	१८	०४	१८	४४	४४
५७	४२	२७	०६	६६	०४	०३	०३
५६	३३	४४	१७	४९	३४	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

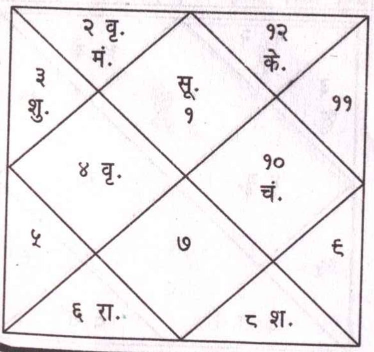

लग्नादि		मे. प्र.		वृ. प्र.		मि. प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.
१	मं.	०३	५५	०५	५४	०८	५२	०९	४८	११	४५	०२	३१	०४	३२	०६	१८	०८	३७	११	२५	१२	१६	०२	१६
२	बु.	०३	५१	०५	५०	०८	४८	०९	४४	११	४१	०२	२७	०४	२८	०६	१४	०८	३३	११	२१	१२	१२	०२	१२
३	वृ.	०३	४७	०५	४६	०८	४४	०९	४०	११	३७	०२	२३	०४	२४	०६	१०	०८	२९	११	१७	१२	०८	०२	०८
४	शु.	०३	४३	०५	४२	०८	४०	०९	३६	११	३३	०२	१९	०४	२०	०६	०६	०८	२५	११	१३	१२	०४	०२	०४
५	श.	०३	३९	०५	३८	०८	३६	०९	३२	११	२९	०२	१५	०४	१६	०६	०२	०८	२१	११	०९	१२	००	०२	००
६	र.	०३	३५	०५	३४	०८	३२	०९	२८	११	२५	०२	११	०४	१२	०५	५८	०८	१७	११	०५	११	५६	०१	५६
८	चं.	०३	३१	०५	३०	०८	२८	०९	२४	११	२१	०२	०७	०४	०८	०५	५४	०८	१३	११	०१	११	५२	०१	५२
९	मं.	०३	२८	०५	२७	०८	२५	०९	२१	११	१८	०२	०४	०४	०५	०५	५१	०८	१०	१०	५८	११	४९	०१	४९
१०	बु.	०३	२४	०५	२३	०८	२१	०९	१७	११	१४	०२	००	०४	०१	०५	४७	०८	०६	१०	५४	११	४५	०१	४५
११	वृ.	०३	२०	०५	१९	०८	१७	०९	१३	११	१०	०१	५६	०३	५७	०५	४३	०८	०२	१०	५०	११	४१	०१	४१
१२	शु.	०३	१६	०५	१५	०८	१३	०९	०९	११	०६	०१	५२	०३	५३	०५	३९	०७	५८	१०	४६	११	३७	०१	३७
१३	श.	०३	१२	०५	११	०८	०९	०९	०५	११	०२	०१	४८	०३	४९	०५	३५	०७	५४	१०	४२	११	३३	०१	३३
१४	र.	०३	०८	०५	०७	०८	०५	०९	०१	१०	५८	०१	४४	०३	४५	०५	३१	०७	५०	१०	३८	११	२९	०१	२९
३०	चं.	०३	०४	०५	०३	०८	०१	०८	५७	१०	५४	०१	४०	०३	४१	०५	२७	०७	४६	१०	३४	११	२५	०१	२५

पं. ८ तिथि ३० चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०१	०१	०१	०३	०२	०७	०५	११
०२	१०	१६	२०	१७	०७	१३	१३
४८	१७	५२	५१	२२	५५	३७	३७
३०	५२	२०	२८	३२	४२	२८	२८
५७	४२	१७	०७	६६	०४	०३	०३
४६	२२	२०	१४	१७	४०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

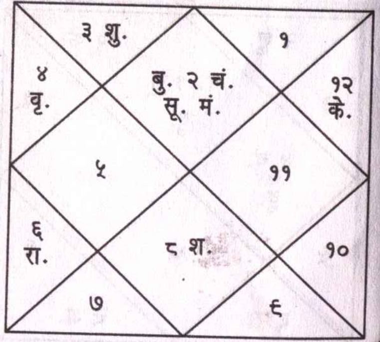

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १६ मईतः ०२ जून यावत् सन् २०१५ ई० श्री सूर्ये उत्तरायणे ग्रीष्मर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं. प.	घं. प.	घं. मि.	
१	मं.	०२/०८ ५२/५०	रो.	३४/३६	अ.	०३/५४ ५१/५३	व.	०२/०८	वा.	२८/३३ ५४/५८	१६	२६	०४	वृष	०५/१७	०६/४३	३३/३७	चन्द्रदर्शनम्
३	बु.	५७/१७	मृ.	३४/१४	धृ.	५४/५२	तै.	२७/०७	ग.	५७/१७	२०	०१	०५	मिथुन ०४/२६	०५/१६	०६/४४	३३/३६	पुन. शुक्रः ४६/४० सावन ८
४	वृ.	५६/२८	आ.	३५/३२	शू.	५२/४२	व.	२६/२२	वि.	५६/२८	२१	०२	०६	मिथुन	०५/१६	०६/४४	३३/४२	भ. २६/२२ उ. म. ५६/२८ या. बुधास्त पश्चिमायां १८/१०
५	शु.	५८/४०	पु.	३८/५५	गं.	५२/१३	व.	२७/३५	वा.	५८/४०	२२	०३	०७	कर्क २३/०४	०५/१५	०६/४५	३३/४४	हस्तराहू उ. म. केतु ५४/३१ मा. ज्येष्ठारम्भः
६	श.	६०/००	पु.	४३/५०	धृ.	५२/४०	कौ.	३०/२६	तै.	६०/००	२३	०४	०८	कर्क	०५/१५	०६/४५	३३/४७	पुण्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
६	र.	०२/१६	श्ले.	५०/२२	ध्रु.	५४/२८	तै.	०२/१६	ग.	३५/००	२४	०५	०९	सिंह ५०/२२	०५/१४	०६/४६	३३/४९	
७	चं.	०७/४०	म.	५७/२२	व्या.	५६/३४	व.	०७/४०	वि.	४०/३७	२५	०६	१०	सिंह	०५/१४	०६/४६	३३/५२	भ. ०७/४० उ. म. ४०/३७ या. रोहि. रवि ३४/१८
८	मं.	१३/३४	पू.	६०/००	ह.	५६/०७	व.	१३/३४	वा.	४६/४३	२६	०७	११	सिंह	०५/१३	०६/४७	३३/५४	
९	बु.	१९/५२	पू.	०५/०७	व.	६०/००	कौ.	१९/५२	तै.	५२/४९	२७	०८	१२	कन्या २१/५५	०५/१३	०६/४७	३३/५६	
१०	वृ.	२५/४६	उ.	१२/२०	व.	०१/२९	ग.	२५/४६	व.	५८/२३	२८	०९	१३	कन्या	०५/१२	०६/४८	३३/५८	भ. ५८/२३ उ. गंगादशमी गंगादशहरा
११	शु.	३१/००	ह.	१९/१४	सि.	०३/२२	वि.	३१/००	व.	६०/००	२९	१०	१४	तुला ५१/५६	०५/१२	०६/४८	३४/००	भ. ३१/०० या. निर्जला एकादशीव्रतम्
१२	श.	३५/००	चि.	२४/३८	व्य.	०४/१७	व.	३१/००	वा.	३५/००	३०	११	१५	तुला	०५/१२	०६/४८	३४/०२	कर्केशुक्रः ३८/०७
१३	र.	३७/३२	स्वा.	२८/५२	व.	०४/१०	कौ.	०६/१६	तै.	३७/३२	३१	१२	१६	तुला	०५/११	०६/४९	३४/०३	प्रदोष वटसावित्रीव्रतारम्भः
१४	चं.	३७/३८	वि.	३१/३३	प.	०२/५३	ग.	०७/३५	व.	३७/३८	०१	१३	१७	वृश्चिक १५/५३	०५/११	०६/४९	३४/०५	भ. ३७/३८ उ.
१५	मं.	३७/५५	अ.	३२/५८	शि.	००/५६ ३५/४१	वि.	०७/४७	व.	३७/५५	०२	१४	१८	वृश्चिक	०५/११	०६/४९	३४/०७	भ. ०७/४७ या. पुष्येशुक्रः ५४/०३ स्नानदानादौपूर्णिमा गुर्जराणांवटसावित्री व्रतम् कबीरजयन्ती

पं. ९ तिथि ८ भौमे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०१	०१	०१	०३	०२	०७	०५	११
१०	१५	१७	२१	२५	०७	१३	१३
४२	५३	०५	४७	४१	२२	०९	०९
२९	३१	४६	१३	२०	२६	१३	१३
५७	४२	२८	०८	६३	०४	०३	०३
३५	०७	५६	२२	३२	४०	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.	व.

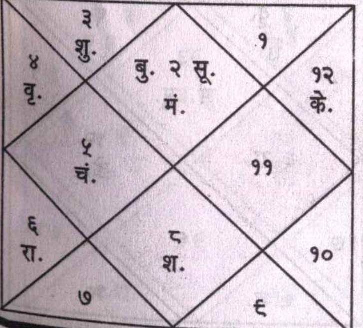

लग्नादि		मे .प्र.		वृ. प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	मं.	०३	००	०४	५९	०७	५७	०८	५३	१०	५०	०१	३६	०३	३७	०५	२३	०७	४२	१०	३०	११	२१	०१	२१
३	बु.	०२	५६	०४	५५	०७	५३	०८	४९	१०	४६	०१	३२	०३	३३	०५	१९	०७	३८	१०	२६	११	१७	०१	१७
४	वृ.	०२	५२	०४	५१	०७	४९	०८	४५	१०	४२	०१	२८	०३	२९	०५	१५	०७	३४	१०	२२	११	१३	०१	१३
५	शु.	०२	४९	०४	४८	०७	४६	०८	४२	१०	३९	०१	२५	०३	२६	०५	१२	०७	३१	१०	१९	११	१०	०१	१०
६	श.	०२	४५	०४	४४	०७	४२	०८	३८	१०	३५	०१	२१	०३	२२	०५	०८	०७	२७	१०	१५	११	०६	०१	०६
६	र.	०२	४१	०४	४०	०७	३८	०८	३४	१०	३१	०१	१७	०३	१८	०५	०४	०७	२३	१०	११	११	०२	०१	०२
७	चं.	०२	३७	०४	३६	०७	३४	०८	३०	१०	२७	०१	१३	०३	१४	०५	००	०७	१९	१०	०७	१०	५८	१२	५८
८	मं.	०२	३३	०४	३२	०७	३०	०८	२६	१०	२३	०१	०९	०३	१०	०४	५६	०७	१५	१०	०३	१०	५४	१२	५४
९	बु.	०२	२९	०४	२८	०७	२६	०८	२२	१०	१९	०१	०५	०३	०६	०४	५२	०७	११	०९	५९	१०	५०	१२	५०
१०	वृ.	०२	२५	०४	२४	०७	२२	०८	१८	१०	१५	०१	०१	०३	०२	०४	४८	०७	०७	०९	५५	१०	४६	१२	४६
११	शु.	०२	२१	०४	२०	०७	१८	०८	१४	१०	११	१२	५७	०२	५८	०४	४४	०७	०३	०९	५१	१०	४२	१२	४२
१२	श.	०२	१७	०४	१६	०७	१४	०८	१०	१०	०७	१२	५३	०२	५४	०४	४०	०६	५९	०९	४७	१०	३८	१२	३८
१३	र.	०२	१३	०४	१२	०७	१०	०८	०६	१०	०३	१२	४९	०२	५०	०४	३६	०६	५५	०९	४३	१०	३४	१२	३४
१४	चं.	०२	०९	०४	०८	०७	०६	०८	०२	०९	५९	१२	४५	०२	४६	०४	३२	०६	५१	०९	३९	१०	३०	१२	३०
१५	मं.	०२	०५	०४	०४	०७	०२	०७	५८	०९	५५	१२	४१	०२	४२	०४	२८	०६	४७	०९	३५	१०	२६	१२	२६

पं. १० तिथि १५ भौमे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०१	०१	०१	०३	०३	०७	०५	११
१७	२०	१३	२२	०२	०६	१२	१२
२५	४४	३३	४४	४३	५१	४६	४६
१९	५३	११	१०	४८	३२	५७	५७
५७	४१	३१	०९	६१	०४	०३	०३
२७	५६	१०	०७	१५	३४	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.	व.

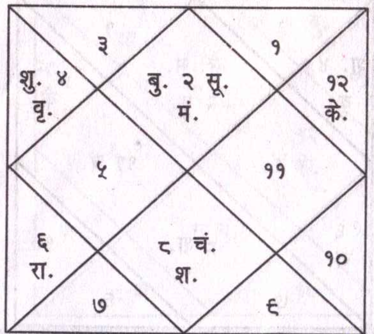

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ शुद्ध आषाढ़ कृष्ण पक्षः												तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख ०३ जूनतः १६ जून यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये उत्तरायणे ग्रीष्मर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	बु.	३६/०८	ज्ये.	३२/५७	सा.	५२/४४	वा.	०७/०२	कौ.	३६/०८	०३	१५	१८	धनु ३२/५७	०५/१०	०६/५०	३४/०६	ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानं
२	वृ.	३३/१४	मू.	३१/४८	शु.	४७/२३	तै.	०४/४०	ग.	३३/१४	०४	१६	१९	धनु	०५/१०	०६/५०	३४/१०	वक्रीअनु. शनि ५०/०७ मूलेरोगविमुक्तस्नानं
३	शु.	२९/२०	पू.	२९/५३	शु.	४१/३७	व.	०३/१८	वि.	२९/२० ५७/०८	०५	१७	२०	मकर ४४/४६	०५/१०	०६/५०	३४/१२	भ. ०३/१८ उ. म. २९/२० या. चतुर्थीव्रतम्
४	श.	२४/५५	उ.	२७/२५	व्र.	३५/१७	वा.	२४/५५	कौ.	५२/३३	०६	१८	२१	मकर	०५/०९	०६/५१	३४/१३	मृगेभौम ०६/३४
५	र.	२०/११	श्र.	२४/३५	ऐ.	२८/४०	तै.	२०/११	ग.	४७/४३	०७	१९	२२	कुम्भ ५३/०५	०५/०९	०६/५१	३४/१५	श्रवणे सर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः २४/३५ उ.
६	चं.	१५/१४	ध.	२१/३६	वै.	२२/०७	व.	१५/१४	वि.	४२/४३	०८	२०	२३	कुम्भ	०५/०९	०६/५१	३४/१६	भ. १५/१४ उ. म. ४२/४३ या. मृगे रवि २९/११ आश्ले गुरू ३७/४९
७	मं.	१०/१२	श.	१८/१७	वि.	१५/२१	व.	१०/१२	वा.	३७/३२	०९	२१	२४	कुम्भ	०५/०९	०६/५१	३४/१७	बुधोदयः पूर्वस्यां ०७/४४
८	बु.	०४/५२ ५४/३८	पू.	१४/५८	प्री.	०८/२०	कौ.	०४/५२	तै.	३२/११ ५९/३०	१०	२२	२५	मीन ००/४७	०५/०८	०६/५२	३४/१८	
१०	वृ.	५३/५४	उ.	११/२७	आ.	०२/५१ १७/४४	व.	२६/४१	वि.	५३/५४	११	२३	२६	मीन	०५/०८	०६/५२	३४/१९	भ. २६/४१ उ. म. ५३/५४ या.
११	शु.	४८/३३	रे.	०७/१४	शो.	४७/१५	व.	२१/१३	वा.	४८/३३	१२	२४	२७	मेष ०७/४४	०५/०८	०६/५२	३४/१९	योगिनी एकादशी व्रतम् पञ्चकसमाप्ति ०७/१४ या.
१२	श.	४२/१७	अ.	०४/१६	अ.	४०/३१	कौ.	१५/४६	तै.	४२/१७	१३	२५	२८	मेष	०५/०८	०६/५२	३४/२०	भ. बुधः ४२/५७
१३	र.	३८/३५	म.	०१/५७ २३/४६	अ.	३४/१५	ग.	१०/५५	व.	३८/३५	१४	२६	२९	वृष १५/५०	०५/०८	०६/५२	३४/२१	भ. ३८/३५ उ. प्रदोषव्रतम्
१४	चं.	३४/२८	रो.	५७/२८	धृ.	२८/३४	वि.	०६/३१	श.	३४/२८	१५	२७	३०	वृष	०५/०८	०६/५२	३४/२१	भ. ०६/३१ या. मिथुनेऽर्क २७/४५ मिथुने भौमः ४८/५० मासशिवरात्रिव्रतम्
३०	मं.	३१/३४	मृ.	५७/०६	शू.	२२/२८	च.	०३/०१	ना.	३१/३४	१६	२८	०१	मिथुन २७/१७	०५/०८	०६/५२	३४/२२	देवपितृकार्येऽमावस्या

पं. ११ तिथि ८ बुधेः सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०१	०१	०१	०३	०३	०७	०५	११
२५	२८	०९	२३	१०	०६	१२	१२
१०	१६	४३	३१	३८	१९	२१	२१
१९	०१	४६	४४	१५	५८	४१	४१
५७	४१	१७	०९	५८	०४	०३	०३
२०	४२	२८	४०	२०	१६	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.	व.

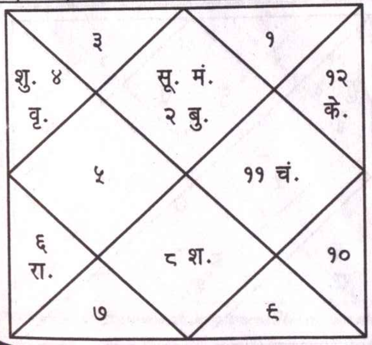

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	दिवा घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.	रात्रौ घं.	मि.
१	बु.	०२	०१	०४	००	०६	५५	०७	५४	०९	५१	१२	३७	०२	३८	०४	२४	०६	४३	०९	३१	१०	२२	१२	२२
२	वृ.	०१	५७	०३	५६	०६	५४	०७	५०	०९	४७	१२	३३	०२	३४	०४	२०	०६	३९	०९	२७	१०	१८	१२	१८
३	शु.	०१	५३	०३	५२	०६	५०	०७	४६	०९	४३	१२	२९	०२	३०	०४	१६	०६	३५	०९	२३	१०	१४	१२	१४
४	श.	०१	४९	०३	४८	०६	४६	०७	४२	०९	३९	१२	२५	०२	२६	०४	१२	०६	३१	०९	१९	१०	१०	१२	१०
५	र.	०१	४५	०३	४४	०६	४२	०७	३८	०९	३५	१२	२१	०२	२२	०४	०८	०६	२७	०९	१५	१०	०६	१२	०६
६	चं.	०१	४१	०३	४०	०६	३८	०७	३४	०९	३१	१२	१७	०२	१८	०४	०४	०६	२३	०९	११	१०	०२	१२	०२
७	मं.	०१	३७	०३	३६	०६	३४	०७	३०	०९	२७	१२	१३	०२	१४	०४	००	०६	१९	०९	०७	०९	५८	११	५८
८	बु.	०१	३४	०३	३३	०६	३१	०७	२७	०९	२४	१२	१०	०२	११	०३	५७	०६	१६	०९	०४	०९	५५	११	५५
१०	वृ.	०१	३०	०३	२९	०६	२७	०७	२३	०९	२०	१२	०६	०२	०७	०३	५३	०६	१२	०९	००	०९	५१	११	५१
११	शु.	०१	२६	०३	२५	०६	२३	०७	१९	०९	१६	१२	०२	०२	०३	०३	४९	०६	०८	०८	५६	०९	४७	११	४७
१२	श.	०१	२२	०३	२१	०६	१९	०७	१५	०९	१२	११	५८	०१	५९	०३	४५	०६	०४	०८	५२	०९	४३	११	४३
१३	र.	०१	१८	०३	१७	०६	१५	०७	११	०९	०८	११	५४	०१	५५	०३	४१	०६	००	०८	४८	०९	३९	११	३९
१४	चं.	०१	१४	०३	१३	०६	११	०७	०७	०९	०४	११	५०	०१	५१	०३	३७	०५	५६	०८	४४	०९	३५	११	३५
३०	मं.	०१	१०	०३	०९	०६	०७	०७	०३	०९	००	११	४६	०१	४७	०३	३३	०५	५२	०८	४०	०९	३१	११	३१

पं. १२ तिथि ३० भौमे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०२	०२	०१	०३	०३	०७	०५	११
००	००	११	२४	१५	०५	१२	१२
४८	२०	०७	५४	४८	५३	०२	०२
३६	३८	५२	२९	४०	५३	२६	२६
५७	४१	१०	१०	५४	०३	०३	०३
१७	३७	१७	३३	३३	५८	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ अधिक आषाढ़ शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १७ जूनतः ०२ जुलाई यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये उत्तरायणे वर्षर्तुः
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	बु.	३०/०६	आ.	५८/०३	गं.	१६/४१	किं.	००/५०	व.	३०/०६	१७	२६	०२	मिथुन	०५/०८	०६/५२	३४/२२	आश्ले शुक्र १५/१३
२	वृ.	३०/०५	पु.	६०/००	वृ.	१७/११	वा.	००/०५	कौ.	३०/०५	१८	३०	०३	कर्क ४५/०४	०५/०८	०६/५२	३४/२२	चन्द्रदर्शनम्
३	शु.	३२/०४	पु.	००/४५	ध्रु.	१६/०८	तै.	०१/०५	ग.	३२/०४	१९	०१	०४	कर्क	०५/०७	०६/५३	३४/२३	रमजान ९ पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
४	श.	३५/१७	पु.	०५/०४	व्या.	१५/४१	व.	०३/४०	वि.	३५/१७	२०	०२	०५	कर्क	०५/०७	०६/५३	३४/२३	भ. ०३/४० उ. ३५/१७ या.
५	र.	४०/२०	श्ले.	१०/४४	ह.	१६/४८	व.	०७/४८	वा.	४०/२०	२१	०३	०६	सिंह १०/४४	०५/०७	०६/५३	३४/२३	
६	चं.	४५/४४	म.	१७/३१	व.	१८/४३	कौ.	१३/०२	तै.	४५/४४	२२	०४	०७	सिंह	०५/०७	०६/५३	३४/२४	आद्रा रवि २६/४० भा. आषाढारम्भः
७	मं.	५१/४८	पू.	२४/५३	सि.	२१/०३	ग.	१८/४६	व.	५१/४८	२३	०५	०८	कन्या ४१/४५	०५/०७	०६/५३	३४/२४	भ. ५५/४८ उ.
८	बु.	५७/५८	उ.	३२/२१	व्य.	२३/३२	वि.	२४/५३	व.	५७/५८	२४	०६	०९	कन्या	०५/०७	०६/५३	३४/२४	भ. २४/५३ या.
९	वृ.	६०/००	ह.	३६/३३	व.	२५/४७	वा.	३०/४३	कौ.	६०/००	२५	०७	१०	कन्या	०५/०७	०६/५३	३४/२४	आद्रा भौम ३५/१६
९	शु.	०३/२९	चि.	४५/४१	प.	२७/२०	कौ.	०३/२९	तै.	३५/४०	२६	०८	११	तुला १२/३७	०५/०७	०६/५३	३४/२३	आश्ले गुरू १८/३७
१०	श.	०७/५०	स्वा.	५०/३४	शि.	२७/५२	ग.	०७/५०	व.	३९/१२	२७	०९	१२	तुला	०५/०७	०६/५३	३४/२३	भ. ३९/१२ उ.
११	र.	१०/३५	वि.	५२/४७	सि.	२७/०१	वि.	१०/३५	व.	४१/०३	२८	१०	१३	वृश्चिक ३७/५६	०५/०८	०६/५२	३४/२२	भ. १०/३५ या. कमला एकादशीव्रतम्
१२	चं.	११/३०	अ.	५५/०६	सा.	२५/०२	वा.	११/३०	कौ.	४१/०३	२९	११	१४	वृश्चिक	०५/०८	०६/५२	३४/२२	प्रदोष व्रतम्
१३	मं.	१०/३५	ज्ये.	५४/४२	शु.	२१/२०	तै.	१०/३५	ग.	३८/४७	३०	१२	१५	धनु ५४/४२	०५/०८	०६/५२	३४/२१	मृगे बुधः ४५/५८ ज्येष्ठायांरोगविमुक्तस्नानम्
१४	बु.	०६/५८	मू.	५२/५०	शु.	१६/२३	व.	०६/५८	वि.	३४/५१	०१	१३	१६	धनु	०५/०८	०६/५२	३४/२०	भ. ०६/५८ उ. म. ३४/५१ या. मूलेरोगविमुक्तस्नानम्
१५	वृ.	०२/४४ ५४/४३	पू.	४९/३५	वृ.	१०/२३	व.	०२/४४	वा.	३०/०६ ५७/२७	०२	१४	१७	धनु	०५/०८	०६/५२	३४/१९	स्नानदानादौ पूर्णिमाव्रतम्

पं. १३ तिथि ८ बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०२	०२	०१	०३	०३	०७	०५	११
०८	०५	१६	२६	२२	०५	११	११
३०	४७	१६	११	४८	२६	३५	३५
३२	४९	३०	२९	३५	३७	१०	१०
५७	४१	४८	११	४९	०३	०३	०३
११	२४	२८	१५	३३	४०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

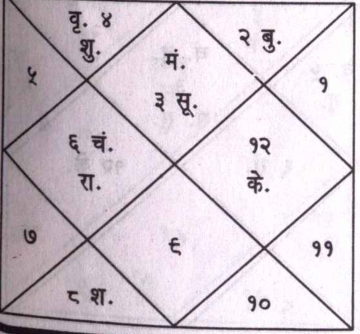

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	बु.	०१	०६	०३	०५	०६	०४	०६	५९	०८	५६	११	४२	०१	४३	०३	२९	०५	४८	०८	३६	०९	२७	११	२७
२	वृ.	०१	०२	०३	०१	०५	५९	०६	५५	०८	५२	११	३८	०१	३९	०३	२५	०५	४४	०८	३२	०९	२३	११	२३
३	शु.	१२	५८	०२	५७	०५	५५	०६	५१	०८	४८	११	३४	०१	३५	०३	२१	०५	४०	०८	२८	०९	१९	११	१९
४	श.	१२	५४	०२	५३	०५	५१	०६	४७	०८	४४	११	३०	०१	३१	०३	१७	०५	३६	०८	२४	०९	१५	११	१५
५	र.	१२	५०	०२	४९	०५	४७	०६	४३	०८	४०	११	२६	०१	२७	०३	१३	०५	३२	०८	२०	०९	११	११	११
६	चं.	१२	४६	०२	४५	०५	४३	०६	३९	०८	३६	११	२२	०१	२३	०३	०९	०५	२८	०८	१६	०९	०७	११	०७
७	मं.	१२	४२	०२	४१	०५	३९	०६	३५	०८	३२	११	१८	०१	१९	०३	०५	०५	२४	०८	१२	०९	०३	११	०३
८	बु.	१२	३८	०२	३७	०५	३५	०६	३१	०८	२८	११	१४	०१	१५	०३	०१	०५	२०	०८	०८	०८	५९	१०	५९
९	वृ.	१२	३४	०२	३३	०५	३१	०६	२७	०८	२४	११	१०	०१	११	०२	५७	०५	१६	०८	०४	०८	५५	१०	५५
९	शु.	१२	३०	०२	२९	०५	२७	०६	२३	०८	२०	११	०६	०१	०७	०२	५३	०५	१२	०८	००	०८	५१	१०	५१
१०	श.	१२	२६	०२	२५	०५	२३	०६	१९	०८	१६	११	०२	०१	०३	०२	४९	०५	०८	०७	५६	०८	४७	१०	४७
११	र.	१२	२२	०२	२१	०५	१९	०६	१५	०८	१२	१०	५८	१२	५९	०२	४५	०५	०४	०७	५२	०८	४३	१०	४३
१२	चं.	१२	१९	०२	१८	०५	१६	०६	१२	०८	०९	१०	५५	१२	५६	०२	४२	०५	०१	०७	४९	०८	४०	१०	४०
१३	मं.	१२	१५	०२	१४	०५	१२	०६	०८	०८	०५	१०	५१	१२	५२	०२	३८	०४	५७	०७	४५	०८	३६	१०	३६
१४	बु.	१२	११	०२	१०	०५	०८	०६	०४	०८	०१	१०	४७	१२	४८	०२	३४	०४	५३	०७	४१	०८	३२	१०	३२
१५	वृ.	१२	०७	०२	०६	०५	०४	०६	००	०७	५७	१०	४३	१२	४४	०२	३०	०४	४९	०७	३७	०८	२८	१०	२८

पं. १४ तिथि १५ गुरौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०२	०२	०१	०३	०३	०७	०५	११
१६	११	२४	२७	२८	०५	११	११
१९	१२	४७	३२	५८	०२	०७	०७
३५	२८	३६	१८	४२	१०	५०	५०
५७	४१	०९	११	४१	०३	०३	०३
०३	१०	११	५१	३०	०१	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

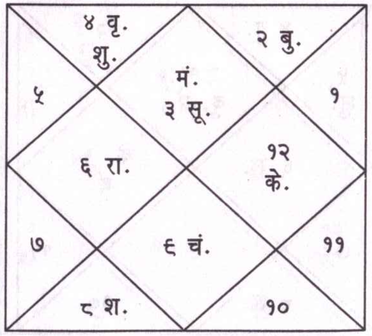

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ अधिक आषाढ़ कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख ०३ जुलाईतः १६ जुलाई यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये उत्तरायणे वर्षर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं. मि.	घं. मि.	घं. प.	
२	शु.	५२/१७	उ.	४५/३२	ऐ.	०३/५२ ३२/२१	तै.	२४/५२	ग.	५२/१७	०३	१५	१८	मकर ०३/३४	०५/०८	०६/५२	३४/१८	
३	श.	४५/५०	श्रृ.	४१/१०	वि.	४७/५६	व.	१९/१३	वि.	४५/५०	०४	१६	१९	मकर	०५/०९	०६/५१	३४/१७	भ. १९/०३ उ.भ. ४५/५० या. श्रावणे सर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः ४१/१० उ.
४	र.	३९/०८	ध.	३६/४१	प्री.	४०/०४	व.	१२/२८	वा.	३९/०८	०५	१७	२०	कुम्भ ०८/५५	०५/०९	०६/५१	३४/१६	मिथुने बुधः २५/४७ मघासिंहेशुक्र १४/२३ चतुर्थीव्रतम्
५	चं.	३२/३९	श.	३२/१६	आ.	३२/११	कौ.	०५/५४	तै.	३२/३९ ५९/२७	०६	१८	२१	कुम्भ	०५/०९	०६/५१	३४/१५	पुनः रवि २५/३०
६	मं.	२६/१४	पू.	२८/०६	सौ.	२४/३६	व.	२६/१४	वि.	५३/४०	०७	१९	२२	मीन १४/११	०५/०९	०६/५१	३४/१४	भ. २६/१४ उ.भ. ५३/४० या.
७	बु.	२१/०६	उ.	२४/२६	शो.	१७/२२	व.	२१/०६	वा.	४८/३४	०८	२०	२३	मीन	०५/०९	०६/५१	३४/१३	
८	वृ.	१६/०२	रे.	२१/२६	अ.	१०/३६	कौ.	१६/०२	तै.	४३/४६	०९	२१	२४	मेष २१/२६	०५/१०	०६/५०	३४/११	आद्रा बुधः १०/४५ पञ्चकसमाप्ति २१/२६ या.
९	शु.	११/२९	अ.	१८/१५	सु.	०४/५४ १९/१०	ग.	११/२९	व.	३९/३१	१०	२२	२५	मेष	०५/१०	०६/५०	३४/१०	भ. ३९/३१ उ.
१०	श.	०७/३४	म.	१७/०३	शू.	५२/१७	वि.	०७/३४	व.	३५/५७	११	२३	२६	वृष ३१/४४	०५/१०	०६/५०	३४/०८	भ. ०७/३४ या.
११	र.	०४/२०	कृ.	१५/४८	गं.	४८/३३	वा.	०४/२०	कौ.	३३/११	१२	२४	२७	वृष	०५/११	०६/४९	३४/०७	बुधास्त पूर्वस्यां २९/४२ कमला एकादशीव्रतम्
१२	चं.	०२/०२	रो.	१५/२३	वृ.	४४/४२	तै.	०२/०२	ग.	३१/१३	१३	२५	२८	मिथुन ४५/०३	०५/११	०६/४९	३४/०५	प्रदोषव्रतम्
१३	मं.	००/२४	मृ.	१५/५३	ध्रु.	४१/३७	व.	००/२४	वि.	३०/१३	१४	२६	२९	मिथुन	०५/११	०६/४९	३४/०३	भ. ००/२४ उ.भ. ३०/१३ या. मघा सिंहे गुरू ००/०७ मासशिवरात्रिव्रतम्
१४	बु.	००/०२	आ.	१७/४८	व्या.	३९/२३	श.	००/०२	च.	३०/१९	१५	२७	३०	मिथुन	०५/१२	०६/४८	३४/०१	पुनः भौम ३४/४८
३०	वृ.	००/३५	पु.	२०/४९	ह.	३८/३८	ना.	००/३५	कि.	३१/४८	१६	२८	३१	कर्क ०५/०४	०५/१२	०६/४८	३३/५६	कर्केऽर्क ५४/५६ पुनः बुधः ०३/१६ देवपितृकार्येऽमावस्या

पं. १५ तिथि ८ गुरौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०२	०२	०२	०३	०४	०७	०५	११
२२	१५	०६	२८	०२	०४	१०	१०
५२	५३	५०	५१	१२	४१	४५	४५
३६	४५	४०	५२	४०	२०	३९	३९
५७	४०	१०८	१२	३२	०२	०३	०३
०७	४६	४१	२०	१०	१०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

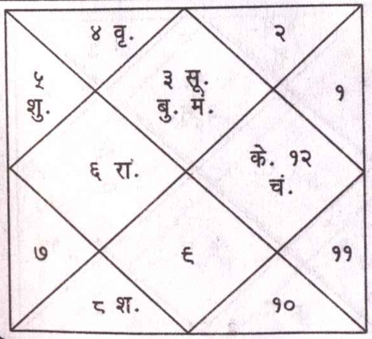

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		वृ. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	शु.	१२	०३	०२	०२	०५	००	०५	५६	०७	५३	१०	३९	१२	४०	०२	२६	०४	४५	०७	३३	०८	२४	१०	२४
३	श.	११	५९	०१	५८	०४	५६	०५	५२	०७	४९	१०	३५	१२	३६	०२	२२	०४	४१	०७	२९	०८	२०	१०	२०
४	र.	११	५५	०१	५४	०४	५२	०५	४८	०७	४५	१०	३१	१२	३२	०२	१८	०४	३७	०७	२५	०८	१६	१०	१६
५	चं.	११	५१	०१	५०	०४	४८	०५	४४	०७	४१	१०	२७	१२	२८	०२	१४	०४	३३	०७	२१	०८	१२	१०	१२
६	मं.	११	४७	०१	४६	०४	४४	०५	४०	०७	३७	१०	२३	१२	२४	०२	१०	०४	२९	०७	१७	०८	०८	१०	०८
७	बु.	११	४३	०१	४२	०४	४०	०५	३६	०७	३३	१०	१९	१२	२०	०२	०६	०४	२५	०७	१३	०८	०४	१०	०४
८	वृ.	११	३९	०१	३८	०४	३६	०५	३२	०७	२९	१०	१५	१२	१६	०२	०२	०४	२१	०७	०९	०८	००	१०	००
९	शु.	११	३५	०१	३४	०४	३२	०५	२८	०७	२५	१०	११	१२	१२	०१	५८	०४	१७	०७	०५	०७	५६	०९	५६
१०	श.	११	३१	०१	३०	०४	२८	०५	२४	०७	२१	१०	०७	१२	०८	०१	५४	०४	१३	०७	०१	०७	५२	०९	५२
११	र.	११	२७	०१	२६	०४	२४	०५	२०	०७	१७	१०	०३	१२	०४	०१	५०	०४	०९	०६	५७	०७	४८	०९	४८
१२	चं.	११	२३	०१	२२	०४	२०	०५	१६	०७	१३	०९	५९	१२	००	०१	४६	०४	०५	०६	५३	०७	४४	०९	४४
१३	मं.	११	१९	०१	१८	०४	१६	०५	१२	०७	०९	०९	५५	११	५६	०१	४२	०४	०१	०६	४९	०७	४०	०९	४०
१४	बु.	११	१५	०१	१४	०४	१२	०५	०८	०७	०५	०९	५१	११	५२	०१	३८	०३	५७	०६	४५	०७	३६	०९	३६
३०	वृ.	११	११	०१	१०	०४	०८	०५	०४	०७	०१	०९	४७	११	४८	०१	३४	०३	५३	०६	४१	०७	३२	०९	३२

पं. १६ तिथि ३० गुरौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०२	०२	०२	०४	०४	०७	०५	११
२९	२०	२०	००	०५	०४	१०	१०
३०	३२	२७	२३	३०	२६	२३	२३
४३	४४	१४	५३	३२	३५	२३	२३
५७	४०	१२२	१२	४४	०१	०३	०३
१०	३५	२२	३२	१७	४६	११	११
मा.	मा.	मा.	मा:	मा.	व.	व.	व.

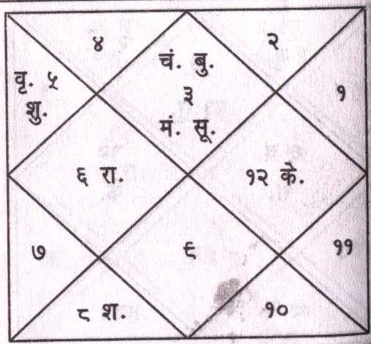

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ शुद्ध आषाढ़ शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १७ जुलाईतः ३१ जुलाई यावत् सन् २०१५ ई० श्री सूर्ये उत्तरायणे वर्षतुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	शु.	०३/०१	पु.	२५/०४	व.	३८/१६	व.	०३/०१	वा.	३४/४६	१७	२६	०१	कर्क	०५/१३	०६/४७	३३/५७	
२	श.	०६/३०	श्ले.	३०/२६	सि.	३६/०४	कौ.	०६/३०	तै.	३८/५८	१८	३०	०२	सिंह ३०/२६	०५/१३	०६/४७	३३/५५	चन्द्रदर्शनम् श्री जगदीशरथयात्रा
३	र.	११/२५	म.	३६/५५	व्य.	४०/३२	ग.	११/२४	व.	४४/०३	१९	०१	०३	सिंह	०५/१४	०६/४६	३३/५२	भ. ४४/०३ उ. सव्वाल १०
४	चं.	१६/४२	पू.	४४/०७	व.	४२/४०	वि.	१६/४२	व.	४९/४८	२०	०२	०४	सिंह	०५/१४	०६/४६	३३/५०	भ. १६/४२ या. पुष्ये रवि २४/१४
५	मं.	२२/५४	उ.	५१/४२	प.	४५/१६	वा.	२२/५४	कौ.	५६/०२	२१	०३	०५	कन्या ०१/०१	०५/१४	०६/४६	३३/४८	कर्केबुधः ४२/५५
६	बु.	२९/०९	ह.	५६/०८	शि.	४७/५०	तै.	२९/०९	ग.	६०/००	२२	०४	०६	कन्या	०५/१५	०६/४५	३३/४५	पुष्येबुधः १८/०२
७	वृ.	३५/०८	चि.	६०/००	सि.	४९/५३	ग.	०२/०८	व.	३५/०८	२३	०५	०७	तुला ३२/३६	०५/१५	०६/४५	३३/४३	भ. ३५/०८ उ. भा. श्रावणारम्भः
८	शु.	३९/५७	चि.	०६/०४	सा.	५१/१४	वि.	०७/३२	व.	३९/५७	२४	०६	०८	तुला	०५/१६	०६/४४	३३/४०	भ. ०७/३२ या. उ.फा. रा. उ. भा. केतु ४७/५७
९	श.	४३/२६	स्वा.	११/५०	शु.	५१/३१	वा.	११/४२	कौ.	४३/२६	२५	०७	०९	तुला	०५/१६	०६/४४	३३/३८	वक्री शुक्र ४५/२३
१०	र.	४५/०८	वि.	१६/१७	शु.	५०/१८	तै.	१४/१७	ग.	४५/०८	२६	०८	१०	वृश्चिक ००/१०	०५/१७	०६/४३	३३/३५	आशादशमी
११	चं.	४४/५५	अ.	१९/०७	वृ.	४७/३६	व.	१५/०२	वि.	४४/५५	२७	०९	११	वृश्चिक	०५/१७	०६/४३	३३/३३	भ. १५/०२ उ. भ. ४४/५५ या. देवशयनी एकादशी चातुर्मासव्रतारम्भः
१२	मं.	४२/२८	ज्ये.	१९/०५	ऐ.	४३/१८	व.	१३/४२	वा.	४२/२८	२८	१०	१२	धनु १९/०५	०५/१८	०६/४२	३३/३०	आश्ले बुधः ३७/३५ ज्येष्ठायां रोग विमुक्तस्नानं
१३	बु.	३८/१७	मू.	१७/३२	वै.	३७/२४	कौ.	१०/२३	तै.	३८/१७	२९	११	१३	धनु	०५/१९	०६/४१	३३/२७	प्रदोषव्रतम् मूलेरोगविमुक्त स्नानं
१४	वृ.	३२/१७	पू.	१४/१९	वि.	३०/१३	ग.	०५/१७	व.	३२/१७ ५८/३७	३०	१२	१४	मकर २८/०५	०५/१९	०६/४१	३३/२४	भ. ३२/१७ उ.भ. ५८/३७ या. कर्केभौमः ४५/५७ .
१५	शु.	२४/५६	उ.	०९/२५	प्री.	२१/४६	व.	२४/५६	वा.	५०/५४	३१	१३	१५	मकर	०५/२०	०६/४०	३३/२२	मघा गुरू १३/०२ स्नादानादौ पूर्णिमा गुरूपूर्णिमा व्यासपूजा

पं. १७ तिथि ८ शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०३	०२	०३	०४	०४	०७	०५	११
०७	२५	०७	०१	०७	०४	०९	०९
२२	५१	१३	३८	२३	१६	५९	५९
२८	४२	३९	२९	२४	३०	१०	१०
५७	४०	१२४	१३	१०	०१	०३	०३
१७	२५	०९	०४	२४	०७	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.

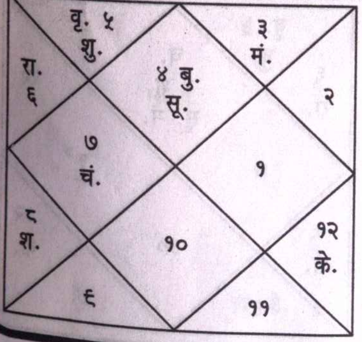

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	शु.	११	०७	०१	०६	०४	०४	०५	००	०६	५७	०९	४३	११	४४	०१	३०	०३	४९	०६	३७	०७	२८	०९	२८
२	श.	११	०३	०१	०२	०४	००	०४	५६	०६	५३	०९	३९	११	४०	०१	२६	०३	४५	०६	३३	०७	२४	०९	२४
३	र.	१०	५९	१२	५८	०३	५६	०४	५२	०६	४९	०९	३५	११	३६	०१	२२	०३	४१	०६	२९	०७	२०	०९	२०
४	चं.	१०	५५	१२	५४	०३	५२	०४	४८	०६	४५	०९	३१	११	३२	०१	१८	०३	३७	०६	२५	०७	१६	०९	१६
५	मं.	१०	५१	१२	५०	०३	४८	०४	४४	०६	४१	०९	२७	११	२८	०१	१४	०३	३३	०६	२१	०७	१२	०९	१२
६	बु.	१०	४७	१२	४६	०३	४४	०४	४०	०६	३७	०९	२३	११	२४	०१	१०	०३	२९	०६	१७	०७	०८	०९	०८
७	वृ.	१०	४३	१२	४२	०३	४०	०४	३६	०६	३३	०९	१९	११	२०	०१	०६	०३	२५	०६	१३	०७	०४	०९	०४
८	शु.	१०	३९	१२	३८	०३	३६	०४	३२	०६	२९	०९	१५	११	१६	०१	०२	०३	२१	०६	०९	०७	००	०९	००
९	श.	१०	३५	१२	३४	०३	३२	०४	२८	०६	२५	०९	११	११	१२	१२	५८	०३	१७	०६	०५	०६	५६	०८	५६
१०	र.	१०	३२	१२	३१	०३	२९	०४	२५	०६	२२	०९	०८	११	०९	१२	५५	०३	१४	०६	०२	०६	५३	०८	५३
११	चं.	१०	२८	१२	२७	०३	२५	०४	२१	०६	१८	०९	०४	११	०५	१२	५१	०३	१०	०५	५८	०६	४९	०८	४९
१२	मं.	१०	२४	१२	२३	०३	२१	०४	१७	०६	१४	०९	००	११	०१	१२	४७	०३	०६	०५	५४	०६	४५	०८	४५
१३	बु.	१०	२०	१२	१९	०३	१७	०४	१३	०६	१०	०८	५६	१०	५७	१२	४३	०३	०२	०५	५०	०६	४१	०८	४१
१४	वृ.	१०	१६	१२	१५	०३	१३	०४	०९	०६	०६	०८	५२	१०	५३	१२	३९	०२	५८	०५	४६	०६	३७	०८	३७
१५	शु.	१०	१२	१२	११	०३	०९	०४	०५	०६	०२	०८	४८	१०	४९	१२	३५	०२	५४	०५	४२	०६	३३	०८	३३

पं. १८ तिथि १५ शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०३	०३	०३	०४	०४	०७	०५	११
१३	००	२१	०३	०५	०४	०९	०९
५५	०७	५८	०९	४८	१०	३३	३३
३०	२०	५५	४६	३५	४८	५२	५२
५७	४०	१२०	१३	११	००	०३	०३
२२	१५	२५	१९	२४	२२	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.

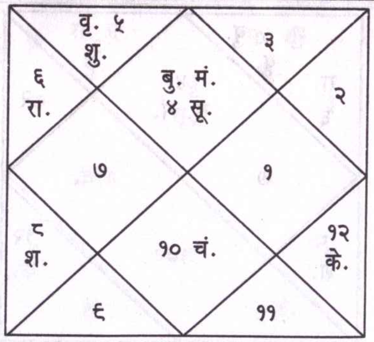

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ श्रावण कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख ०१ अगस्ततः १४ अगस्त यावत् श्री सन् २०१५ ई० श्री सूर्ये उत्तरायणे वर्षर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	श.	१६/५२	श्र.	०३/५३ ३८/५०	आ.	१२/४५	कौ.	१६/५२	तै.	४२/४२	०१	१४	१६	कुम्भ ३०/३२	०५/२०	०६/४०	३३/१६	मा. शनि ०३/०१ श्रवणेसर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः ०३/५३ उ.
२	र.	०८/३२	श.	५१/०६	सौ.	०३/५१ २५/२५	ग.	०८/३२	व.	३४/२१	०२	१५	१७	कुम्भ	०५/२१	०६/३९	३३/१६	भ. ३४/२१ उ.
३	चं.	००/११ ५२/०६	पू.	४५/१२	अ.	४४/३५	वि.	००/११	व.	२६/१६ ५२/२०	०३	१६	१८	मीन ३१/४५	०५/२१	०६/३९	३३/१३	भ. ००/११ या. अश्ले रवि २१/१५ चतुर्थीव्रतम्
५	मं.	४५/१७	उ.	४०/०१	सु.	३५/५४	कौ.	१८/४६	तै.	४५/१७	०४	१७	१९	मीन	०५/२२	०६/३८	३३/१०	सिंहे मघायंबुधः २८/२४ पुष्ये भौमः ४६/२९ नागपंचमी (मरूस्थले)
६	बु.	३८/५५	रे.	३५/३५	धृ.	२७/५३	ग.	१२/०६	व.	३८/५५	०५	१८	२०	मेष ३५/३५	०५/२३	०६/३७	३३/०७	भ. ३८/५५ उ. बुधोदयः पश्चिमायां २५/११ पञ्चकसमाप्ति ३५/३५ या.
७	वृ.	३३/५६	अ.	३२/२५	शू.	२०/४९	वि.	०६/२५	व.	३३/५६	०६	१९	२१	मेष	०५/२३	०६/३७	३३/०४	भ. ०६/२५ या.
८	शु.	३०/०४	भ.	३०/१९	गं.	१४/३५	वा.	०२/४२	कौ.	२३/५३ ४५/०४	०७	२०	२२	मेष	०५/२४	०६/३६	३३/००	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३१/१२
९	श.	३७/१६	कृ.	२९/२४	वृ.	०९/२६	ग.	२७/२६	व.	५६/३५	०८	२१	२३	वृष ४५/०५	०५/२५	०६/३५	३२/५७	भ. ५६/३५ उ.
१०	र.	२५/४५	रो.	२९/३५	ध्रु.	०५/१६	वि.	२५/४५	व.	५५/३६	०९	२२	२४	वृष	०५/२५	०६/३५	३२/५४	भ. २५/४५ या.
११	चं.	२५/२६	मृ.	३१/३०	व्या.	०१/५७ ४९/४०	वा.	२५/२६	कौ.	५५/५७	१०	२३	२५	मिथुन ००/१९	०५/२६	०६/३४	३२/५०	कामिका एकादशी व्रतम्
१२	मं.	२६/२७	आ.	३३/४६	व.	५८/०४	तै.	२६/२७	ग.	५७/२६	११	२४	२६	मिथुन	०५/२७	०६/३३	३२/४७	उदयं भौमः ५०/५५ प्रदोषव्रतम्
१३	बु.	२८/२५	पु.	३७/१३	सि.	५७/४६	व.	२८/२५	वि.	५९/५६	१२	२५	२७	कर्क २१/२१	०५/२७	०६/३३	३२/४४	भ. २८/२५ उ.म. ५९/५६ या. पू.फा. बुधः ०२/४६ मासशिवरात्रिव्रतम्
१४	वृ.	३१/२६	पु.	४१/५०	व्य.	५७/३८	श.	३१/२६	च.	६०/००	१३	२६	२८	कर्क	०५/२८	०६/३२	३२/४०	वक्री कर्केअश्ले शुक्रः ३५/३५ पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
३०	शु.	३५/३०	श्ले.	४७/३९	व.	५८/३४	च.	०३/२८	ना.	३५/३०	१४	२७	२९	सिंह ४७/३८	०५/२९	०६/३१	३२/३७	अस्तं गुरू ३६/०० देवपितृकार्येऽमावस्या हरियाली

पं. १९ तिथि ८ शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०३	०३	०४	०४	०४	०७	०५	११
२०	०५	०४	०४	०२	०४	०९	०९
३५	००	३९	३९	१८	१८	११	११
१२	४९	५०	१६	३२	४०	३०	३०
५७	४०	१०९	१३	२८	००	०३	०३
२८	०८	१७	२९	१०	२९	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.

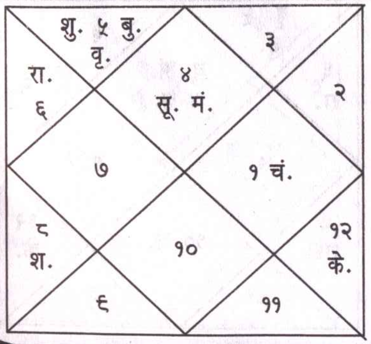

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्री		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	श.	१०	०८	१२	०७	०३	०५	०४	०१	०५	५८	०८	४४	१०	४५	१२	३१	०२	५०	०५	३८	०६	२९	०८	२९
२	र.	१०	०४	१२	०३	०३	०१	०३	५७	०५	५४	०८	४०	१०	४१	१२	२७	०२	४६	०५	३४	०६	२५	०८	२५
३	चं.	१०	००	११	५९	०२	५७	०३	५३	०५	५०	०८	३६	१०	३७	१२	२३	०२	४२	०५	३०	०६	२१	०८	२१
५	मं.	०९	५६	११	५५	०२	५३	०३	४९	०५	४६	०८	३२	१०	३३	१२	१९	०२	३८	०५	२६	०६	१७	०८	१७
६	बु.	०९	५३	११	५२	०२	५०	०३	४६	०५	४३	०८	२९	१०	३०	१२	१६	०२	३५	०५	२३	०६	१४	०८	१४
७	वृ.	०९	४९	११	४८	०२	४६	०३	४२	०५	३९	०८	२५	१०	२६	१२	१२	०२	३१	०५	१९	०६	१०	०८	१०
८	शु.	०९	४५	११	४४	०२	४२	०३	३८	०५	३५	०८	२१	१०	२२	१२	०८	०२	२७	०५	१५	०६	०६	०८	०६
९	श.	०९	४१	११	४०	०२	३८	०३	३४	०५	३१	०८	१७	१०	१८	१२	०४	०२	२३	०५	११	०६	०२	०८	०२
१०	र.	०९	३७	११	३६	०२	३४	०३	३०	०५	२७	०८	१३	१०	१४	१२	००	०२	१९	०५	०७	०५	५८	०७	५८
११	चं.	०९	३३	११	३२	०२	३०	०३	२६	०५	२३	०८	०९	१०	१०	११	५६	०२	१५	०५	०३	०५	५४	०७	५४
१२	मं.	०९	२९	११	२८	०२	२६	०३	२१	०५	१९	०८	०५	१०	०६	११	५२	०२	११	०४	५९	०५	५०	०७	५०
१३	बु.	०९	२५	११	२४	०२	२२	०३	१८	०५	१५	०८	०१	१०	०२	११	४८	०२	०७	०४	५५	०५	४६	०७	४६
१४	वृ.	०९	२१	११	२०	०२	१८	०३	१४	०५	११	०७	५७	०९	५८	११	४४	०२	०३	०४	५१	०५	४२	०७	४२
३०	शु.	०९	१७	११	१६	०२	१४	०३	१०	०५	०७	०७	५३	०९	५४	११	४०	०१	५९	०४	४७	०५	३८	०७	३८

पं. २० तिथि ३० शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०३	०३	०४	०४	०३	०७	०५	११
२७	०९	१८	०६	२८	०४	०८	०८
२६	३२	०२	०८	२०	३५	५०	५०
३७	५८	४२	५२	१०	०२	१५	१५
५७	३९	१०३	१३	३४	०१	०३	०३
३६	५६	०७	३४	५०	२०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.

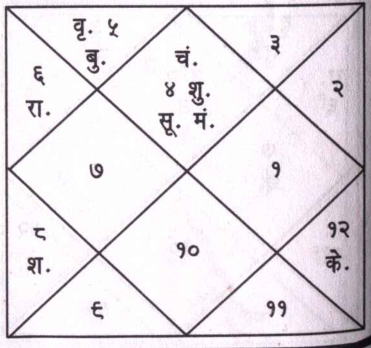

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ श्रावण शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १५ अगस्ततः २६ सितम्बर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने वर्षर्तु : ।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	श.	४०/३४	म.	५४/१८	प.	६०/००	कि.	०८/०२	व.	४०/३४	१५	२८	३०	सिंह	०५/२६	०६/३१	३२/३३	मघा गुरूः ००/५३ भारतीय स्वतंत्रता दिवस
२	र.	४६/१४	पू.	६०/००	प.	००/१७	वा.	१३/२४	कौ.	४६/१४	१६	२९	३१	सिंह	०५/३०	०६/३०	३२/३०	चन्द्रदर्शनम् सिधारा
३	चं.	५२/२१	पू.	०१/१६	शि.	०२/२२	तै.	१६/१७	ग.	५२/२१	१७	०१	३२	कन्या १८/२६	०५/३१	०६/२६	३२/२६	मघा सिंहेऽर्क १५/१७ जिल्काद ११ तीज स्वर्णगौरीव्रतम्
४	मं.	५८/४५	उ.	०८/५६	सि.	०४/५०	व.	२५/३३	वि.	५८/४५	१८	०२	०१	कन्या	०५/३२	०६/२८	३२/२२	भ. २५/३३ उ.म. ५८/४५ या. वरदचतुर्थीव्रतम् दुर्वागणपतिव्रतम्
५	बु.	६०/००	ह.	१६/३३	सा.	०७/०४	व.	३१/५१	वा.	६०/००	१९	०३	०२	तुला ५०/१७	०५/३२	०६/२८	३२/१६	नागपंचमी कल्कीजयन्ती
५	बृ.	०४/५८	चि.	२४/०२	शु.	०६/४१	वा.	०४/५८	कौ.	३७/३७	२०	०४	०३	तुला	०५/३३	०६/२७	३२/१५	उ.फा. बुधः ३४/३० तुलसीजयन्ती
६	शु.	१०/१६	स्वा.	३०/२६	शु.	११/४६	तै.	१०/१६	ग.	४२/२४	२१	०५	०४	तुला	०५/३४	०६/२६	३२/१२	
७	श.	१४/३२	वि.	३५/५६	ब्र.	१२/४६	व.	१४/३२	वि.	४५/५७	२२	०६	०५	वृश्चिक १६/३४	०५/३४	०६/२६	३२/०८	भ. १४/३२ उ.म. ४५/५७ पा. कन्यायांबुधः ५३/४६ शुक्रोदयः पूर्वस्यां १८/००
८	र.	१७/०१	अ.	३६/५६	ऐ.	१२/४१	व.	१७/०१	वा.	४७/३६	२३	०७	०६	वृश्चिक	०५/३५	०६/२५	३२/०४	मा. भाद्रपदारम्भः
९	चं.	१८/१६	ज्ये.	४२/०४	वै.	११/२३	कौ.	१८/१६	तै.	४७/४२	२४	०८	०७	धनु ४२/०४	०५/३६	०६/२४	३२/०१	ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानम्
१०	मं.	१७/०७	मू.	४२/०४	वि.	०८/३२	ग.	१७/०७	व.	४५/३३	२५	०९	०८	धनु	०५/३७	०६/२३	३१/५७	भ. ४५/३३ उ. अश्ले भौम ३८/५६ मूलेरोगविमुक्तस्नानम्
११	बु.	१३/५६	पू.	४०/०२	प्री.	०४/५३ ०१/४६	वि.	१३/५६	व.	४१/२४	२६	१०	०९	मकर ५४/०३	०५/३७	०६/२३	३१/५३	भ. १३/५६ या. पवित्रा एकादशीव्रतम्
१२	बृ.	०८/४६	उ.	३६/०८	सो.	५०/०२	वा.	०८/४६	कौ.	३५/१७	२७	११	१०	मकर	०५/३८	०६/२२	३१/४६	प्रदोषव्रतम्
१३	शु.	०१/४५ ५१/३८	श्र.	३०/३०	शो.	४१/०१	तै.	०१/४५	ग.	२७/३४ ५३/२३	२८	१२	११	कुम्भ ५७/१३	०५/३९	०६/२१	३१/४६	भ. ५३/२३ उ. श्रवणेसर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः ३०/३० उ.
१५	श.	४४/१८	ध.	२३/२५	अ.	३१/०६	वि.	१८/५०	व.	४४/१८	२९	१३	१२	कुम्भ	०५/४०	०६/२०	३१/४२	भ. १८/५० या. स्नानदानादौपूर्णिमा भद्रोत्तरे श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

पं. २१ तिथि ८ रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०४	०३	०५	०४	०३	०७	०५	११
०५	१५	००	०८	२४	०४	०८	०८
४०	२०	४५	४६	३३	३७	२९	२९
२०	४०	३५	०४	४४	२८	५०	५०
५७	३९	७७	१३	२६	०२	०३	०३
४७	३२	३३	३८	२३	२२	११	११
मा.	मा.	मा.	मा	व.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मीः प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं	मि.	घं.	मि.
१	श.	०९	१३	११	१२	०२	१०	०३	०६	०५	०३	०७	४६	०९	५०	११	३६	०१	५५	०४	४३	०५	३४	०७	३४
२	र.	०९	०९	११	०८	०२	०६	०३	०२	०४	५६	०७	४५	०९	४६	११	३२	०१	५१	०४	३९	०५	३०	०७	३०
३	चं.	०९	०५	११	०४	०२	०२	०२	५८	०४	५५	०७	४१	०९	४२	११	२८	०१	४७	०४	३५	०५	२६	०७	२६
४	मं.	०९	०१	११	००	०१	५८	०२	५४	०४	५१	०७	३७	०९	३८	११	२४	०१	४३	०४	३१	०५	२२	०७	२२
५	बु.	०८	५७	१०	५६	०१	५४	०२	५०	०४	४७	०७	३३	०९	३४	११	२०	०१	३९	०४	२७	०५	१८	०७	१८
५	बृ.	०८	५३	१०	५२	०१	५०	०२	४६	०४	४३	०७	२९	०९	३०	११	१६	०१	३५	०४	२३	०५	१४	०७	१४
६	शु.	०८	४९	१०	४८	०१	४६	०२	४२	०४	३९	०७	२५	०९	२६	११	१२	०१	३१	०४	१९	०५	१०	०७	१०
७	श.	०८	४५	१०	४४	०१	४२	०२	३८	०४	३५	०७	२१	०९	२२	११	०८	०१	२७	०४	१५	०५	०६	०७	०६
८	र.	०८	४१	१०	४०	०१	३८	०२	३४	०४	३१	०७	१७	०९	१८	११	०४	०१	२३	०४	११	०५	०२	०७	०२
९	चं.	०८	३८	१०	३७	०१	३५	०२	३१	०४	२८	०७	१४	०९	१५	११	०१	०१	२०	०४	०८	०४	५९	०६	५९
१०	मं.	०८	३४	१०	३३	०१	३१	०२	२७	०४	२४	०७	१०	०९	११	१०	५७	०१	१६	०४	०४	०४	५५	०६	५५
११	बु.	०८	३०	१०	२९	०१	२७	०२	२३	०४	२०	०७	०६	०९	०७	१०	५३	०१	१२	०४	००	०४	५१	०६	५१
१२	बृ.	०८	२६	१०	२५	०१	२३	०२	१९	०४	१६	०७	०२	०९	०३	१०	४९	०१	०८	०३	५६	०४	४७	०६	४७
१३	शु.	०८	२२	१०	२१	०१	१९	०२	१५	०४	१२	०६	५८	०८	५९	१०	४५	०१	०४	०३	५२	०४	४३	०६	४३
१५	श.	०८	१८	१०	१७	०१	१५	०२	११	०४	०८	०६	५४	०८	५५	१०	४१	०१	००	०३	४८	०४	३९	०६	३९

पं. २२ तिथि १५ शनौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०४	०३	०५	०४	०३	०७	०५	११
११	१८	०८	१०	२१	०४	०८	०८
३०	३५	३१	०७	४२	५३	१२	१२
१०	३५	५९	५५	४५	१६	३४	३४
५७	२९	६०	१३	१०	०३	०३	०३
५६	३९	५४	३८	५१	०६	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.

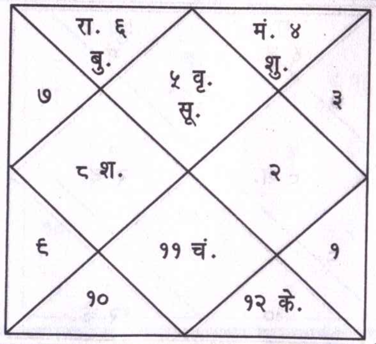

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ भाद्रपद कृष्णपक्षः												तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख ३० अगस्ततः १३ सितम्बर यावत् सन् २०१५ ई० श्रीसूर्ये दक्षिणायने शरदर्तु :।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	र.	३४/३१	श.	१६/२५	सु.	२०/४६	वा.	०९/२५	कौ.	३४/३७ ५९/५०	३०	१४	१३	मीन ५५/४४	०५/४०	०६/२०	३१/३८	हस्ते बुधः ३६/३६ मघा गुरू १४/४३
२	चं.	२५/०८	पू.	०८/५१	धृ.	१०/४९ ०३/१७	ग.	२५/०८	व.	५०/५३	३१	१५	१४	मीन	०५/४१	०६/१९	३१/३४	भ. ५०/३३ उ. पू.फा. रवि ०४/५३
३	मं.	१५/५६	उ.	०१/५३ ३८/२९	गं.	४६/३७	वि.	१५/५९	व.	४१/५२	०१	१६	१५	मेष ५५/०७	०५/४२	०६/१८	३१/३०	भ. १५/५९ या. चतुर्थीव्रतम् पञ्चकसमाप्ति ३८/२९ या.
४	बु.	०७/४५	अ.	५०/०५	वृ.	४०/३७	वा.	०७/४५	कौ.	३४/२७	०२	१७	१६	मेष	०५/४३	०६/१७	३१/२६	
५	वृ.	०१/०९ ५४/४७	म.	४६/०२	ध्रु.	३२/४७	तै.	०१/०९	ग.	२८/३३ ५५/५६	०३	१८	१७	मेष	०५/४४	०६/१६	३१/२२	भ. ५५/५६ उ. चन्द्रषष्ठी हलषष्ठीव्रतम्
७	शु.	५२/३१	कृ.	४४/००	व्या.	२६/१९	वि.	२४/१३	व.	५२/३१	०४	१९	१८	वृष ०१/०२	०५/४४	०६/१६	३१/१८	भ. २४/१३ या.
८	श.	५०/४९	रो.	४३/३५	ह.	२१/१४	वा.	२१/५२	कौ.	५०/४९	०५	२०	१९	वृष	०५/४५	०६/१५	३१/१५	मार्गीशुक्रः ४९/५६ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतम्
९	र.	५०/३५	मृ.	४४/३९	व.	१७/२०	तै.	२०/४२	ग.	५०/३५	०६	२१	२०	मिथुन १४/०८	०५/४६	०६/१४	३१/११	गोगानवमी
१०	चं.	५२/०७	आ.	४६/२३	सि.	१४/५३	व.	२१/२१	वि.	५२/०७	०७	२२	२१	मिथुन	०५/४७	०६/१३	३१/०७	भ. २१/२१ उ.म. ५२/५७ या.
११	मं.	५४/४९	पु.	५१/३६	व्य.	१३/३०	व.	२३/२८	वा.	५४/४९	०८	२३	२२	कर्क ३५/१८	०५/४७	०६/१३	३१/०३	उदयंगुरू ४०/४८ अजा एकादशीव्रतम्
१२	बु.	५८/४८	पु.	५६/४२	व.	१३/२०	कौ.	२६/४९	तै.	५८/४८	०९	२४	२३	कर्क	०५/४८	०६/१२	३०/५९	वत्सद्वादशीव्रतम् पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तुः
१३	वृ.	६०/००	श्ले.	६०/००	प.	१४/०५	ग.	३१/१०	व.	६०/००	१०	२५	२४	कर्क	०५/४९	०६/११	३०/५५	प्रदोषव्रतम्
१३	शु.	०३/३२	श्ले.	०२/४७	शि.	१५/११	व.	०३/३२	वि.	३६/२७	११	२६	२५	सिंह ०२/४७	०५/५०	०६/१०	३०/५१	भ. ०३/३२ उ.म. ३६/२७ या. मासशिवरात्रिव्रतम्
१४	श.	०९/२२	म.	०९/३७	सि.	१७/०६	श.	०९/१२	च.	४२/१३	१२	२७	२६	सिंह	०५/५१	०६/०९	३०/४७	
३०	र.	१५/१३	पू.	१६/४८	सा.	१९/०४	वा.	१५/१३	कि.	४८/१७	१३	२८	२७	कन्या ३३/५१	०५/५१	०६/०९	३०/४३	उ.फा रवि ४९/१८ देवपितृकार्येऽमावस्या कूशाग्रहणी कूशोत्पाटनी अमावस्या

पं. २३ तिथि ८ शनौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०४	०३	०५	०४	०३	०७	०५	११
१८	२४	१५	११	२०	०५	०७	०७
१८	१९	०३	४०	३०	१८	५०	५०
१२	३७	१८	१०	३२	२२	१९	१९
५८	३९	३९	१३	०५	०३	०३	०३
१०	११	०२	३२	५१	४१	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	र.	०८	१४	१०	१३	०१	११	०२	०७	०४	०४	०६	५०	०८	५१	१०	३७	१२	५६	०३	४४	०४	३५	०६	३५
२	चं.	०८	१०	१०	०९	०१	०७	०२	०३	०४	००	०६	४६	०८	४७	१०	३३	१२	५२	०३	४०	०४	३१	०६	३१
३	मं.	०८	०६	१०	०५	०१	०३	०१	५९	०३	५६	०६	४२	०८	४३	१०	२९	१२	४८	०३	३६	०४	२७	०६	२७
४	बु.	०८	०२	१०	०१	१२	५९	०१	५५	०३	५२	०६	३८	०८	३९	१०	२५	१२	४४	०३	३२	०४	२३	०६	२३
५	वृ.	०७	५८	०९	५७	१२	५५	०१	५१	०३	४८	०६	३४	०८	३५	१०	२१	१२	४०	०३	२८	०४	१९	०६	१९
७	शु.	०७	५४	०९	५३	१२	५१	०१	४७	०३	४४	०६	३०	०८	३१	१०	१७	१२	३६	०३	२४	०४	१५	०६	१५
८	श.	०७	५०	०९	४९	१२	४७	०१	४३	०३	४०	०६	२६	०८	२७	१०	१३	१२	३२	०३	२०	०४	११	०६	११
९	र.	०७	४७	०९	४६	१२	४४	०१	४०	०३	३७	०६	२३	०८	२४	१०	१०	१२	२९	०३	१७	०४	०८	०६	०८
१०	चं.	०७	४३	०९	४२	१२	४०	०१	३६	०३	३३	०६	१९	०८	२०	१०	०६	१२	२५	०३	१३	०४	०४	०६	०४
११	मं.	०७	३९	०९	३८	१२	३६	०१	३२	०३	२९	०६	१५	०८	१६	१०	०२	१२	२१	०३	०९	०४	००	०६	००
१२	बु.	०७	३५	०९	३४	१२	३२	०१	२८	०३	२५	०६	११	०८	१२	०९	५८	१२	१७	०३	०५	०३	५६	०५	५६
१३	वृ.	०७	३१	०९	३०	१२	२८	०१	२४	०३	२१	०६	०७	०८	०८	०९	५४	१२	१३	०३	०१	०३	५२	०५	५२
१३	शु.	०७	२७	०९	२६	१२	२४	०१	२०	०३	१७	०६	०३	०८	०४	०९	५०	१२	०९	०२	५७	०३	४८	०५	४८
१४	श.	०७	२३	०९	२२	१२	२०	०१	१६	०३	१३	०५	५९	०८	००	०९	४६	१२	०५	०२	५३	०३	४४	०५	४४
३०	र.	०७	१९	०९	१८	१२	१६	०१	१२	०३	०९	०५	५५	०७	५६	०९	४२	१२	०१	०२	४९	०३	४०	०५	४०

पं. २४ तिथि ३० रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०४	०३	०५	०४	०३	०७	०५	११
३४	२८	१९	१३	२०	०५	०७	०७
१४	१५	४३	१९	३९	३७	२३	२३
२४	१४	४०	२८	०७	१५	१३	१३
५८	३८	०५	१३	२०	०४	०३	०३
२४	०४	५८	२८	१८	२०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ भाद्रपद शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १४ सितम्बरतः २८ सितम्बर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने शरदर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	चं.	२१/२०	उ.	२५/०१	शु.	२१/२८	व.	२१/२०	वा.	५४/३२	१४	२९	२८	कन्या	०५/५२	०६/०८	३०/३९	पू.फा. गुरू २४/३८
२	मं.	२७/४३	ह.	३२/०४	शु.	२२/५५	कौ.	२७/४३	तै.	६०/००	१५	३०	२९	कन्या	०५/५३	०६/०७	३०/३५	मघासिंहे भौम ३९/५१ चन्द्रदर्शनम्
३	बु.	३३/४९	चि.	३९/२८	ब्र.	२६/४६	तै.	००/४६	ग.	३३/४९	१६	०१	३०	तुला ०५/४६	०५/५४	०६/०६	३०/३१	वक्री बुधः ४२/४१ जिल्हेज १२ हरितालिका तीज व्रतम्
४	बृ.	३९/१७	स्वा.	४६/१४	ऐ.	२८/११	व.	०६/३३	वि.	३९/१७	१७	०२	३१	तुला	०५/५५	०६/०५	३०/२७	भ. ०६/३३ उ.म. ३९/१७ या. कन्यायांऽर्क १४/३६ गणेश चतुर्थीव्रतम्! (चन्द्रदर्शन निषेध) विश्वकर्मा पूजनोत्सव
५	शु.	४३/४७	वि.	५२/१७	वै.	२९/३७	व.	११/२८	वा.	४३/४७	१८	०३	०१	वृश्चिक ३५/४६	०५/५६	०६/०४	३०/२२	ऋषि पंचमी
६	श.	४७/११	अ.	५६/५७	वि.	३०/२६	कौ.	१५/२	तै.	४७/११	१९	०४	०२	वृश्चिक	०५/५६	०६/०४	३०/१८	
७	र.	४९/१०	ज्ये.	६०/००	प्री.	३०/०४	ग.	१८/०७	व.	४९/१०	२०	०५	०३	वृश्चिक	०५/५७	०६/०३	३०/१४	भ. ४९/१० उ. ज्येष्ठायांरोगविमुक्त स्नानं
८	चं.	४९/२५	ज्ये.	००/३१	आ.	२८/२५	वि.	१९/१७	व.	४९/२५	२१	०६	०४	धनु ००/३१	०५/५८	०६/०२	३०/०९	भ. १९/१७ या.
९	मं.	४७/४८	मू.	०२/२५	सौ.	२५/२३	वा.	१८/३६	कौ.	४७/४८	२२	०७	०५	धनु	०५/५९	०६/०१	३०/०५	मूलेरोगविमुक्त स्नानं
१०	बु.	४४/१९	पू.	०२/२५	शो.	२०/५३	तै.	१६/०३	ग.	४४/१९	२३	०८	०६	मकर १६/५५	०६/००	०६/००	३०/००	भा. अश्विनारम्भः श्रवणेसर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः २६/११ उ.
११	बृ.	३८/५०	उ.	००/५६ २६/११	अ.	१४/५०	व.	११/३४	वि.	३८/५०	२४	०९	०७	मकर	०६/०१	०५/५९	२९/५६	भ. ११/३४ उ.म. ३८/५० या. बुधास्त पश्चिमायां २३/११ जलमुलनी एकादशीव्रतम्
१२	शु.	३१/५०	ध.	५१/१४	सु.	०७/५१ १०/१२	व.	०५/५०	वा.	३१/४३ ५७/३६	२५	१०	०८	कुम्भ २३/५६	०६/०२	०५/५८	२९/५२	उ.फा. राहु उ.मा. केतु ४०/०० वामनजयन्ती वामनद्वादशी
१३	श.	२३/२१	श.	४४/२४	शू.	४८/२८	तै.	२३/२१	ग.	४८/३४	२६	११	०९	कुम्भ	०६/०२	०५/५८	२९/४८	प्रदोषव्रतम्
१४	र.	१३/४६	पू.	३६/५९	गं.	३७/४७	व.	१३/४६	वि.	३८/५२	२७	१२	१०	मीन २३/५०	०६/०३	०५/५७	२९/४४	भ. १३/४६ उ.म. ३८/५२ या. हस्ते रवि २७/४८ पूर्णिमाव्रतपुंण्यञ्च महालय श्राद्धम् अनन्त चतुर्दशी व्रतम्
१५	चं.	०३/५७ ४६/५६	उ.	२८/४९	वृ.	२६/४८	व.	०३/५७	वा.	२८/५५ ५३/५३	२८	१३	११	मीन	०६/०४	०५/५६	२९/४०	स्नानदानादौपूर्णिमा प्रतिपद्श्राद्धम्

पं. २५ तिथि ८ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०५	०४	०५	०४	०३	०७	०५	०५
०३	०३	२०	१४	२४	०६	०६	०६
५२	३८	५५	५२	१६	१५	५५	५५
२६	२८	१२	२८	४८	१०	५२	५२
५८	३८	२३	१३	३१	०४	०३	०३
३७	५६	१५	२०	५८	५०	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	चं.	०७	१५	०९	१४	१२	१२	०१	०८	०३	०५	०५	५१	०७	५२	०९	३८	११	५७	०२	४५	०३	३६	०५	३६
२	मं.	०७	११	०९	१०	१२	०८	०१	०४	०३	०१	०५	४७	०७	४८	०९	३४	११	५३	०२	४१	०३	३२	०५	३२
३	बु.	०७	०७	०९	०६	१२	०४	१२	५८	०२	५७	०५	४३	०७	४४	०९	३०	११	४९	०२	३७	०३	२८	०५	२८
४	बृ.	०७	०३	०९	०२	१२	००	१२	५४	०२	५३	०५	३९	०७	४०	०९	२६	११	४५	०२	३३	०३	२४	०५	२४
५	शु.	०६	५९	०८	५८	११	५६	१२	५०	०२	४९	०५	३५	०७	३६	०९	२२	११	४१	०२	२९	०३	२०	०५	२०
६	श.	०६	५५	०८	५४	११	५२	१२	४६	०२	४५	०५	३१	०७	३२	०९	१८	११	३७	०२	२५	०३	१६	०५	१६
७	र.	०६	५१	०८	५०	११	४८	१२	४२	०२	४१	०५	२७	०७	२८	०९	१४	११	३३	०२	२१	०३	१२	०५	१२
८	चं.	०६	४७	०८	४६	११	४४	१२	३८	०२	३७	०५	२३	०७	२४	०९	१०	११	२९	०२	१७	०३	०८	०५	०८
९	मं.	०६	४३	०८	४२	११	४०	१२	३४	०२	३३	०५	१९	०७	२०	०९	०६	११	२५	०२	१३	०३	०४	०५	०४
१०	बु.	०६	३९	०८	३८	११	३६	१२	३०	०२	२९	०५	१५	०७	१६	०९	०२	१०	२१	०२	०९	०३	००	०५	००
११	बृ.	०६	३५	०८	३४	११	३२	१२	२६	०२	२५	०५	११	०७	१२	०८	५८	१०	१७	०२	०५	०२	५६	०४	५६
१२	शु.	०६	३१	०८	३०	११	२८	१२	२२	०२	२१	०५	०७	०७	०८	०८	५४	१०	१३	०२	०१	०२	५२	०४	५२
१३	श.	०६	२७	०८	२६	११	२४	१२	१८	०२	१७	०५	०३	०७	०४	०८	५०	१०	०९	०१	५७	०२	४८	०४	४८
१४	र.	०६	२४	०८	२३	११	२१	१२	१५	०२	१४	०५	००	०७	००	०८	४७	१०	०६	०१	५४	०२	४५	०४	४५
१५	चं.	०६	२०	०८	१९	११	१७	१२	११	०२	१०	०४	५६	०६	५७	०८	४३	१०	०२	०१	५०	०२	४१	०४	४१

पं. २६ तिथि १५ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०५	०४	०५	०४	०३	०७	०५	११
०९	०७	१५	१६	२७	०६	०६	०६
४५	३०	३९	१५	४५	४०	३८	३८
४५	५६	३५	५०	३५	५०	४२	४२
५८	३२	८०	१३	४०	०५	०३	०३
५१	३५	३०	०८	४७	१६	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ आश्विन कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	ता. २६ सितम्बरतः १२ अक्टूबर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने शरदर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
२	मं.	४४/३४	रे.	२१/०१	ध्रु.	१५/४५	तै.	१६/१४	ग.	४४/३४	२६	१४	१२	मेष २१/०१	०६/०५	०५/५५	२९/३६	पञ्चकसमाप्ति २१/०१ या. द्वितीयाश्राद्धम्
३	बु.	३६/१०	अ.	१३/१६	व्या.	०५/५० ५५/२६	व.	१०/१६	वि.	३६/१०	३०	१५	१३	मेष	०६/०६	०५/५४	२९/३२	भ. १०/१६ उ.म. ३६/१० या. पू.फा. गुरू २०/५८ तृतीयाश्राद्धम्
४	वृ.	२९/०७	म.	०८/००	व.	४७/०७	व.	०२/४१	वा.	२९/४० ५६/३६	०१	१६	१४	वृष २३/५६	०६/०६	०५/५४	२९/२८	मघासिंहे शुक्रः ०१/४१ चतुर्थीव्रतम् चतुर्थी श्राद्धम्
५	शु.	२४/१०	कृ.	०३/४७	सि.	४०/०२	तै.	२४/१०	ग.	५२/३७	०२	१७	१५	वृष	०६/०७	०५/५३	२९/२३	गांधीजयन्ती पंचमी श्राद्धम्
६	श.	२१/०४	रो.	०१/५०	व्य.	३४/३५	व.	२१/०४	वि.	५०/३५	०३	१८	१६	मिथुन ३१/१६	०६/०८	०५/५२	२९/१६	भ. २१/०४ उ.म. ५०/३५ या. वक्री उ.फा. बुधः ३४/४५ षष्ठी श्राद्धम्
७	र.	२०/०५	मृ.	०१/०४	व.	३०/५१	व.	२०/०५	वा.	५०/३६	०४	१९	१७	मिथुन	०६/०९	०५/५२	२९/१५	सप्तमीश्राद्धम् जीवितपुत्रिका व्रतम् महालक्ष्मीपूजनम्
८	चं.	२१/१३	आ.	०२/४०	प.	२८/१६	कौ.	२१/१३	तै.	५२/३२	०५	२०	१८	कर्क ५०/१६	०६/१०	०५/५०	२९/११	अशोकाष्टमी अष्टमीश्राद्धम्
९	मं.	२३/५०	पु.	०६/०८	शि.	२७/५८	ग.	२३/५०	व.	५५/५६	०६	२१	१९	कर्क	०६/११	०५/४९	२९/०७	भ. ५५/५६ उ. मातृनवमी सौभाग्यवतीनांश्राद्धम्
१०	बु.	२८/०३	पु.	११/१२	सि.	२८/२६	वि.	२८/०३	व.	६०/००	०७	२२	२०	कर्क	०६/११	०५/४९	२९/०३	भ. २८/०३ या. पू.फा. भौम ००/५६ दशमीश्राद्धम् पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
११	वृ.	३३/१४	श्ले.	१७/२६	सा.	२९/३८	व.	००/३४	वा.	३३/१४	०८	२३	२१	सिंह १७/२६	०६/१२	०५/४८	२८/५९	बुधोदयः पूर्वस्यां ०१/३८ इन्दिरा एकादशीव्रतम्
१२	शु.	३९/२५	म.	२४/४०	शु.	३१/५४	कौ.	०६/२५	तै.	३९/२५	०९	२४	२२	सिंह	०६/१३	०५/४७	२८/५५	मार्गी बुधः ४६/२४ सन्यासीनांश्राद्धम्
१३	श.	४५/४६	पू.	३१/५५	शु.	३३/५६	ग.	१२/३५	व.	४५/४६	१०	२५	२३	कन्या ४८/५०	०६/१४	०५/४६	२८/५१	भ. ४५/४६ उ. चित्रा रवि ५६/५० प्रदोषव्रतम्
१४	र.	५१/५५	उ.	३९/५५	वृ.	३६/२५	वि.	१८/५२	श.	५१/५५	११	२६	२४	कन्या	०६/१५	०५/४५	२८/४७	भ. १८/५२ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धम् मासशिवरात्रिव्रतम्
३०	चं.	५८/०६	ह.	४७/०४	ऐ.	३८/४३	च.	२५/०२	ना.	५८/०६	१२	२७	२५	कन्या	०६/१५	०५/४५	२८/४३	देवपितृकार्येऽमावस्या पितृविसर्जनम् सर्वपितृ श्राद्धम्

पं. २७ तिथि ८ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०५	०४	०५	०४	०४	०७	०५	०५
१७	१२	०९	१७	०३	०७	०६	०६
४२	१३	०३	४६	१७	२५	११	११
१८	१७	०७	३६	५०	२९	२१	२१
५९	३८	४३	१२	४७	०५	०३	०३
०८	५७	२२	४३	३२	४२	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

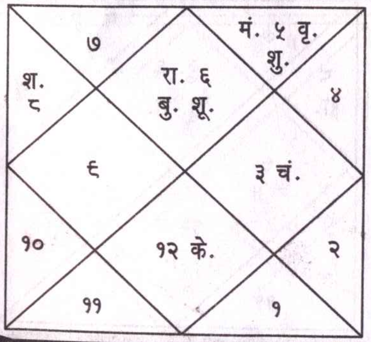

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	मं.	०६	१६	०८	१५	११	१३	१२	०७	०२	०६	०४	५२	०६	५३	०८	३९	१०	५८	०१	४६	०२	३७	०४	३७
३	बु.	०६	१२	०८	११	११	०९	१२	०३	०२	०२	०४	५८	०६	४९	०८	३५	१०	५४	०१	४२	०२	३३	०४	३३
४	वृ.	०६	०८	०८	०७	११	०५	११	५९	०१	५८	०४	४४	०६	४५	०८	३१	१०	५०	०१	३८	०२	२९	०४	२९
५	शु.	०६	०४	०८	०३	११	०१	११	५५	०१	५४	०४	४०	०६	४१	०८	२७	१०	४६	०१	३४	०२	२५	०४	२५
६	श.	०६	००	०७	५९	१०	५७	११	५१	०१	५०	०४	३६	०६	३७	०८	२३	१०	४२	०१	३०	०२	२१	०४	२१
७	र.	०५	५६	०७	५५	१०	५३	११	४७	०१	४६	०४	३२	०६	३३	०८	१९	१०	३८	०१	२६	०२	१७	०४	१७
८	चं.	०५	५२	०७	५१	१०	४९	११	४३	०१	४२	०४	२८	०६	२९	०८	१५	१०	३४	०१	२२	०२	१३	०४	१३
९	मं.	०५	४८	०७	४७	१०	४५	११	३९	०१	३८	०४	२४	०६	२५	०८	११	१०	३०	०१	१८	०२	०९	०४	०९
१०	बु.	०५	४४	०७	४३	१०	४१	११	३५	०१	३४	०४	२०	०६	२१	०८	०७	१०	२६	०१	१४	०२	०५	०४	०५
११	वृ.	०५	४०	०७	३९	१०	३७	११	३१	०१	३०	०४	१६	०६	१७	०८	०३	१०	२२	०१	१०	०२	०१	०४	०१
१२	शु.	०५	३६	०७	३५	१०	३३	११	२७	०१	२६	०४	१२	०६	१३	०७	५९	१०	१८	०१	०६	०१	५७	०३	५७
१३	श.	०५	३२	०७	३१	१०	२९	११	२३	०१	२२	०४	०८	०६	०९	०७	५५	१०	१४	०१	०२	०१	५३	०३	५३
१४	र.	०५	२८	०७	२७	१०	२५	११	१९	०१	१८	०४	०४	०६	०५	०७	५१	१०	१०	१२	५८	०१	४९	०३	४९
३०	चं.	०५	२४	०७	२३	१०	२१	११	१५	०१	१४	०४	००	०६	०१	०७	४७	१०	०६	१२	५४	०१	४५	०३	४५

पं. २८ तिथि ३० चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०५	०४	०५	०४	०४	०७	०५	११
२४	१६	०८	१९	०९	०८	०५	०५
३५	५२	०२	०४	१८	०२	४९	४९
१०	१४	१५	३०	११	०५	०६	०६
५९	३८	४३	१२	५२	०६	०३	०३
२०	२०	२९	१८	३०	०६	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

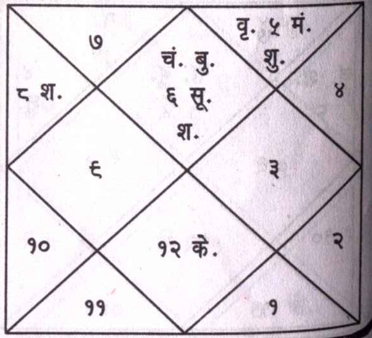

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ आश्विन शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख १३ अक्टूबरतः २७ अक्टूबर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने शरदऋतुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	मं.	६०/००	चि.	५४/१४	वै.	४०/४५	कि.	३०/५८	व.	६०/००	१३	२८	२६	तुला २०/३६	०६/१६	०५/४४	२८/३६	शारदीय नवरात्रारम्भः घटस्थापनं अग्रसेनजयन्ती मातामहश्राद्धम्
१	बु.	०३/५१	स्वा.	६०/००	वि.	४२/३८	व.	०३/५१	व.	३६/२३	१४	२६	२७	तुला	०६/१७	०५/४३	२८/३५	चन्द्रदर्शनम्
२	वृ.	०८/५५	स्वा.	००/५७	प्री.	४३/४४	कौ.	०८/५५	तै.	४१/०३	१५	०१	२८	वृश्चिक ५०/१८	०६/१८	०५/४२	२८/३१	हस्तेबुधः ५८/०८ मोहर्रम १ ह. सन् १४३७
३	शु.	१३/१०	वि.	०६/४५	आ.	४४/१०	ग.	१३/१०	व.	४४/४५	१६	०२	२६	वृश्चिक	०६/१६	०५/४१	२८/२७	भ. ४४/४५ उ.
४	श.	१६/२०	अ.	११/३२	सौ.	४३/३८	वि.	१६/२०	व.	४७/२५	१७	०३	३०	वृश्चिक	०६/१६	०५/४१	२८/२३	भ. १६/२० या. तुलायांऽर्क ४३/३६
५	र.	१८/३०	ज्ये.	१५/२८	शो.	४२/४५	वा.	१८/३०	कौ.	४८/५६	१८	०४	०१	धनु १५/२८	०६/२०	०५/४०	२८/२०	उपाललिताव्रतम् ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानं
६	चं.	१६/२१	मू.	१८/०४	अ.	४०/४०	तै.	१६/२१	ग.	४६/०३	१६	०५	०२	धनु	०६/२१	०५/३६	२८/१६	मूलेरोगविमुक्तस्नानं
७	मं.	१८/४५	पू.	१६/२१	सु.	३७/१३	व.	१८/४५	वि.	४७/४६	२०	०६	०३	मकर ३४/१६	०६/२२	०५/३८	२८/१२	भ. १८/४५ उ.म. ४७/४६ या.
८	बु.	१६/४७	उ.	१६/१५	धृ.	३२/४५	व.	१७/४७	वा.	४४/५५	२१	०७	०४	मकर	०६/२२	०५/३८	२८/०८	महाष्टमीव्रतम् सरस्वती पूजनम् शास्त्रादिपूजाबलिदानम्
९	वृ.	१३/०८	श्र.	१७/२२	शू.	२६/५२	कौ.	१३/०२	तै.	४०/३१	२२	०८	०५	कुम्भ ४५/४३	०६/२३	०५/३७	२८/०४	पञ्चकारम्भः १७/२२ उ. श्रवणे सर्वदिग्गमनमुहूर्तः
१०	शु.	०८/०२	ध.	१४/०३	गं.	१९/५०	ग.	०८/०२	व.	३४/४५	२३	०९	०६	कुम्भ	०६/२४	०५/३६	२८/००	भ. ३४/४५ उ.मा. कार्तिकारम्भः विजयदशमीपूजा
११	श.	०१/२८ ५२/१२	श.	०९/२२	वृ.	११/४७	वि.	०१/२८	व.	२७/३४ ५३/४०	२४	१०	०७	मीन ४९/५८	०६/२५	०५/३५	२७/५६	भ. ०१/२८ या. स्वात्यांरवि पापांकुशाएकादशीव्रतम्
१३	र.	४४/५८	पू.	०३/५३ ३०/०७	धु.	०२/४६ ३१/५२	कौ.	१९/१९	तै.	४४/५८	२५	११	०८	मीन	०६/२५	०५/३५	२७/५३	चित्राबुधः ३८/१९ प्रदोषव्रतम्
१४	चं.	३५/३४	रे.	४९/०६	ह.	४१/४९	ग.	१०/१६	व.	३५/३४	२६	१२	०९	मेष ४९/०६	०६/२६	०५/३४	२७/४९	भ. ३५/३४ उ. शरदपूर्णिमाव्रतपुण्यंच रोजमर्राव्रतम् पञ्चकसमाप्ति ४९/०६ या.
१५	मं.	२६/०१	अ.	४१/४१	व.	३१/०६	वि.	००/४७	व.	२६/०७ ५१/३७	२७	१३	१०	मेष	०६/२७	०५/३३	२७/४५	भ. ००/४७ या. स्नानदानादौ पूर्णिमा कार्तिकस्नानारम्भः शरदपूर्णिमा

पं. २९ तिथि ८ बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	पु.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०६	०४	०५	०४	०४	०७	०५	११
०३	२१	१६	२०	१७	०८	०५	०५
३०	५५	२१	४४	३२	५१	१६	१६
५०	४०	३१	३३	४०	०८	४५	४५
५९	३८	८३	११	५६	०६	०३	०३
३५	१६	५३	५६	४५	२६	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	मं.	०५	२०	०७	१९	१०	१७	११	११	०१	१०	०३	५६	०५	५७	०७	४३	१०	०२	१२	५०	०१	४१	०३	४१
१	बु.	०५	१६	०७	१५	१०	१३	११	०७	०१	०६	०३	५२	०५	५३	०७	३९	०९	५८	१२	४६	०१	३७	०३	३७
२	वृ.	०५	१२	०७	११	१०	०९	११	०३	०१	०२	०३	४८	०५	४९	०७	३५	०९	५४	१२	४२	०१	३३	०३	३३
३	शु.	०५	०८	०७	०७	१०	०५	१०	५९	१२	५८	०३	४४	०५	४५	०७	३१	०९	५०	१२	३८	०१	२९	०३	२९
४	श.	०५	०४	०७	०३	१०	०१	१०	५५	१२	५४	०३	४०	०५	४१	०७	२७	०९	४६	१२	३४	०१	२५	०३	२५
५	र.	०५	००	०६	५९	०९	५७	१०	५१	१२	५०	०३	३६	०५	३७	०७	२३	०९	४२	१२	३०	०१	२१	०३	२१
६	चं.	०४	५७	०६	५६	०९	५४	१०	४८	१२	४७	०३	३३	०५	३४	०७	२०	०९	३९	१२	२७	०१	१८	०३	१८
७	मं.	०४	५३	०६	५२	०९	५०	१०	४४	१२	४३	०३	२९	०५	३०	०७	१६	०९	३५	१२	२३	०१	१४	०३	१४
८	बु.	०४	४९	०६	४८	०९	४६	१०	४०	१२	३९	०३	२५	०५	२६	०७	१२	०९	३१	१२	१९	०१	१०	०३	१०
९	वृ.	०४	४५	०६	४४	०९	४२	१०	३६	१२	३५	०३	२१	०५	२२	०७	०८	०९	२७	१२	१५	०१	०६	०३	०६
१०	शु.	०४	४१	०६	४०	०९	३८	१०	३२	१२	३१	०३	१७	०५	१८	०७	०४	०९	२३	१२	११	०१	०२	०३	०२
११	श.	०४	३७	०६	३६	०९	३४	१०	२८	१२	२७	०३	१३	०५	१४	०७	००	०९	१९	१२	०७	१२	५८	०२	५८
१३	र.	०४	३३	०६	३२	०९	३०	१०	२४	१२	२३	०३	०९	०५	१०	०६	५६	०९	१५	१२	०३	१२	५४	०२	५४
१४	चं.	०४	२९	०६	२८	०९	२६	१०	२०	१२	१९	०३	०५	०५	०६	०६	५२	०९	११	११	५९	१२	५०	०२	५०
१५	मं.	०४	२५	०६	२४	०९	२२	१०	१६	१२	१५	०३	०१	०५	०२	०६	४८	०९	०७	११	५५	१२	४६	०२	४६

पं. ३० तिथि १५ भौमे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०६	०४	०५	०४	०४	०७	०५	११
०९	२५	२५	२१	२३	०९	०४	०४
२९	४०	५८	५०	०४	३३	५९	५९
४२	३४	२६	५३	३४	००	२९	२९
५९	३७	६७	११	५९	०६	०३	०३
४७	५२	२२	१७	५५	३८	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

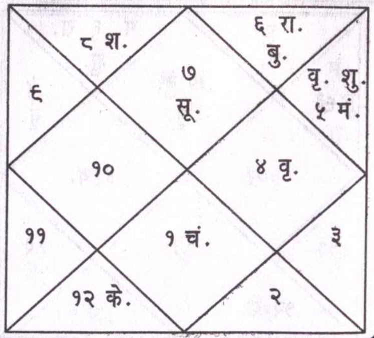

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ कार्तिक कृष्ण पक्षः

ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	तारीख अं.	तारीख फा.	तारीख बं.	चन्द्रमा घ. प.	सू. उ. घं मि.	सू. अ. घं मि.	दिनम् घं प.	तारीख २८ अक्टूबरतः ११ नवम्बर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने हेमन्तर्तुः।
१	बु.	१७/१२	म.	३४/५०	सि.	२०/५०	कौ.	१७/१२	तै.	४३/१७	२८	१४	११	वृष ४८/२३	०६/२८	०५/३२	२७/४१	उ.फा. भौम ५०/११ बुधास्त पूर्वस्यां ०५/११
२	वृ.	०६/२१	कृ.	२६/००	व्य.	११/०६	ग.	०६/२१	व.	३६/०८	२९	१५	१२	वृष	०६/२९	०५/३१	२७/३७	भ. ३६/०८ उ. तुलायांबुधः ४४/४८
३	शु.	०२/५५ ५५/२२	रो.	२४/५६	व.	०२/५३ ३२/०४	वि.	०२/५५	व.	४०/३६ ५८/१७	३०	१६	१३	मिथुन ५३/४७	०६/२९	०५/३१	२७/३४	भ. ०२/५५ या. उ.फा. शुक्र ४८/५१ करकचतुर्थी (करवा चौथ)
५	श.	५५/५८	मृ.	२२/३९	शि.	४९/५५	कौ.	२७/०७	तै.	५६/३०	३१	१७	१४	मिथुन	०६/३०	०५/३०	२७/३०	अनु. शनि ३०/१०
६	र.	५५/४९	आ.	२२/३२	सि.	४६/१३	ग.	२५/५३	व.	५५/४९	०१	१८	१५	मिथुन	०६/३१	०५/२९	२७/२७	भ. ५५/४९ या. स्कन्धषष्ठी
७	चं.	५७/४१	पु.	२४/३१	सा.	४४/०१	वि.	२६/४५	व.	५७/४१	०२	१९	१६	कर्क ०९/०१	०६/३१	०५/२९	२७/२३	भ. २६/४५ या. स्वात्यांबुधः ४१/५३
८	मं.	६०/००	पु.	२८/२७	शु.	४२/४६	वा.	२९/३४	कौ.	६०/००	०३	२०	१७	कर्क	०६/३२	०५/२८	२७/१९	कन्यायां शुक्रः ०१/२५ कन्यांभौम १२/४६ पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
८	बु.	०१/२७	श्ले.	३४/०१	शु.	४४/११	कौ.	०१/२७	तै.	३३/४६	०४	२१	१८	सिंह ३४/०१	०६/३३	०५/२७	२७/१६	पू.फा. गुरू ५०/३०
९	वृ.	०६/०५	म.	४१/४९	ब्र.	४५/१३	ग.	०६/०५	व.	३९/२५	०५	२२	१९	सिंह	०६/३४	०५/२६	२७/१२	भ. ३९/२५ उ.
१०	शु.	१२/४६	पू.	४८/०७	ऐ.	४७/५८	वि.	१२/४६	व.	४५/२८	०६	२३	२०	सिंह	०६/३४	०५/२६	२७/०९	भ. १२/४६ या. विशा. रवि ४५/००
११	श.	१९/०६	उ.	५५/५२	वै.	५०/२५	वा.	१९/०६	कौ.	४७/२५	०७	२४	२१	कन्या ०५/०३	०६/३५	०५/२५	२७/०५	रमा एकादशीव्रतम्
१२	र.	२५/४२	ह.	६०/००	वि.	५२/५२	तै.	२५/४२	ग.	५३/४७	०८	२५	२२	कन्या	०६/३६	०५/२४	२७/०२	गोवत्स द्वादशी
१३	चं.	३१/५३	ह.	०३/२२	प्री.	५४/४४	व.	३१/५२	वि.	६०/००	०९	२६	२३	तुला ३६/५३	०६/३६	०५/२४	२६/५८	प्रदोषव्रतम् धनत्रयोदशी धनवन्तरिजयन्ती भ. ४१/५२ उ. मासशिवरात्रिव्रतम्
१४	मं.	३७/२५	चि.	१०/२५	आ.	५६/२१	वि.	०४/३९	श.	३७/२५	१०	२७	२४	तुला	०६/३७	०५/२३	२६/५५	भ. ०४/३९ या. वि. बुधः रूपचतुर्दशी (नरकचतुर्दशी)
३०	बु.	४२/०९	स्वा.	१६/४६	सौ.	५७/०५	च.	०९/४०	ना.	४२/०९	११	२८	२५	तुला	०६/३८	०५/२२	२६/५२	देवपितृकार्येऽमावस्या दीपावली महोत्सव महालक्ष्मी कुबेरादि पूजनम्

पं. ३१ तिथि ८ भौमे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०६	०५	०६	०४	०५	०७	०५	११
१६	००	०७	२३	००	१०	०४	०४
२९	०१	३६	०३	१४	१९	३७	३७
२८	५२	४७	११	५३	०८	१४	१४
६०	३७	१००	१०	६२	०६	०३	०३
०४	३६	३५	३९	१९	५६	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

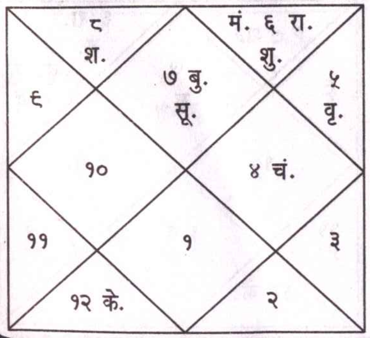

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	बु.	०४	२१	०६	२०	०९	१८	१०	१२	१२	११	०२	५७	०४	५८	०६	४४	०९	०३	११	५१	१२	४२	०२	४६
२	वृ.	०४	१७	०६	१६	०९	१४	१०	०८	१२	०७	०२	५३	०४	५४	०६	४०	०८	५९	११	४७	१२	३८	०२	३८
३	शु.	०४	१३	०६	१२	०९	१०	१०	०४	१२	०३	०२	४९	०४	५०	०६	३६	०८	५५	११	४३	१२	३४	०२	३४
५	श.	०४	०९	०६	०८	०९	०६	१०	००	११	५९	०२	४५	०४	४६	०६	३२	०८	५१	११	३९	१२	३०	०२	३०
६	र.	०४	०५	०६	०४	०९	०२	०९	५६	११	५५	०२	४१	०४	४२	०६	२८	०८	४७	११	३५	१२	२६	०२	२६
७	चं.	०४	०१	०६	००	०८	५८	०९	५२	११	५१	०२	३७	०४	३८	०६	२४	०८	४३	११	३१	१२	२२	०२	२२
८	मं.	०३	५७	०५	५६	०८	५४	०९	४८	११	४७	०२	३३	०४	३४	०६	२०	०८	३९	११	२७	१२	१८	०२	१८
८	बु.	०३	५३	०५	५२	०८	५०	०९	४४	११	४३	०२	२९	०४	३०	०६	१६	०८	३५	११	२३	१२	१४	०२	१४
९	वृ.	०३	४९	०५	४८	०८	४६	०९	४०	११	३९	०२	२५	०४	२६	०६	१२	०८	३१	११	१९	१२	१०	०२	१०
१०	शु.	०३	४५	०५	४४	०८	४२	०९	३६	११	३५	०२	२१	०४	२२	०६	०८	०८	२७	११	१५	१२	०६	०२	०६
११	श.	०३	४२	०५	४१	०८	३९	०९	३२	११	३२	०२	१८	०४	१९	०६	०५	०८	२४	११	१२	१२	०३	०२	०३
१२	र.	०३	३८	०५	३७	०८	३५	०९	२९	११	२८	०२	१४	०४	१५	०६	०१	०८	२०	११	०८	११	५९	०१	५९
१३	चं.	०३	३४	०५	३३	०८	३१	०९	२५	११	२४	०२	१०	०४	११	०५	५७	०८	१६	१	०४	११	५५	०१	५५
१४	मं.	०३	३०	०५	२९	०८	२७	०९	२१	११	२०	०२	०६	०४	०७	०५	५३	०८	१२	११	००	११	५१	०१	५१
३०	बु.	०३	२६	०५	२५	०८	२३	०९	१७	११	१६	०२	०२	०४	०३	०५	४९	०८	०८	१०	५६	११	४७	०१	४७

पं. ३२ तिथि ३० बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०६	०५	०६	०४	०५	०७	०५	११
२४	०४	२०	२४	०८	११	०४	०४
३०	३०	२७	१५	३३	०९	१०	१०
५०	५५	४४	३३	४३	०८	५५	५५
६०	३७	१०१	०९	६४	०७	०३	०३
१८	२२	०५	५४	१३	०८	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

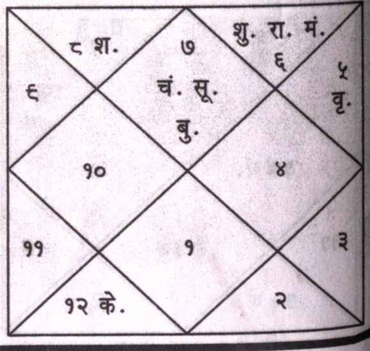

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ कार्तिक शुक्ल पक्षः												तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू.अ.	दिनम्	तारीख १२ नवम्बरतः २५ नवम्बर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने हेमन्तर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	वृ.	४५/२५	वि.	२१/५९	शो.	५६/५८	कि.	१३/४७	व.	४५/२५	१२	२९	२६	वृश्चिक ०५/४१	०६/३८	०५/२२	२६/४६	हस्तेशुक्रः २२/५२ अन्नकूट गोवर्धनपूजा
२	शु.	४७/४३	अ.	२६/३४	अ.	५६/११	वा.	१६/३४	कौ.	४७/४३	१३	३०	२७	वृश्चिक	०६/३९	०५/२१	२६/४५	अस्तंशने १२/०० चन्द्रदर्शनम् भ्रातृद्वितीया भैयादूज चित्रगुप्तपूजा
३	श.	४९/१३	ज्ये.	२९/५४	सु.	५४/३४	तै.	१८/२८	ग.	४९/१३	१४	०१	२८	धनु २९/५४	०६/४०	०५/२०	२६/४२	सफर २ बाल दिवस नेहरूजयन्ती ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानं
४	र.	४९/३५	मू.	३२/०७	धृ.	५१/५६	व.	१९/२४	वि.	४९/३५	१५	०२	२९	धनु	०६/४०	०५/२०	२६/३९	म. १९/२४ उ.म. ४९/३५ या. मूलेरोगविमुक्तस्नानं
५	चं.	४८/५२	पू.	३२/२७	शू.	४८/४६	व.	१९/१४	वा.	४८/५२	१६	०३	३०	मकर ४८/३२	०६/४१	०५/१९	२६/३६	वृश्चिकेऽर्क ४२/१२
६	मं.	४७/०८	उ.	३३/२८	गं.	४४/४३	कौ.	१८/००	तै.	४७/०८	१७	०४	०१	मकर	०६/४१	०५/१९	२६/३३	वृश्चिकेबुधः ०१/०७
७	बु.	४४/१५	श्र.	३२/४८	वृ.	३९/४५	ग.	१५/४१	व.	४४/१५	१८	०५	०२	मकर	०६/४२	०५/१८	२६/३०	भ. १४/१५ उ. श्रवणेसर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः ३२/४८ उ.
८	वृ.	४०/२८	ध.	३०/५७	ध्रु.	३३/५८	वि.	१२/२२	व.	४०/२८	१९	०६	०३	कुम्भ ०१/५२	०६/४३	०५/१७	२६/२७	भ. १२/२२ अनु बुधः ००/१५ हस्ते भौम ४५/४३ गोपाष्टमी
९	शु.	३५/४८	श.	२८/०४	व्या.	२७/१६	वा.	०८/०८	कौ.	३५/४८	२०	०७	०४	कुम्भ	०६/४३	०५/१७	२६/२५	अनु. रवि ००/३२ अक्षयनवमी
१०	श.	२९/५९	पू.	२४/१९	ह.	१९/४५	तै.	०२/५३	ग.	२९/४७ ५६/४१	२१	०८	०५	मीन १०/१७	०६/४४	०५/१६	२६/२२	भ. ५६/४१ उ.
११	र.	२३/२३	उ.	१९/३०	व.	११/२६	वि.	२३/२३	व.	४९/३७	२२	०९	०६	मीन	०६/४४	०५/१६	२६/१९	भ. २३/२३ या. मार्गशीर्षारम्भः प्रबोधिनी एकादशीव्रतम् तुलसी विवाह देवोत्थापनेचातुर्मासा व्रतसमाप्ति भीष्मपञ्चकारम्भः
१२	चं.	१५/४९	रे.	१३/५२	सि.	०२/५० ३४/३६	वा.	१५/४९	कौ.	४१/५२	२३	१०	०७	मेष १३/५२	०६/४५	०५/१५	२६/१७	प्रदोषव्रतम् पञ्चकसमाप्ति १३/५२ या.
१३	मं.	०७/५२	अ.	०७/५२	व.	४३/४३	तै.	०७/५२	ग.	३३/५७	२४	११	०८	मेष	०६/४५	०५/१५	२६/१४	चित्राशुक्रः १४/४२ बैकुण्ठ चतुर्दशी
१४	बु.	००/०१ ५२/३२	म.	०२/५३ १७/५७	प.	३४/२०	व.	००/०१	वि.	२६/१७ ५२/३२	२५	१२	०९	वृष १५/४६	०६/४६	०५/१४	२६/१२	भ. ००/०१ उ.म. २६/१७ या. स्नानदानादौ व्रतादौ पूर्णिमा कार्तिक व्रतोद्यापनं नानक जयन्ती कार्तिक स्नानंपूर्ति भीष्मपञ्चकसमाप्ति

पं. ३३ तिथि ८ गुरौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०७	०५	०७	०४	०५	०७	०५	११
०२	०९	०४	२५	१७	१२	०३	०३
३३	३७	२०	२२	२५	०९	४२	४२
२९	४४	३८	३६	४०	३०	४०	४०
६०	३६	१००	०९	६५	०७	०३	०३
३२	५५	२५	०६	५६	१६	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा.		दिवा.		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	वृ.	०३	२२	०५	२१	०८	१९	०९	१३	११	१२	०१	५८	०३	५९	०५	४५	०८	०४	१०	५२	११	४३	०१	४३
२	शु.	०३	१८	०५	१७	०८	१५	०९	०९	११	०८	०१	५४	०३	५५	०५	४१	०८	००	१०	४८	११	३९	०१	३९
३	श.	०३	१४	०५	१३	०८	११	०९	०५	११	०४	०१	५०	०३	५१	०५	३७	०७	५६	१०	४४	११	३५	०१	३५
४	र.	०३	१०	०५	०९	०८	०७	०९	०१	११	००	०१	४६	०३	४७	०५	३३	०७	५२	१०	४०	११	३१	०१	३१
५	चं.	०३	०६	०५	०५	०८	०३	०८	५७	१०	५६	०१	४२	०३	४३	०५	२९	०७	४८	१०	३६	११	२७	०१	२७
६	मं.	०३	०२	०५	०१	०७	५९	०८	५३	१०	५२	०१	३८	०३	३९	०५	२५	०७	४४	१०	३२	११	२३	०१	२३
७	बु.	०२	५८	०४	५७	०७	५५	०८	४०	१०	४८	०१	३४	०३	३५	०५	२१	०७	४०	१०	२८	११	१९	०१	१९
८	वृ.	०२	५४	०४	५३	०७	५१	०८	४५	१०	४४	०१	३०	०३	३१	०५	१७	०७	३६	१०	२४	११	१५	०१	१५
९	शु.	०२	५०	०४	४९	०७	४७	०८	४१	१०	४०	०१	२६	०३	२७	०५	१३	०७	३२	१०	२०	११	११	०१	११
१०	श.	०२	४६	०४	४५	०७	४३	०८	३७	१०	३६	०१	२२	०३	२३	०५	०९	०७	२८	१०	१६	११	०७	०१	०७
११	र.	०२	४३	०४	४२	०७	४०	०८	३४	१०	३३	०१	१९	०३	२०	०५	०६	०७	२५	१०	१३	११	०४	०१	०४
१२	चं.	०२	३९	०४	३८	०७	३६	०८	३०	१०	२९	०१	१५	०३	१६	०५	०२	०७	२१	१०	०९	११	००	०१	००
१३	मं.	०२	३५	०४	३४	०७	३२	०८	२६	१०	२५	०१	११	०३	१२	०४	५८	०७	१७	१०	०५	१०	५६	१२	५६
१४	बु.	०२	३१	०४	३०	०७	२८	०८	२२	१०	२१	०१	०७	०३	०८	०४	५४	०७	१३	१०	०१	१०	५२	१२	५२

पं. ३४ तिथि १४ बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०७	०५	०७	०४	०५	०७	०५	११
०९	१३	१५	२६	२५	१२	०३	०३
३८	०७	५७	२३	२०	५४	२०	२०
३६	२६	२२	३०	२८	४०	२७	२७
६०	३६	०९	०८	६७	०७	०३	०३
४४	३२	१४	११	२८	२०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

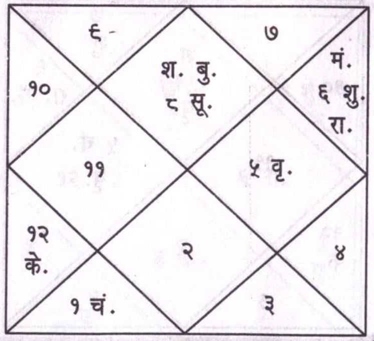

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनमू	तारीख २६ नवम्बरतः ११ दिसम्बर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने हेमन्तर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	वृ.	४६/१०	रो.	५१/३३	शि.	२५/४३	वा.	१९/२२	कौ.	४६/१०	२६	१३	१०	वृष	०६/४६	०५/१४	२६/०६	
२	शु.	४१/०४	मृ.	४८/१२	सि.	१७/४७	तै.	१३/३७	ग.	४१/०४	२७	१४	११	मिथुन १९/५२	०६/४७	०५/१३	२६/०७	ज्येष्ठायां बुधः २३/५२ उ.फा. राहू पू.या. केतु ३२/०५
३	श.	३७/५२	आ.	४६/४०	सा.	११/०६	व.	१९/२८	वि.	३७/५२	२८	१५	१२	मिथुन	०६/४७	०५/१३	२६/०५	भ. ०६/२८ उ.म. ३७/५२ या. उ.फा. गुरू ४३/४७
४	र.	३६/३७	पु.	४७/१५	शु.	०५/५६	व.	०७/१४	वा.	३६/३७	२९	१६	१३	कर्क ३२/०७	०६/४८	०५/१२	२६/०२	अनु. शनि १५/४४ चतुर्थीव्रतम् सौभाग्य सुन्दरीव्रतम्
५	चं.	३७/२१	पु.	४६/३४	शु.	०२/२६	कौ.	०६/५६	तै.	३७/२१	३०	१७	१४	कर्क	०६/४८	०५/१२	२६/००	तुलायांशुक्रः ०१/२३
६	मं.	४०/१०	श्ले.	५३/५२	ब्र.	००/४६	ग.	०८/४६	व.	४०/१०	०१	१८	१५	सिंह ५३/५२	०६/४८	०५/१२	२५/५८	भ. ४०/१० उ. पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
७	बु.	४४/३९	म.	५६/४४	ऐ.	००/०५	वि.	१२/२६	व.	४४/३९	०२	१९	१६	सिंह	०६/४९	०५/११	२५/५६	भ. १२/२६ या.
८	वृ.	५०/५८	पू.	६०/००	वै.	००/५४	वा.	१७/५०	कौ.	५०/५८	०३	२०	१७	सिंह	०६/४९	०५/११	२५/५४	ज्येष्ठायां रवि १०/३९ कालभैरवाष्टमी
९	शु.	५६/४९	पू.	०६/४९	वि.	०२/४०	तै.	२३/४४	ग.	५६/५८	०४	२१	१८	कन्या २३/४१	०६/४९	०५/११	२५/५३	
१०	श.	६०/००	उ.	१४/१८	प्री.	०४/४९	व.	३०/०६	वि.	६०/००	०५	२२	१९	कन्या	०६/५०	०५/१०	२५/५१	भ. ३०/०६ उ. स्वात्यां शुक्रः ४३/०६
१०	र.	०३/२८	ह.	२१/५५	आ.	०७/१३	वि.	०३/२८	व.	३३/२९	०६	२३	२०	तुला ५५/३२	०६/५०	०५/१०	२५/४९	भ. ०३/२८ या. मूले धनुषि बुधः ११/३६
११	चं.	०९/३८	चि.	२९/०५	सौ.	०९/१५	वा.	०९/३८	कौ.	४२/२६	०७	२४	२१	तुला	०६/५०	०५/१०	२५/४८	उत्पत्तिएकादशीव्रतम्
१२	मं.	१५/१३	स्वा.	३५/३५	शो.	१०/५१	तै.	१५/१३	ग.	४७/२१	०८	२५	२२	तुला	०६/५१	०५/०९	२५/४६	प्रदोषव्रतम्
१३	बु.	१९/२९	वि.	४०/४०	अ.	११/३५	व.	१९/२९	वि.	५०/५२	०९	२६	२३	वृश्चिक २४/२४	०६/५१	०५/०९	२५/४५	भ. १९/२९ उ.म. ५०/५२ या. मासशिवरात्रिव्रतम्
१४	वृ.	२२/१४	अ.	४४/३२	सु.	११/१७	श.	२२/४४	च.	५३/२१	१०	२७	२४	वृश्चिक	०६/५१	०५/०९	२५/४४	बुधोदयः पश्चिमायं
३०	शु.	२३/५८	ज्ये.	४७/०४	धृ.	०९/५८	ना.	२३/५८	कि.	५४/१२	११	२८	२५	धनु ४७/०४	०६/५१	०५/०९	२५/४३	देवपितृकार्येऽमावस्या स्नानदानादौऽमावस्या ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानं

पं. ३५ तिथि ८ गुरौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०७	०५	०७	०४	०६	०७	०५	११
१६	१७	२५	२७	०३	१३	०२	०२
४५	३५	२३	०७	२४	३८	५८	५८
४०	३८	४०	५८	३४	३४	१४	१४
६०	३६	६७	०७	६८	०७	०३	०३
५२	१८	३४	०८	१४	२०	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

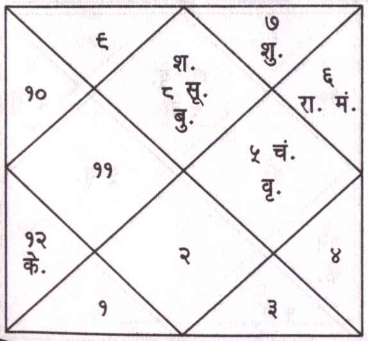

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	दिवा.		दिवा.		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	वृ.	०२	२७	०४	२६	०७	२४	०८	१८	१०	१७	०१	०३	०३	०४	०४	५०	०७	०९	०९	५७	१०	४८	१२	४८
२	शु.	०२	२३	०४	२२	०७	२०	०८	१४	१०	१३	१२	५९	०३	००	०४	४६	०७	०५	०९	५३	१०	४४	१२	४४
३	श.	०२	१९	०४	१८	०७	१६	०८	१०	१०	०९	१२	५५	०२	५६	०४	४२	०७	०१	०९	४९	१०	४०	१२	४०
४	र.	०२	१५	०४	१४	०७	१२	०८	०६	१०	०५	१२	५१	०२	५२	०४	३८	०६	५७	०९	४५	१०	३६	१२	३६
५	चं.	०२	११	०४	१०	०७	०८	०८	०२	१०	०१	१२	४७	०२	४८	०४	३४	०६	५३	०९	४१	१०	३२	१२	३२
६	मं.	०२	०७	०४	०६	०७	०४	०७	५८	०९	५७	१२	४३	०२	४४	०४	३०	०६	४९	०९	३७	१०	२८	१२	२८
७	बु.	०२	०३	०४	०२	०७	००	०७	५४	०९	५३	१२	३९	०२	४०	०४	२६	०६	४५	०९	३३	१०	२४	१२	२४
८	वृ.	०१	५९	०३	५८	०६	५६	०७	५०	०९	४९	१२	३५	०२	३६	०४	२२	०६	४१	०९	२९	१०	२०	१२	२०
९	शु.	०१	५५	०३	५४	०६	५२	०७	४६	०९	४५	१२	३१	०२	३२	०४	१८	०६	३७	०९	२५	१०	१६	१२	१६
१०	श.	०१	५१	०३	५०	०६	४८	०७	४२	०९	४१	१२	२७	०२	२८	०४	१४	०६	३३	०९	२१	१०	१२	१२	१२
१०	र.	०१	४७	०३	४६	०६	४४	०७	३८	०९	३७	१२	२३	०२	२४	०४	१०	०६	२९	०९	१७	१०	०८	१२	०८
११	चं.	०१	४३	०३	४२	०६	४०	०७	३४	०९	३३	१२	१९	०२	२०	०४	०६	०६	२५	०९	१३	१०	०४	१२	०४
१२	मं.	०१	३९	०३	३८	०६	३६	०७	३०	०९	२९	१२	१५	०२	१६	०४	०२	०६	२१	०९	०९	१०	००	१२	००
१३	बु.	०१	३५	०३	३४	०६	३२	०७	२६	०९	२५	१२	११	०२	१२	०३	५८	०६	१७	०९	०५	०९	५६	११	५६
१४	वृ.	०१	३२	०३	३१	०६	२९	०७	२३	०९	२२	१२	०८	०२	०९	०३	५५	०६	१४	०९	०२	०९	५३	११	५३
३०	शु.	०१	२८	०३	२७	०६	२५	०७	१९	०९	१८	१२	०४	०२	०५	०३	५१	०६	१०	०८	५८	०९	४९	११	४९

पं. ३६ तिथि ३० शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०७	०५	०८	०४	०६	०७	०५	११
२४	२२	०७	२७	१२	१४	०२	०२
४८	४०	१५	५५	३४	३०	३०	३०
४३	३२	२५	३७	३४	१७	३५	३५
६०	३५	६३	०६	६९	०७	०३	०३
५८	४५	१९	११	२५	१७	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

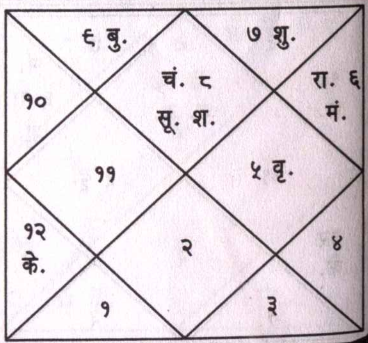

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनमू	तारीख १२ दिसम्बरतः २५ दिसम्बर यावत् सन् २०१५ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायने हेमन्तर्तु :।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	श	२४/१३	मू.	४८/२५	शू.	०७/३८	व.	२४/१३	वा.	५६/४३	१२	२९	२६	धनु	०६/५२	०५/०८	२५/४२	चित्राभौम ४१/५६ चन्द्रदर्शनम् मूलेरोगविमुक्तस्नानं
२	र.	२३/१६	पू.	४८/४३	गं.	०४/१५	कौ.	२३/१६	तै.	५२/२५	१३	०१	२७	धनु	०६/५२	०५/०८	२५/४१	रविलावल ३
३	चं.	२१/३१	उ.	४८/१६	वृ.	००/५४ ११/५७	ग.	२१/३१	व.	५०/००	१४	०२	२८	मकर ०३/३६	०६/५२	०५/०८	२५/४०	भ. ५०/१० उ. पू.षा. बुधः ४८/२१
४	मं.	१८/४६	श्र.	४६/४६	व्या.	४६/३८	वि.	१८/४६	व.	४७/०४	१५	०३	२९	मकर	०६/५२	०५/०८	२५/३९	भ. १८/४६ या. श्रवणे सर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः ४६/४६ उ.
५	बु.	१५/१६	ध.	४४/५६	ह.	४३/५१	वा.	१५/१६	कौ.	४३/२४	१६	०४	३०	कुम्भ १५/५२	०६/५२	०५/०८	२५/३९	मूले धनुष्यर्क १७/५४ उदयंशनि ४०/५३
६	वृ.	११/२९	श.	४२/२२	व.	३७/३२	तै.	११/२९	ग.	३६/२०	१७	०५	०१	कुम्भ	०६/५२	०५/०८	२५/३८	विशा. शुक्रः ०४/१५ चम्पाषष्ठी
७	शु.	०१/११	पू.	३६/३०	सि.	३०/४८	व.	०७/११	वि.	३४/४८	१८	०६	०२	मीन २५/१३	०६/५२	०५/०८	२५/३८	भ. ०७/११ उ.म. ३४/४८ या.
८	श.	०२/२५ ५४/५०	उ.	३६/३१	व्य.	२३/४०	व.	०२/२५	वा.	२९/५० ५७/१५	१९	०७	०३	मीन	०६/५३	०५/०७	२५/३८	
१०	र.	५१/३९	रे.	३२/३४	व.	१६/११	तै.	२४/३२	ग.	५१/३९	२०	०८	०४	मेष ३२/३४	०६/५३	०५/०७	२५/३७	पञ्चकसमाप्ति ३२/३४ या.
११	चं.	४५/४८	अ.	२८/२०	प.	०८/२१	व.	१८/४४	वि.	४५/४८	२१	०९	०५	मेष	०६/५३	०५/०७	२५/३६	भ. १८/४४ उ.म. ४५/४८ मोक्षदाएकादशीव्रतम् गीताजयन्ती
१२	मं.	३९/५१	म.	२४/०३	शि.	००/५१ २३/१०	व.	१२/५०	वा.	३९/५१	२२	१०	०६	वृष ३८/०१	०६/५३	०५/०७	२५/३६	भ. पौषारम्भः
१३	बु.	३३/५९	कृ.	१९/५५	सा.	४४/५०	कौ.	०६/५५	तै.	३३/५९	२३	११	०७	वृष	०६/५३	०५/०७	२५/३६	उ.षा. बुधः ५६/५६ प्रदोषव्रतम् अनंगत्रयोदशीव्रतम्
१४	वृ.	२८/४२	रो.	१६/१४	शु.	३७/३८	ग.	०२/२३	व.	२८/४२ ५६/३३	२४	१२	०८	मिथुन ४४/४४	०६/५३	०५/०७	२५/३६	भ. २८/४२ उ.म. ५६/३३ या. तुलायां भौम १२/४१ पिशाचमोचनश्राद्धम्
१५	शु.	२४/२४	मृ.	१३/१४	शू.	३१/११	व.	२४/२४		५२/५२	२५	१३	०९	मिथुन	०६/५३	०५/०७	२५/३७	वृश्चिकेशुक्रः २५/४० स्नानदानादौ पूर्णिमा श्रीदक्षजयन्ती क्रिस्मस डे बड़ा दिन

पं. ३७ तिथि ८ शनौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०८	०५	०८	०४	०६	०७	०५	११
०२	२६	१९	२८	२०	१५	०२	०२
५५	५०	१०	३५	४२	३३	११	११
३७	३६	११	०८	३८	२०	४०	४०
६१	३५	८६	०४	७०	०७	०३	०३
०१	२०	२९	५५	१०	०९	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	दिवा.		दिवा.		दिवा.		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	श.	०१	२४	०३	२३	०६	२१	०७	१५	०९	१४	१२	००	०२	०१	०३	४७	०६	०६	०८	५४	०९	४५	११	४५
२	र.	०१	२०	०३	१९	०६	१७	०७	११	०९	१०	११	५६	०१	५७	०३	४३	०६	०२	०८	५०	०९	४१	११	४१
३	चं.	०१	१६	०३	१५	०६	१३	०७	०७	०९	०६	११	५२	०१	५३	०३	३९	०५	५८	०८	४६	०९	३७	११	३७
४	मं.	०१	१२	०३	११	०६	०९	०७	०३	०९	०२	११	४८	०१	४९	०३	३५	०५	५४	०८	४२	०९	३३	११	३३
५	बु.	०१	०८	०३	०७	०६	०५	०६	५९	०८	५८	११	४४	०१	४५	०३	३१	०५	५०	०८	३८	०९	२९	११	२९
६	वृ.	०१	०४	०३	०३	०६	०१	०६	५५	०८	५४	११	४०	०१	४१	०३	२७	०५	४६	०८	३४	०९	२५	११	२५
७	शु.	०१	००	०२	५९	०५	५७	०६	५१	०८	५०	११	३६	०१	३७	०३	२३	०५	४२	०८	३०	०९	२१	११	२१
८	श.	१२	५६	०२	५५	०५	५३	०६	४७	०८	४६	११	३२	०१	३३	०३	१९	०५	३८	०८	२६	०९	१७	११	१७
१०	र.	१२	५२	०२	५१	०५	४९	०६	४३	०८	४२	११	२८	०१	२९	०३	१५	०५	३४	०८	२२	०९	१३	११	१३
११	चं.	१२	४८	०२	४७	०५	४५	०६	३९	०८	३८	११	२४	०१	२५	०३	११	०५	३०	०८	१८	०९	०९	११	०९
१२	मं.	१२	४४	०२	४३	०५	४१	०६	३५	०८	३४	११	२०	०१	२१	०३	०७	०५	२६	०८	१४	०९	०५	११	०५
१३	बु.	१२	४०	०२	३९	०५	३७	०६	३१	०८	३०	११	१६	०१	१७	०३	०३	०५	२४	०८	१०	०९	०१	११	०१
१४	वृ.	१२	३६	०२	३५	०५	३३	०६	२७	०८	२६	११	१२	०१	१३	०२	५९	०५	१८	०८	०६	०८	५७	१०	५७
१५	शु.	१२	३२	०२	३१	०५	२९	०६	२३	०८	२२	११	०८	०१	०९	०२	५५	०५	१४	०८	०२	०८	५३	१०	५३

पं. ३८ तिथि १५ शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०८	०६	०८	०४	०६	०७	०५	११
०९	२९	२७	२८	२९	१६	०१	०१
१३	३५	२७	५०	१५	२१	५०	५०
१४	३१	२७	१७	४०	२६	२५	२५
६१	३४	७३	०३	७०	०७	०३	०३
०४	४०	२९	१७	४४	५८	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

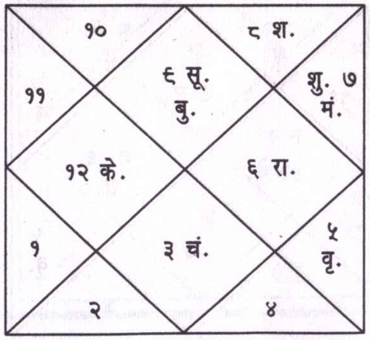

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ पौष कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू.अ.	दिनम्	तारीख २६ दिसम्बरतः १० जनवरी यावत् सन् २०१५-१६ ई. श्री सूर्ये दक्षिणायणे शिशिरर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	श.	२१/२०	आ.	११/२५	व	२७/४०	कौ.	२१/२०	तै.	५०/४१	२६	१४	१०	कर्क ५६/३८	०६/५३	०५/७	२५/३७	मर्के बुधः १६/२६
२	र.	२०/०१	पु.	११/४०	ऐ.	२१/२६	गं.	२०/०१	व.	५०/०६	२७	१५	११	कर्क	०६/५३	०५/०७	२५/३७	भ. ५०/०६ उ.
३	चं.	२०/१२	पु.	१३/०२	वै.	१८/४७	वि.	२०/१२	व.	५१/२२	२८	१६	१२	कर्क	०६/५२	०५/०८	२५/३८	भ. २०/१२ या. अनु. शुक्रः ०५/१७ ज्ये. शनि ००/४५ चतुर्थीव्रतम् पुष्येसर्वदिगगमनमुहूर्तः
४	मं.	२२/३२	श्ले.	१५/५७	वि.	१७/४१	वा.	२२/३२	कौ.	५४/२७	२९	१७	१३	सिंह १५/५७	०६/५२	०५/०८	२५/३८	पू.षा. रवि २२/५४
५	बु.	२६/२१	म.	२१/०८	प्री.	१७/२६	तै.	२६/२१	ग.	५६/०४	३०	१८	१४	सिंह	०६/५२	०५/०८	२५/३९	
६	वृ.	३१/४६	पू.	२७/३१	आ.	१८/३८	व	३१/४६	वि.	६०/००	३१	१९	१५	कन्या ४४/१९	०६/५२	०५/०८	२५/४०	म. ३१/४६ उ.
७	शु.	३७/५४	उ.	३४/४१	सौ.	२०/१४	वि.	०४/५०	व.	३७/५४	०१	२०	१६	कन्या	०६/५२	०५/०८	२५/४१	भ. ०४/५० या.
८	श.	४४/२२	ह.	४२/२२	शो.	२२/२६	वा.	११/०८	कौ.	४४/२२	०२	२१	१७	कन्या	०६/५२	०५/०८	२५/४२	
९	र.	५०/४४	चि.	४९/३५	अ.	२४/३५	तै.	१७/३२	ग.	५०/४४	०३	२२	१८	तुला १५/५६	०६/५१	०५/०९	२५/४३	
१०	चं.	५६/२०	स्वा.	५६/२८	सु.	२६/२६	व.	२३/३२	वि.	५६/२०	०४	२३	१९	तुला	०६/५१	०५/०९	२५/४४	भ. २३/३२ उ.म. ५६/२० या.
११	मं.	६०/००	वि.	६०/००	धृ.	२७/३६	व.	२८/३२	वा.	६०/००	०५	२४	२०	वृश्चिक ४५/३५	०६/५१	०५/०९	२५/४५	वक्री बुधः ३८/२६ स्वात्यांभौम १४/५० सफला एकादशीव्रतम् स्मार्तानाम्
११	बु.	००/४३	वि.	०१/५८	शू.	२७/३०	वा.	००/४३	कौ.	३२/१०	०६	२५	२१	वृश्चिक	०६/५१	०५/०९	२५/४७	सफला एकादशीव्रतम् वैष्णवानाम्
१२	वृ.	०३/३६	अ.	०६/०२	गं.	२६/१८	तै.	०३/३६	ग.	३४/१२	०७	२६	२२	वृश्चिक	०६/५०	०५/१०	२५/४८	प्रदोषव्रतम्
१३	शु.	०४/४७	ज्ये.	०८/२६	वृ.	२३/४४	व.	०४/४७	वि.	३४/३०	०८	२७	२३	धनु ०८/२६	०६/५०	०५/१०	२५/५०	भ. ०४/४७ उ. म. ३४/३० या. ज्येष्ठाशुक्रः ०४/३७ बुधास्त पश्चिमायां ५३/५२ मासशिवरात्रिव्रतम् ज्येष्ठायांरोगविमुक्तस्नानं
१४	श.	०४/१३	मू.	०६/२५	ध्रु.	१६/५४	श.	०४/१३	च.	३३/१२	०९	२८	२४	धनु	०६/५०	०५/१०	२५/५२	मूलेरोगविमुक्तस्नानं
३०	र.	०२/११ ५६/४०	पू.	०८/४१	व्या.	१४/५३	ना.	०२/११	कि.	३०/३१ ५८/५१	१०	२९	२५	मकर २३/१३	०६/४९	०५/११	२५/५३	वक्रीबुरू ५१/१७ देवपितृकार्येऽमावस्या

पं. ३९ तिथि ८ शनौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०८	०६	०९	०४	०७	०७	०५	११
१७	०४	०४	२९	०९	१७	०१	०१
११	४५	५८	०३	४०	०७	२६	२६
१३	४७	१८	५५	४२	२२	५२	५२
६१	३४	३१	०१	७१	०६	०३	०३
०६	११	०९	२३	२५	४२	११	११
मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

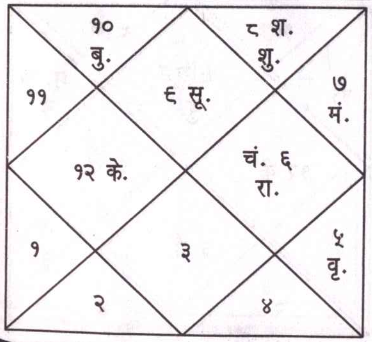

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा.		दिवा.		दिवा.		दिवा.		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	श.	१२	२८	०२	२७	०५	२५	०६	१९	०८	१८	११	०४	०१	०५	०२	५१	०५	१०	०७	५८	०८	४९	१०	४९
२	र.	१२	२४	०२	२३	०५	२१	०६	१५	०८	१४	११	००	०१	०१	०२	४७	०५	०६	०७	५४	०८	४५	१०	४५
३	चं.	१२	२०	०२	१९	०५	१७	०६	११	०८	१०	१०	५६	१२	५७	०२	४३	०५	०२	०७	५०	०८	४१	१०	४१
४	मं.	१२	१६	०२	१५	०५	१३	०६	०७	०८	०६	१०	५२	१२	५३	०२	३९	०४	५८	०७	४६	०८	३७	१०	३७
५	बु.	१२	१२	०२	११	०५	०९	०६	०३	०८	०२	१०	४८	१२	४९	०२	३५	०४	५४	०७	४२	०८	३३	१०	३३
६	वृ.	१२	०८	०२	०७	०५	०५	०५	५९	०७	५८	१०	४४	१२	४५	०२	३१	०४	५०	०७	३८	०८	२९	१०	२९
७	शु.	१२	०४	०२	०३	०५	०१	०५	५५	०७	५४	१०	४०	१२	४१	०२	२७	०४	४९	०७	३४	०८	२५	१०	२५
८	श.	१२	००	०१	५९	०४	५७	०५	५१	०७	५०	१०	३६	१२	३७	०२	२३	०४	४२	०७	३०	०८	२१	१०	२१
९	र.	११	५६	०१	५५	०४	५३	०५	४७	०७	४६	१०	३२	१२	३३	०२	१९	०४	३८	०७	२६	०८	१७	१०	१७
१०	चं.	११	५२	०१	५१	०४	४९	०५	४३	०७	४२	१०	२८	१२	२९	०२	१५	०४	३४	०७	२२	०८	१३	१०	१३
११	मं.	११	४८	०१	४७	०४	४५	०५	३९	०७	३८	१०	२४	१२	२५	०२	११	०४	३०	०७	१८	०८	०९	१०	०९
११	बु.	११	४४	०१	४३	०४	४१	०५	३५	०७	३४	१०	२०	१२	२१	०२	०७	०४	२६	०७	१४	०८	०५	१०	०५
१२	वृ.	११	४१	०१	४०	०४	३८	०५	३२	०७	३१	१०	१७	१२	१८	०२	०४	०४	२३	०७	११	०८	०२	१०	०२
१३	शु.	११	३७	०१	३६	०४	३४	०५	२८	०७	२७	१०	१३	१२	१४	०२	००	०४	१९	०७	०७	०७	५८	०९	५८
१४	श.	११	३३	०१	३२	०४	३०	०५	२४	०७	२३	१०	०९	१२	१०	०१	५६	०४	१५	०७	०३	०७	५४	०९	५४
३०	र.	११	२९	०१	२८	०४	२६	०५	२०	०७	१९	१०	०५	१२	०६	०१	५२	०४	११	०६	५९	०७	५०	०९	५०

पं. ४० तिथि ३० रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०८	०६	०९	०४	०७	०७	०५	११
२४	०८	०४	२९	१७	१७	०१	०१
२७	२७	२३	३२	३३	५३	०४	०४
२२	३७	०६	४४	११	२६	१४	१४
६१	३३	४४	००	७१	०६	०३	०३
०६	२७	४०	५७	३५	२६	११	११
मा.	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.

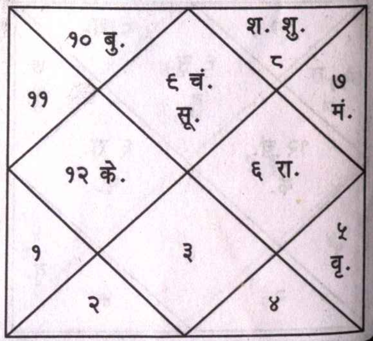

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ पौष शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख ११ जनवरीतः २४ जनवरी यावत् सन् २०१६ ई० श्रीसूर्यउत्तरायणे शिशिरर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
२	चं.	५४/१७	उ.	०६/५१	ह.	०८/५६	वा.	२६/३४	कौ.	५४/१७	११	३०	२६	मकर	०६/४९	०५/११	२५/५५	उ.षा. रवि २७/३६ चन्द्रदर्शनम्
३	मं.	४६/४१	श्र.	०४/०७	व.	०२/५२ २०/४७	तै.	२१/५६	ग.	४६/४१	१२	०१	२७	कुम्भ ३२/२४	०६/४९	०५/११	२५/५७	रविलाखर ४ श्रवणे सर्वदिग्गमनमुहूर्त पञ्चकारम्भः ०४/०७ उ०
४	बु.	४४/२२	ध.	००/५६ ४१/३२	व्य.	४७/३६	व.	१७/०१	वि.	४४/२२	१३	०२	२८	कुम्भ	०६/४८	०५/१२	२५/५९	भ. १७/०१ उ.म. ४४/२२ या. वक्री धनुषि बुधः ५५/३१
५	बृ.	३९/०२	पू.	५३/३९	व.	४०/१९	व.	११/४२	वा.	३९/०२	१४	०३	२९	मीन ३९/३१	०६/४८	०५/१२	२६/०१	मकरेऽर्क ४४/०३
६	शु.	३३/५०	उ.	५०/०३	प.	३३/०५	कौ.	०६/२७	तै.	३३/५०	१५	०४	०१	मीन	०६/४७	०५/१३	२६/०४	वक्री पू.षा. बुधः ४४/४३
७	श.	२८/४५	रे.	४६/३८	शि.	२५/४४	ग.	०१/१७	व.	२८/४५ ५६/१५	१६	०५	०२	मेष ४६/३८	०६/४७	०५/१३	२६/०६	भ. २८/४५ उ.म. ५६/१५ या. पञ्चकसमाप्ति ४६/३८
८	र.	२३/४४	अ.	४३/२५	सि.	१८/३५	व.	२३/४४	वा.	५१/२२	१७	०६	०३	मेष	०६/४६	०५/१४	२६/०८	
९	चं.	१८/५९	म.	४१/२१	सा.	१२/३०	कौ.	१८/५९	तै.	४३/१६	१८	०७	०४	वृष ५४/४३	०६/४६	०५/१४	२६/११	मूले धनुषिशुक्रः ५६/०२
१०	मं.	१४/३३	कृ.	३७/४७	शु.	०४/५३ ४८/३५	ग.	१४/३३	व.	४२/२६	१९	०८	०५	वृष	०६/४५	०५/१५	२६/१३	भ. ४२/२६ उ.
११	बु.	१०/२०	रो.	३५/३७	ब्र.	५२/२८	वि.	१०/२०	व.	३८/३४	२०	०९	०६	वृष	०६/४५	०५/१५	२६/१६	भ. १०/२० या. बुधोदयः पूर्वस्यां पुत्रदाएकादशीव्रतम्
१२	बृ.	०६/४७	मृ.	३४/०७	ऐ.	४७/०४	ब्रा.	०६/४७	कौ.	३५/२२	२१	१०	०७	मिथुन ०४/५२	०६/४४	०५/१६	२६/१९	भ. माघारम्भः प्रदोषव्रतम् अभि प्र. रवि १८/३३
१३	शु.	०३/५६	आ.	३३/१७	वै.	४२/२३	तै.	०३/५६	ग.	३३/०२	२२	११	०८	मिथुन	०६/४४	०५/१६	२६/२१	
१४	श.	०२/०८	पु.	३३/३७	वि.	३८/३८	व.	०२/०८	वि.	३१/५०	२३	१२	०९	कर्क १८/३२	०६/४३	०५/१७	२६/२४	भ. ०२/०८ उ.म. ३१/५० या. व्रतादौपूर्णिमा शाकम्भरीजयन्ती
१५	र.	०१/३१	पु.	३५/०९	प्री.	३५/५५	व.	०१/३१	वा.	३१/५१	२४	१३	१०	कर्क	०६/४३	०५/१७	२६/२७	श्रवणे रवि ३३/१० स्नानदानादौ पूर्णिमा माघस्नानारम्भः पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः

पं. ४१ तिथि ८ रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०९	०६	०८	०४	०७	०७	०५	११
०२	१३	२४	२८	२८	१८	००	००
३४	१०	५८	५९	२१	४६	४२	४२
२३	३७	३७	४३	४०	१३	२२	२२
६१	३२	६९	०१	७२	०५	०३	०३
०५	१८	११	५३	१२	५८	११	११
मा.	मा.	व.	व.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
ति.	वा.	दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा		दिवा	
		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	चं.	११	२५	०१	२४	०४	२२	०५	१६	०७	१५	१०	०१	१२	०२	०१	४८	०४	०७	०६	५५	०७	४६	०९	४६
३	मं.	११	२१	०१	२०	०४	१८	०५	१२	०७	११	०९	५७	११	५८	०१	४४	०४	०३	०६	५१	०७	४२	०९	४२
४	बु.	११	१७	०१	१६	०४	१४	०५	०८	०७	०७	०९	५३	११	५४	०१	४०	०३	५९	०६	४७	०७	३८	०९	३८
५	बृ.	११	१३	०१	१२	०४	१०	०५	०४	०७	०३	०९	४९	११	५०	०१	३६	०३	५५	०६	४३	०७	३४	०९	३४
६	शु.	११	०९	०१	०८	०४	०६	०५	००	०६	५९	०९	४५	११	४६	०१	३२	०३	५१	०६	३९	०७	३०	०९	३०
७	श.	११	०५	०१	०४	०४	०२	०४	५६	०६	५५	०९	४१	११	४२	०१	२८	०३	४७	०६	३५	०७	२६	०९	२६
८	र.	११	०१	०१	००	०३	५८	०४	५२	०६	५१	०९	३७	११	३८	०१	२४	०३	४३	०६	३१	०७	२२	०९	२२
९	चं.	१०	५७	१२	५६	०३	५४	०४	४८	०६	४७	०९	३३	११	३४	०१	२०	०३	३९	०६	२७	०७	१८	०९	१८
१०	मं.	१०	५३	१२	५२	०३	५०	०४	४४	०६	४३	०९	२९	११	३०	०१	१६	०३	३५	०६	२३	०७	१४	०९	१४
११	बु.	१०	४९	१२	४८	०३	४६	०४	४०	०६	३९	०९	२५	११	२६	०१	१२	०३	३१	०६	१९	०७	१०	०९	१०
१२	बृ.	१०	४५	१२	४४	०३	४२	०४	३६	०६	३५	०९	२१	११	२२	०१	०८	०३	२७	०६	१५	०७	०६	०९	०६
१३	शु.	१०	४१	१२	४०	०३	३८	०४	३२	०६	३१	०९	१७	११	१८	०१	०४	०३	२३	०६	११	०७	०२	०९	०२
१४	श.	१०	३७	१२	३६	०३	३४	०४	२८	०६	२७	०९	१३	११	१४	०१	००	०३	१९	०६	०७	०६	५८	०८	५८
१५	र.	१०	३३	१२	३२	०३	३०	०४	२४	०६	२३	०९	०९	११	१०	१२	५६	०३	१५	०६	०३	०६	५४	०८	५४

पं.. ४२ तिथि १५ रवौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०९	०६	०८	०४	०८	०७	०५	११
०९	१६	२१	२८	०६	१९	००	००
४२	४०	४०	४२	५५	३१	२०	२०
४४	१८	५०	४७	२५	२८	०७	०७
६०	३१	०१	०३	७२	०५	०३	०३
५९	२४	४७	१८	३०	२९	११	११
मा.	मा.	व.	व.	मा.	मा.	व.	व.

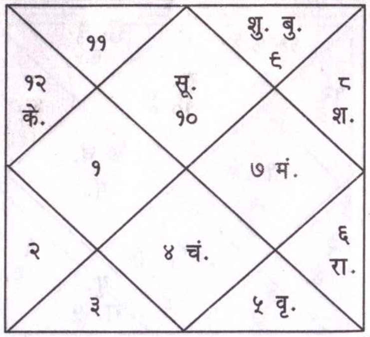

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ माघ कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	तारीख २५ जनवरीतः ०८ फरवरी यावत् सन् २०१६ ई० श्रीसूर्येउत्तरायणे शिशिरर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं. मि.	घं. मि.	घं. प.	
१	चं.	०२/१०	श्ले.	३८/२०	आ.	३४/४०	कौ.	०२/१०	तै.	३३/२३	२५	१४	११	सिंह ३८/२०	०६/४२	०५/१८	२६/२६	अभिनि रवि २५/२५
२	मं.	०४/३५	मं.	४२/५३	सौ.	३३/४७	ग.	०४/३५	व.	३६/२०	२६	१५	१२	सिंह	०६/४२	०५/१८	२६/३२	भ. ३६/२० उ. मार्गीबुधः ३२/४४ गणतंत्र दिवस
३	बु.	०८/०५	पू.	४८/४४	शो.	३४/३४	वि.	०८/०५	व.	४०/४२	२७	१६	१३	सिंह	०६/४१	०५/१९	२६/३५	भ. ०८/०५ या. चतुर्थीव्रतम् संकटहरणगणपतिव्रतम् सौभाग्यसुन्दरीव्रतम्
४	वृ.	१३/१६	उ.	५५/२१	अ.	३५/५२	व्रा.	१३/१६	कौ.	४६/१२	२८	१७	१४	कन्या ०५/२३	०६/४०	०५/२०	२६/३८	
५	शु.	१९/०४	ह.	६०/००	सु.	३७/५२	तै.	१९/०४	ग.	५१/४७	२९	१८	१५	कन्या	०६/४०	०५/२०	२६/४१	पू.षा. शुक्रः ४४/५ उ.फा. सिंहे राहु पू.मा० कुम्भे केतु २४/४८
६	श.	२५/३१	ह.	०२/४९	धृ.	४०/०२	व.	२५/३१	वि.	५८/४६	३०	१९	१६	तुला ३६/३६	०६/३९	०५/२१	२६/४५	भ. २५/३१ उ.म. ५८/४६ या. विशा. भौम ४१/३६
७	र.	३२/०१	चि.	१०/२३	शू.	४२/२३	व.	३२/०१	वा.	६०/००	३१	२०	१७	तुला	०६/३८	०५/२२	२६/४८	ज्ये. शनि ०७/०२
८	चं.	३८/०२	स्वा.	१७/४७	गं.	४४/०४	वा.	०५/०१	कौ.	३८/०२	०१	२१	१८	तुला	०६/३८	०५/२२	२६/५१	
९	मं.	४२/५७	वि.	२३/५८	वृ.	४४/३५	तै.	१०/२९	ग.	४२/५७	०२	२२	१९	वृश्चिक ०७/२५	०६/३७	०५/२३	२६/५४	
१०	बु.	४६/११	अ.	२८/५४	ध्रु.	४४/२०	व.	१४/३४	वि.	४६/११	०३	२३	२०	वृश्चिक	०६/३६	०५/२४	२६/५८	भ. १४/३४ उ.म. ४६/११ या.
११	वृ.	४७/४८	ज्ये.	३२/१०	व्या.	४२/२३	व.	१६/५९	वा.	४७/४८	०४	२४	२१	धनु ३२/१०	०६/३६	०५/२४	२७/०१	षट्तिला एकादशीव्रतम् ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानम्
१२	शु.	४७/२३	मू.	३३/२५	ह.	३९/०२	कौ.	१७/३५	तै.	४७/२३	०५	२५	२२	धनु	०६/३५	०५/२५	२७/०५	उ.षा. बुधः २५/३१ मूले रोगविमुक्तस्नानम्
१३	श.	४५/०६	पू.	३२/५६	व.	३४/०४	ग.	१६/१४	व.	४५/०६	०६	२६	२३	मकर ४७/२४	०६/३४	०५/२६	२७/०८	भ. ४५/०६ उ. धनि रवि ४१/१८ प्रदोषव्रतम्
१४	र.	४०/५८	उ.	३०/४०	सि.	२७/५१	वि.	१३/०२	श.	४०/५८	०७	२७	२४	मकर	०६/३४	०५/२६	२७/१२	भ. १३/०२ या. मासशिवरात्रिव्रतम्
३०	चं.	३५/३०	श्र.	२७/०१	व्य.	२०/२३	च.	०८/१४	ना.	३५/३०	०८	२८	२५	कुम्भ ५४/३८	०६/३३	०५/२७	२७/१५	मकरेबुधः देवपितृकार्येऽमावस्या मौनीअमावस्या श्रवणेसर्वदिग्गमनमुहूर्त पञ्चकारम्भः २७/०१ उ.

पं. ४३ तिथि ८ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०९	०६	०८	०४	०८	०७	०४	१०
१७	२१	२२	२८	१६	२०	२९	२९
४८	०८	४३	१३	३५	०८	५७	५७
१६	१६	१०	३१	३८	३४	५१	५१
६०	२९	३८	०४	७२	०४	०३	०३
५६	५९	३३	२५	५०	५९	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

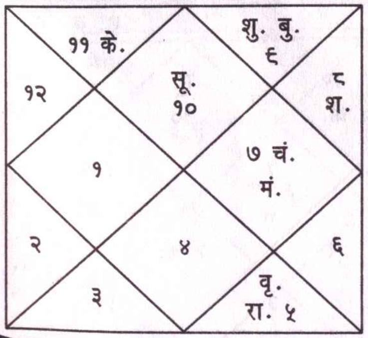

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	चं.	१०	२९	१२	२८	०३	२६	०४	२०	०६	१९	०९	०५	११	०६	१२	५२	०३	११	०५	५९	०६	५०	०८	५०
२	मं.	१०	२५	१२	२४	०३	२२	०४	१६	०६	१५	०९	०१	११	०२	१२	४८	०३	०७	०५	५५	०६	४६	०८	४६
३	बु.	१०	२१	१२	२०	०३	१८	०४	१२	०६	११	०८	५७	१०	५८	१२	४४	०३	०३	०५	५१	०६	४२	०८	४२
४	वृ.	१०	१७	१२	१६	०३	१४	०४	०८	०६	०७	०८	५३	१०	५४	१२	४०	०२	५९	०५	४७	०६	३८	०८	३८
५	शु.	१०	१४	१२	१३	०३	११	०४	०५	०६	०४	०८	५०	१०	५१	१२	३७	०२	५६	०५	४४	०६	३५	०८	३५
६	श.	१०	१०	१२	०९	०३	०७	०४	०१	०६	००	०८	४६	१०	४७	१२	३३	०२	५२	०५	४०	०६	३१	०८	३१
७	र.	१०	०६	१२	०५	०३	०३	०३	५७	०५	५६	०८	४२	१०	४३	१२	२७	०२	४८	०५	३६	०६	२७	०८	२७
८	चं.	१०	०२	१२	०१	०२	५९	०३	५३	०५	५२	०८	३८	१०	३९	१२	२३	०२	४४	०५	३२	०६	२३	०८	२३
९	मं.	०९	५८	११	५७	०२	५५	०३	४९	०५	४८	०८	३४	१०	३५	१२	१९	०२	४०	०५	२८	०६	१९	०८	१९
१०	बु.	०९	५४	११	५३	०२	५१	०३	४५	०५	४४	०८	३०	१०	३१	१२	१५	०२	३६	०५	२४	०६	१५	०८	१५
११	वृ.	०९	५०	११	४९	०२	४७	०३	४१	०५	४०	०८	२६	१०	२७	१२	११	०२	३२	०५	२०	०६	११	०८	११
१२	शु.	०९	४६	११	४५	०२	४३	०३	३७	०५	३६	०८	२२	१०	२३	१२	०७	०२	२८	०५	१६	०६	०७	०८	०७
१३	श.	०९	४२	११	४१	०२	३९	०३	३३	०५	३२	०८	१८	१०	१९	१२	०३	०२	२४	०५	१२	०६	०३	०८	०३
१४	र.	०९	३८	११	३७	०२	३५	०३	२९	०५	२८	०८	१४	१०	१५	११	५९	०२	२०	०५	०८	०५	५९	०७	५९
३०	चं.	०९	३४	११	३३	०२	३१	०३	२५	०५	२४	०८	१०	१०	११	११	५५	०२	१६	०५	०४	०५	५५	०७	५५

पं. ४४ तिथि ३० चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
०९	०६	०८	०४	०८	०७	०४	१०
२४	२४	२९	२७	२५	२०	२९	२९
५०	१५	२०	३७	२३	३९	३०	३०
२५	१९	३०	५३	४५	२८	३५	३५
६०	२८	५९	०५	७३	०४	०३	०३
४७	५४	४१	३८	२४	३१	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

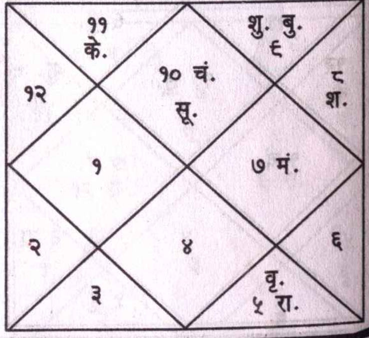

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ माघ शुक्ल पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	ता. ०९ फरवरीतः २२ फरवरी यावत् सनू २०१६ ई० श्रीसूर्यउत्तरायणे शिशिरर्तुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं. मि.	घं. मि.	घं. प.	
१	मं.	२८/४६	ध.	२२/१६	व.	११/५६	कि.	०२/०६	व.	२८/४४ ५५/१८	०९	२६	२६	कुम्भ	०६/३२	०५/२८	२७/१६	उ.म. शुक्रः ३५/४७
२	बु.	२१/४६	श.	१७/०४	प.	०३/५१ १३/०१	कौ.	२१/४६	तै.	४८/११	१०	३०	२७	मीन ५८/०२	०६/३१	०५/२६	२७/२३	चन्द्रदर्शनम्
३	बृ.	१४/३६	पू.	११/४२	सि.	४५/२२	ग.	१४/३६	व.	४१/०७	११	०१	२८	मीन	०६/३१	०५/२९	२७/२७	भ. ४१/०७ उ. जमादि लावल ५
४	शु.	०७/३८	उ.	०६/२२	सा.	३६/४६	वि.	०७/३८	व.	३४/२१	१२	०२	२९	मीन	०६/३०	०५/३०	२७/३०	भ. ०७/३८ या. मकरेशुक्रः १९/३९ चतुर्थीव्रतम्
५	श.	०१/०३ ५४/०१	रे.	०१/५५ ४९/५८	शु.	२८/५५	वा.	०१/०३	कौ.	२८/०४ ५५/०४	१३	०३	३०	मेष ०१/४९	०६/२९	०५/३१	२७/३४	कुम्भेऽर्क १६/४४ बसन्तपंचमी पञ्चसमाप्ति ०१/५५ या.
७	र.	४९/५६	म.	५४/२४	शु.	२१/२४	ग.	२२/२९	व.	४९/५६	१४	०४	०१	मेष	०६/२८	०५/३२	२७/३८	भ. ४९/५६ उ. भानूसप्तमी
८	चं.	४५/३९	कृ.	५१/५९	व्र.	१४/४१	वि.	१७/४८	व.	४५/३९	१५	०५	०२	वृष ०८/४७	०६/२८	०५/३२	२७/४१	भ. १७/४८ या. भीमाष्टमी
९	मं.	४२/११	रो.	५०/२२	ऐ.	०८/४२	वा.	१३/५६	कौ.	४२/११	१६	०६	०३	वृष	०६/२७	०५/३३	२७/४५	
१०	बु.	४०/०२	मृ.	४९/५२	वै.	०३/५५ १७/३४	तै.	११/०७	ग.	४०/०२	१७	०७	०४	मिथुन २०/०७	०६/२६	०५/३४	२७/४९	श्रवणेबुधः ०४/३५ वक्री पू.फा. गुरू ४५/१६
११	बृ.	३८/१६	आ.	५०/१०	प्री.	५५/०३	व.	०६/०६	वि.	३८/१६	१८	०८	०५	मिथुन	०६/२५	०५/३५	२७/५३	भ. ०६/०६ उ.म. ३८/१६ या. जया एकादशीव्रतम्
१२	शु.	३७/४७	पु.	५१/३५	आ.	५२/२४	व.	०८/०१	वा.	३७/४७	१९	०९	०६	कर्क ३६/१४	०६/२५	०५/३५	२७/५६	शते रवि ५३/०० भीष्मद्वादशी
१३	श.	३८/२४	पु.	५३/५८	सौ.	५०/१८	कौ.	०८/०५	तै.	३८/२४	२०	१०	०७	कर्क	०६/२४	०५/३६	२८/००	श्रवणेशुक्र २२/२९ वृश्चिकेभौमः ५५/०० मा. फाल्गुनारम्भः प्रदोषव्रतम् पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
१४	र.	३९/५६	श्ले.	५७/४०	शो.	४९/२८	ग.	०९/१०	व.	३९/५६	२१	११	०८	सिंह ५७/४०	०६/२३	०५/३७	२८/०४	भ. ३९/५६ उ.
१५	चं.	४२/४९	म.	६०/००	अ.	४९/०१	वि.	११/२२	व.	४२/४९	२२	१२	०९	सिंह	०६/२२	०५/३८	२८/०८	भ. ११/१२ या. पूर्णिमा व्रतपुण्यंञ्च माघस्नान पूर्ति

पं. ४५ तिथि ८ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
१०	०६	०९	०४	०९	०७	०४	१०
०१	२७	०७	२६	०३	२१	२९	२९
५५	४४	५५	५३	५०	०७	०८	०८
४९	५४	३२	५२	५५	०७	२०	२०
६०	२७	७७	०६	७३	०३	०३	०३
३७	०७	२२	३२	२०	५५	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	मं.	०९	३०	११	२९	०२	२७	०३	२१	०५	२०	०८	०६	१०	०७	११	५१	०२	१२	०५	००	०५	५१	०७	५१
२	बु.	०९	२६	११	२५	०२	२३	०३	१७	०५	१६	०८	०२	१०	०३	११	४७	०२	०८	०४	५६	०५	४७	०७	४७
३	बृ.	०९	२२	११	२१	०२	१९	०३	१३	०५	१२	०७	५८	०९	५९	११	४३	०२	०४	०४	५२	०५	४३	०७	४३
४	शु.	०९	१८	११	१७	०२	१५	०३	०९	०५	०८	०७	५४	०९	५५	११	३९	०२	००	०४	४८	०५	३९	०७	३९
५	श.	०९	१४	११	१३	०२	११	०३	०५	०५	०४	०७	५०	०९	५१	११	३५	०१	५६	०४	४४	०५	३५	०७	३५
७	र.	०९	१०	११	०९	०२	०७	०३	०१	०५	००	०७	४६	०९	४७	११	३१	०१	५२	०४	४०	०५	३१	०७	३१
८	चं.	०९	०६	११	०५	०२	०३	०२	५७	०४	५६	०७	४२	०९	४३	११	२७	०१	४८	०४	३६	०५	२७	०७	२७
९	मं.	०९	०२	११	०१	०१	५९	०२	५३	०४	५२	०७	३८	०९	३९	११	२३	०१	४४	०४	३२	०५	२३	०७	२३
१०	बु.	०८	५८	१०	५७	०१	५५	०२	४९	०४	४८	०७	३४	०९	३५	११	१९	०१	४०	०४	२८	०५	१९	०७	१९
११	बृ.	०८	५४	१०	५३	०१	५१	०२	४५	०४	४४	०७	३०	०९	३१	११	१५	०१	३६	०४	२४	०५	१५	०७	१५
१२	शु.	०८	५१	१०	५०	०१	४८	०२	४१	०४	४१	०७	२७	०९	२८	११	१२	०१	३३	०४	२१	०५	१२	०७	१२
१३	श.	०८	४७	१०	४६	०१	४४	०२	३८	०४	३७	०७	२३	०९	२४	११	०८	०१	२९	०४	१७	०५	०८	०७	०८
१४	र.	०८	४३	१०	४२	०१	४०	०२	३४	०४	३३	०७	१९	०९	२०	११	०४	०१	२५	०४	१३	०५	०४	०७	०४
१५	चं.	०८	३९	१०	३८	०१	३६	०२	३०	०४	२९	०७	१५	०९	१६	११	००	०१	२१	०४	०९	०५	००	०७	००

पं. ४६ तिथि १५ चन्द्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
१०	०७	०९	०४	०९	०७	०४	१०
०९	००	१७	३६	१२	२१	२८	२८
१३	४८	३२	०६	३२	३०	४६	४६
२२	०८	२०	३०	२०	३८	१४	१४
६०	२४	८६	०७	७३	०३	०३	०३
२५	५६	४५	२१	२२	२०	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

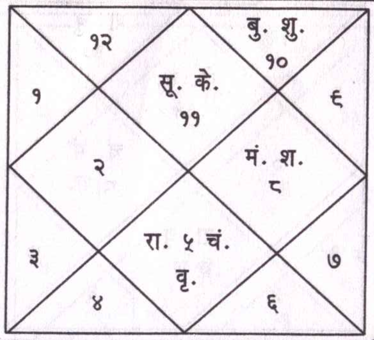

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ फाल्गुन कृष्ण पक्षः																तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	ता. २३ फरवरीतः ०६ मार्च यावत् सन् २०१६ ई० श्रीसूर्यउत्तरायणे वसंततुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	मं.	४६/५१	म.	०२/१७	सु.	४६/४०	वा.	१४/५०	कौ.	४६/५१	२३	१३	१०	सिंह	०६/२२	०५/३८	२८/१२	
२	बु.	५२/११	पू.	०८/०१	धृ.	५१/५८	तै.	१९/३२	ग.	५२/११	२४	१४	११	कन्या २४/३७	०६/२१	०५/३९	२८/१६	
३	बृ.	५७/५०	उ.	१४/३८	शू.	५२/४४	व.	२५/०१	वि.	५७/५०	२५	१५	१२	कन्या	०६/२०	०५/४०	२८/२०	भ. २५/०१ उ.म. ५७/५० या.
४	शु.	६०/००	ह.	२१/५०	गं.	५५/०१	व.	३०/५९	वा.	६०/००	२६	१६	१३	तुला ५५/४०	०६/१९	०५/४१	२८/२४	धनि बुधः ३३/४३ चतुर्थीव्रतम्
४	श.	०४/०९	चि.	२९/३१	वृ.	५७/२५	वा.	०४/०९	कौ.	३७/२४	२७	१७	१४	तुला	०६/१८	०५/४२	२८/२८	
५	र.	१०/३८	स्वा.	३७/१०	ध्रु.	५९/५१	तै.	१०/३८	ग.	४३/४६	२८	१८	१५	तुला	०६/१८	०५/४२	२८/३२	अनु. भौम ५३/४९
६	चं.	१७/५३	वि.	४४/१०	व्या.	६०/००	व.	१६/५३	वि.	४९/३५	२९	१९	१६	वृश्चिक २७/२५	०६/१७	०५/४३	२८/३६	भ. १६/५३ उ.म. ४९/३५ या.
७	मं.	२२/१७	अ.	१०/५२	व्या.	०१/१०	व.	२२/१७	वा.	५४/२१	०१	२०	१७	वृश्चिक	०६/१६	०५/४४	२८/४०	कुम्भे बुधः ४६/१८
८	बु.	२६/२७	ज्ये.	५४/४०	ह.	०१/४१	कौ.	२३/२७	तै.	५७/४१	०२	२१	१८	धनु ५४/४०	०६/१५	०५/४५	२८/४४	धनि. शुक्रः १२/०६ ज्येष्ठायां रोगविमुक्तस्नानं
९	बृ.	२८/५५	मू.	५७/२२	व.	०१/५७ ०४/५२	ग.	२८/५५	व.	५९/०७	०३	२२	१९	धनु	०६/१४	०५/४६	२८/४८	भ. ५९/०७ उ. मूलेरोगविमुक्तस्नानं
१०	शु.	२९/१९	पू.	५८/०२	व्य.	५५/०९	वि.	२९/१९	व.	५८/३१	०४	२३	२०	धनु	०६/१४	०५/४६	२८/५२	भ. २९/१९ या. पू.मा. रवि ०९/०६
११	श.	२७/४२	उ.	५६/४६	व.	४९/४७	वा.	२७/४२	कौ.	५५/५४	०५	२४	२१	मकर १२/४३	०६/१३	०५/४७	२८/५६	शते बुधः ५८/५४ विजया एकादशीव्रतम् श्रावणे सर्वदिग्गमनमुहूर्त पञ्चकारम्भः ५३/३३
१२	र.	२४/०५	श्र.	५३/३३	प.	४२/४६	तै.	२४/०५	ग.	५१/२०	०६	२५	२२	मकर	०६/१२	०५/४८	२९/०१	प्रदोषव्रतम्
१३	चं.	१८/३८	ध.	४८/४०	शि.	३४/४९	व.	१८/३५	वि.	४४/५९	०७	२६	२३	कुम्भ २१/०५	०६/११	०५/४९	२९/०५	भ. १८/३८ उ.म. ४४/५९ या. कुम्भेशुक्रः महाशिवरात्रिवृतम् स्मार्तानाम्
१४	मं.	११/२०	श.	४२/३६	सि.	२५/१०	श.	११/२०	च.	३७/२०	०८	२७	२४	कुम्भ	०६/१०	०५/५०	२९/०९	बुधास्त पूर्वस्यां ४७/४१ महाशिवरात्रिवृतम् वैष्णावानाम्
३०	बु.	०३/२० ५०/१३	पू.	३५/४६	सा.	१५/०७	ना.	०३/२०	कि.	२८/२७ ५३/३३	०९	२८	२५	मीन २२/२९	०६/०९	०५/५१	२९/१३	ग्रस्तेदितं सूर्यग्रहणं देवपितृकार्येऽमावस्यां

पं. ४७ तिथि ८ बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
१०	०७	०९	०४	०९	०७	०४	१०
१८	०४	३०	२५	२३	२१	२८	२८
१५	१०	१९	०३	१०	५५	१३	१३
३५	४०	२२	५६	०५	३६	४९	४९
६०	२२	५७	०७	७३	०२	०३	०३
१२	४२	३२	५२	४०	३३	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		दिवा	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	मं.	०८	३५	१०	३४	०१	३२	०२	२६	०४	२५	०७	११	०९	१२	१०	५६	०१	१७	०४	०५	०४	५६	०६	५६
२	बु.	०८	३१	१०	३०	०१	२८	०२	२२	०४	२१	०७	०७	०९	०८	१०	५२	०१	१३	०४	०१	०४	५२	०६	५२
३	बृ.	०८	२७	१०	२६	०१	२४	०२	१८	०४	१७	०७	०३	०९	०४	१०	४८	०१	०९	०३	५७	०४	४८	०६	४८
४	शु.	०८	२३	१०	२२	०१	२०	०२	१४	०४	१३	०६	५९	०९	००	१०	४४	०१	०५	०३	५३	०४	४४	०६	४४
४	श.	०८	१९	१०	१८	०१	१६	०२	१०	०४	०९	०६	५५	०८	५६	१०	४०	०१	०१	०३	४९	०४	४०	०६	४०
५	र.	०८	१५	१०	१४	०१	१२	०२	०६	०४	०५	०६	५१	०८	५२	१०	३६	१२	५७	०३	४५	०४	३६	०६	३६
६	चं.	०८	११	१०	१०	०१	०८	०२	०२	०४	०१	०६	४७	०८	४८	१०	३२	१२	५३	०३	४१	०४	३२	०६	३२
७	मं.	०८	०७	१०	०६	०१	०४	०१	५८	०३	५७	०६	४३	०८	४४	१०	२८	१२	४९	०३	३७	०४	२८	०६	२८
८	बु.	०८	०३	१०	०२	०१	००	०१	५४	०३	५३	०६	३९	०८	४०	१०	२४	१२	४५	०३	३३	०४	२४	०६	२४
९	बृ.	०७	५९	०९	५८	१२	५६	०१	५०	०३	४९	०६	३५	०८	३६	१०	२०	१२	४१	०३	२९	०४	२०	०६	२०
१०	शु.	०७	५५	०९	५४	१२	५२	०१	४६	०३	४५	०६	३१	०८	३२	१०	१६	१२	३७	०३	२५	०४	१६	०६	१६
११	श.	०७	५१	०९	५०	१२	४८	०१	४२	०३	४१	०६	२७	०८	२८	१०	१२	१२	३३	०३	२१	०४	१२	०६	१२
१२	र.	०७	४७	०९	४६	१२	४४	०१	३८	०३	३७	०६	२३	०८	२४	१०	०८	१२	२९	०३	१७	०४	०८	०६	०८
१३	चं.	०७	४३	०९	४२	१२	४०	०१	३४	०३	३३	०६	१९	०८	२०	१०	०४	१२	२५	०३	१३	०४	०४	०६	०४
१४	मं.	०७	३९	०९	३८	१२	३६	०१	३०	०३	२९	०६	१५	०८	१६	१०	००	१२	२१	०३	०९	०४	००	०६	००
३०	बु.	०७	३५	०९	३४	१२	३२	०१	२६	०३	२५	०६	११	०८	१२	०९	५६	१२	१७	०३	०५	०३	५६	०५	५६

पं. ४८ तिथि ३० बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
१०	०७	१०	०४	१०	०७	०४	१०
२५	०६	११	२४	०१	२२	२७	२७
१६	४८	४५	०९	५०	०८	५१	५१
२२	२२	३५	५६	२८	१०	३३	३३
५९	२०	१००	०७	७३	०१	०३	०३
५८	११	०२	५२	५०	४८	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ फाल्गुन शुक्ल पक्षः													तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	ता. १० मार्चतः २३ मार्च यावत् सन् २०१६ ई० श्रीसूर्यउत्तरायणे वसंततुः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं. मि.	घं. मि.	घं. प.	
२	वृ.	४५/२८	उ.	२८/४६	शु.	०४/४९ ५२/५१	वा.	१९/२६	कौ.	४५/२८	१०	२६	२६	मीन	०६/०९	०५/५१	२९/१७	चन्द्रदर्शनम् फलरिया २
३	शु.	३६/५७	रे.	२२/०४	वृ.	४४/५१	तै.	११/१३	ग.	३६/५७	११	०१	२७	मेष २२/०४	०६/०८	०५/५२	२९/२१	जमादिलाखर ६ पञ्चकसमाप्ति २२/०४ या.
४	श.	२९/०५	अ.	१५/५८	ऐ.	३५/४०	व.	०३/०१	वि.	२९/०५ ५५/३४	१२	०२	२८	मेष	०६/०७	०५/५३	२९/२६	भ. ०३/०१ म. २९/०५ शते शुक्रः ५७/५९
५	र.	२२/१३	म.	१०/५०	वै.	२७/५१	वा.	२२/१३	कौ.	४९/२८	१३	०३	२९	वृष २४/५८	०६/०६	०५/५४	२९/३०	पू.मा. बुधः ३५/३६
६	चं.	१६/४४	कृ.	०७/१९	वि.	२०/३८	तै.	१६/४४	ग.	४४/३७	१४	०४	३०	वृष	०६/०५	०५/५५	२९/३४	मीनेऽर्क ०९/५९
७	मं.	१२/३०	रो.	०४/४६	प्री.	१४/४९	व.	१२/३०	वि.	४१/१२	१५	०५	०१	मिथुन ३४/२०	०६/०४	०५/५६	२९/३८	भ. १२/३० उ.म. ४१/१२ या. वक्री पू.फा. गुरू २२/५८
८	बु.	०९/५३	मृ.	०३/५२	आ.	१०/१३	व.	०९/५३	वा.	३६/३२	१६	०६	०२	मिथुन	०६/०३	०५/५७	२९/४३	होलाष्टकम्
९	वृ.	०८/३८	आ.	०४/१७	सौ.	०६/३८	कौ.	०८/३८	तै.	३८/४२	१७	०७	०३	कर्क ५०/२९	०६/०३	०५/५७	२९/४७	उ.म. रवि ३१/०३
१०	शु.	०८/४५	पु.	०६/०६	शो.	०४/१६	ग.	०८/४५	व.	३९/३२	१८	०८	०४	कर्क	०६/०२	०५/५८	२९/५१	भ. ३९/३२ या. मीनेबुधः ५७/०६
११	श.	१०/१९	पु.	०९/१७	अ.	०२/५१	वि.	१०/१९	व.	४१/३२	१९	०९	०५	कर्क	०६/०१	०५/५९	२९/५५	भ. १०/१९ या. आमलकी एकादशीव्रतम् पुष्येसर्वदिग्गमनमुहूर्तः
१२	र.	१२/४४	श्ले.	१३/३४	सु.	०२/३१	वा.	१२/४४	कौ.	४४/३८	२०	१०	०६	सिंह १३/३४	०६/००	०६/००	३०/००	उ.मा. बुधः ३८/२७ प्रदोषव्रतम्
१३	चं.	१६/३२	म.	१८/४६	धृ.	०२/४७	तै.	१६/३२	ग.	४८/४६	२१	११	०७	सिंह	०५/५९	०६/०१	३०/०४	भ. चैत्रारम्भः
१४	मं.	२१/०२	पू.	२४/४९	शू.	०२/३५	व.	२१/०२	वि.	५३/५१	२२	१२	०८	कन्या ४१/२९	०५/५८	०६/०२	३०/०८	भ. २१/०२ उ. म. ५३/५१ या. मद्रोक्षरम् होलिकादहनं
१५	बु.	२६/३९	उ.	३१/३१	गं.	०५/१७	व.	२६/३९	वा.	५६/३१	२३	१३	०९	कन्या	०५/५८	०६/०२	३०/१२	पू.मा. शुक्रः ४६/०१ छारेडी स्नानदानादौपूर्णिमा होलिकात्सव रतिकाममहोत्सवः होलिकाविभूतिधारणं

पं. ४७ तिथि ८ बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	०७	१०	०४	१०	०७	०४	१०
०२	०९	२४	२३	१०	२२	२७	२७
१५	१२	२८	१५	३९	१६	२९	२९
३५	०८	५०	५६	५३	५६	१७	१७
५९	१७	१२३	०७	७३	०१	०३	०३
४१	११	०५	५२	५६	११	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

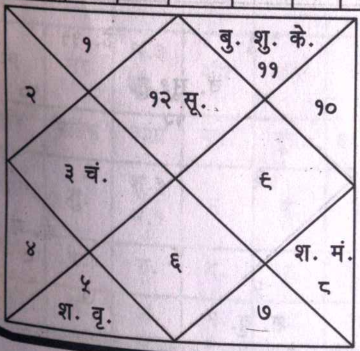

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	वृ.	०७	३१	०९	३०	१२	२८	०१	२२	०३	२१	०६	०७	०८	०८	०९	५२	१२	१३	०३	०१	०३	५२	०५	५२
३	शु.	०७	२७	०९	२६	१२	२४	०१	१८	०३	१७	०६	०३	०८	०४	०९	४८	१२	०९	०२	५७	०३	४८	०५	४८
४	श.	०७	२३	०९	२२	१२	२०	०१	१४	०३	१३	०५	५९	०८	००	०९	४४	१२	०५	०२	५३	०३	४४	०५	४४
५	र.	०७	१९	०९	१८	१२	१६	०१	१०	०३	०९	०५	५५	०७	५६	०९	४०	१२	०१	०२	४९	०३	४०	०५	४०
६	चं.	०७	१५	०९	१४	१२	१२	०१	०६	०३	०५	०५	५१	०७	५२	०९	३६	११	५७	०२	४५	०३	३६	०५	३६
७	मं.	०७	११	०९	१०	१२	०८	०१	०२	०३	०१	०५	४७	०७	४८	०९	३२	११	५३	०२	४१	०३	३२	०५	३२
८	बु.	०७	०७	०९	०६	१२	०४	१२	५८	०२	५७	०५	४३	०७	४४	०९	२८	११	४९	०२	३७	०३	२८	०५	२८
९	वृ.	०७	०३	०९	०२	१२	००	१२	५४	०२	५३	०५	३९	०७	४०	०९	२४	११	४५	०२	३३	०३	२४	०५	२४
१०	शु.	०६	५९	०८	५८	११	५६	१२	५१	०२	५०	०५	३५	०७	३६	०९	२१	११	४१	०२	३०	०३	२०	०५	२०
११	श.	०६	५६	०८	५५	११	५३	१२	४७	०२	४६	०५	३२	०७	३३	०९	१७	११	३८	०२	२६	०३	१७	०५	१७
१२	र.	०६	५२	०८	५१	११	४९	१२	४३	०२	४२	०५	२८	०७	२९	०९	१३	११	३४	०२	२२	०३	१३	०५	१३
१३	चं.	०६	४८	०८	४७	११	४५	१२	३९	०२	३८	०५	२४	०७	२५	०९	०९	११	३०	०२	१८	०३	०९	०५	०९
१४	मं.	०६	४४	०८	४३	११	४१	१२	३५	०२	३४	०५	२०	०७	२१	०९	०५	११	२६	०२	१४	०३	०५	०५	०५
१५	बु.	०६	४०	०८	३९	११	३७	१२	३१	०२	३०	०५	१६	०७	१७	०९	०१	११	२२	०२	१०	०३	०१	०५	०१

पं. ५० तिथि १५ बुधे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः							
सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	०७	११	०४	१०	०७	०४	१०
०९	११	०७	२२	१९	२२	२७	२७
१३	१५	४२	२३	२९	२१	०७	०७
१८	२५	५०	४०	१५	३२	१२	१२
५९	१३	११८	०७	७४	००	०३	०३
२९	०२	२५	२३	०२	२५	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.

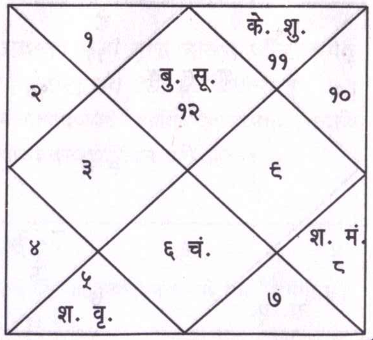

श्रीशुभ संवत् २०७२ शाके १९३७ चैत्र कृष्ण पक्षः											तारीख			चन्द्रमा	सू. उ.	सू. अ.	दिनम्	ता. २४ मार्चतः ०७ अप्रैल यावत् सन् २०१६ ई० श्रीसूर्यउत्तरायणे वसंततुंः।
ति.	वा.	घ. प.	न.	घ. प.	यो.	घ. प.	क.	घ. प.	क.	घ. प.	अं.	फा.	बं.	घ. प.	घं मि.	घं मि.	घं प.	
१	वृ.	३२/२३	ह.	३८/४४	वृ.	०७/०१	कौ.	३२/२३	तै.	६०/००	२४	१४	१०	कन्या	०५/५७	०६/०३	३०/१६	बसन्त होलिका विभूति धारणम् होलिकोत्सव रतिकाममहोत्सवः
२	शु.	३८/४६	चि.	४६/१४	ध्रु.	०९/२५	तै.	०५/३५	ग.	३८/४६	२५	१५	११	तुला १२/२६	०५/५६	०६/०४	३०/२१	वक्री शनि ३६/३६
३	श.	४५/०७	स्वा.	५३/४७	व्या.	११/५१	व.	११/५६	वि.	४५/०७	२६	१६	१२	तुला	०५/५५	०६/०५	३०/२५	भ. ११/५६ उ.म. ४५/०७ या.
४	र.	५१/१३	वि.	६०/००	ह.	१४/११	व.	१८/१०	वा.	५१/१३	२७	१७	१३	वृश्चिक ४४/२१	०५/५४	०६/०६	३०/२९	रेवत्यां बुधः २१/२० चतुर्थी व्रतम्
५	चं.	५६/४०	वि.	०१/१२	व.	१५/५५	कौ.	२३/५४	तै.	५६/४०	२८	१८	१४	वृश्चिक	०५/५३	०६/०७	३०/३३	
६	मं.	६०/००	अ.	०७/३७	सि.	१७/१७	ग.	२८/५७	व.	६०/००	२९	१९	१५	वृश्चिक	०५/५३	०६/०७	३०/३७	
६	बु.	०१/१४	ज्ये.	१३/१८	व्य.	१७/३१	व.	०१/१४	वि.	३२/५२	३०	२०	१६	धनु १३/१८	०५/५२	०६/०८	३०/४१	भ. ०१/१४ उ. ३२/५२ या. रेवत्यां रवि ५८/४२
७	वृ.	०४/१९	मू.	१७/२३	व.	१६/४९	व.	०४/२९	वा.	३५/३३	३१	२१	१७	धनु	०५/५१	०६/०९	३०/४५	मीने शुक्रः ५१/५१
८	शु.	०६/०६	पू.	१९/४०	प.	१४/३१	कौ.	०६/०६	तै.	३५/२४	०१	२२	१८	मकर ३४/४७	०५/५०	०६/१०	३०/४९	पू.फा. राहु पू.मा. केतु २०/३८ शीतलापूजनम्
९	श.	०४/४२	उ.	२०/११	शि.	१०/४९	ग.	०४/४२	व.	३३/३३	०२	२३	१९	मकर	०५/४९	०६/११	३०/५३	भ. ३३/३३ उ. अश्वि. मेषेबुधः ४८/०८
१०	र.	०२/२५ ५५/४३	श्र.	१८/४८	सि.	०५/५२ ३०/३६	वि.	०२/२५	व.	२९/०४ ५५/४३	०३	२४	२०	कुम्भ ४७/०२	०५/४९	०६/११	३०/५७	भ. ०२/२५ या. उ.मा. शुक्रः ३४/३४ पापमोचनीएकादशी स्मार्ताः श्रवणे सर्वदिग्गमनमुहूर्तः पञ्चकारम्भः १८/४८ उ.
१२	चं.	५३/०१	ध.	१५/१६	शु.	५०/३६	कौ.	२८/०५	तै.	५३/०१	०४	२५	२१	कुम्भ	०५/४८	०६/१२	३१/०१	पापमोचनीएकादशी वैष्णवानाम्
१३	मं.	४५/०१	श.	१०/०३	शु.	४०/३५	ग.	१९/०१	व.	४५/०१	०५	२६	२२	मीन ५०/१३	०५/४७	०६/१३	३१/०५	भ. ४५/०१ उ. बुधोदयः पश्चिमायां १३/५१ प्रदोषव्रतम्
१४	बु.	३६/०५	पू.	०३/५२ ३५/३५	ब्र.	३०/१०	वि.	१०/३३	श.	३६/०५	०६	२७	२३	मीन	०५/४६	०६/१४	३१/१०	भ. १०/३३ या. मासशिवरात्रिव्रतम्
३०	वृ.	२६/२६	रे.	४८/२०	ऐ.	१९/२९	च.	०१/१६	ना.	२६/२३ ५१/२७	०७	२८	२४	मेष ४८/२०	०५/४५	०६/१५	३१/१४	स्नानदानादौश्राद्धादौ पितृकार्येअमावस्यां पञ्चकसमाप्ति ४८/२० या.

पं. ५१ तिथि ८ शुक्रे सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	०७	११	०४	११	०७	०४	१०
१६	१२	२३	२१	००	२२	२६	२६
५९	५६	४३	३०	४८	१४	३४	३४
१०	२५	१६	११	१७	५०	४६	४६
५९	०९	१२०	०६	७४	००	०३	०३
१४	११	५२	३७	१०	२३	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.	व.

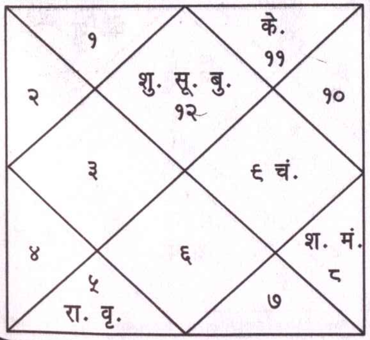

लग्नादि		मे.प्र.		वृ.प्र.		मि.प्र.		क. प्र.		सि. प्र.		क. प्र.		तु. प्र.		वृ. प्र.		ध. प्र.		म. प्र.		कु. प्र.		मी. प्र.	
		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		दिवा		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ		रात्रौ	
ति.	वा.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	वृ.	०६	३६	०८	३५	११	३३	१२	२७	०२	२६	०५	१२	०७	१३	०८	५७	११	१८	०२	०६	०२	५७	०४	५७
२	शु.	०६	३२	०८	३१	११	२९	१२	२३	०२	२२	०५	०८	०७	०९	०८	५३	११	१४	०२	०२	०२	५३	०४	५३
३	श.	०६	२८	०८	२७	११	२५	१२	१९	०२	१८	०५	०४	०७	०५	०८	४९	११	१०	०१	५८	०२	४९	०४	४९
४	र.	०६	२४	०८	२३	११	२१	१२	१५	०२	१४	०५	००	०७	०१	०८	४५	११	०६	०१	५४	०२	४५	०४	४५
५	चं.	०६	२०	०८	१९	११	१७	१२	११	०२	१०	०४	५६	०६	५७	०८	४१	११	०२	०१	५०	०२	४१	०४	४१
६	मं.	०६	१६	०८	१५	११	१३	१२	०७	०२	०६	०४	५२	०६	५३	०८	४७	१०	५८	०१	४६	०२	३७	०४	३७
६	बु.	०६	१२	०८	११	११	०९	१२	०३	०२	०२	०४	४८	०६	४९	०८	३३	१०	५४	०१	४२	०२	३३	०४	३३
७	वृ.	०६	०८	०८	०७	११	०५	११	५९	०१	५८	०४	४४	०६	४५	०८	२९	१०	५०	०१	३८	०२	२९	०४	२९
८	शु.	०६	०४	०८	०३	११	०१	११	५५	०१	५४	०४	४०	०६	४१	०८	२५	१०	४६	०१	३४	०२	२५	०४	२५
९	श.	०६	००	०७	५९	१०	५७	११	५१	०१	५०	०४	३६	०६	३७	०८	२१	१०	४२	०१	३०	०२	२१	०४	२१
१०	र.	०५	५६	०७	५५	१०	५३	११	४७	०१	४६	०४	३२	०६	३३	०८	१७	१०	३८	०१	२६	०२	१७	०४	१७
१२	चं.	०५	५२	०७	५१	१०	४९	११	४३	०१	४२	०४	२८	०६	२९	०८	१३	१०	३४	०१	२२	०२	१३	०४	१३
१३	मं.	०५	४८	०७	४७	१०	४५	११	३९	०१	३८	०४	२४	०६	२५	०८	०९	१०	३०	०१	१८	०२	०९	०४	०९
१४	बु.	०५	४४	०७	४३	१०	४१	११	३५	०१	३४	०४	२०	०६	२१	०८	०५	१०	२६	०१	१४	०२	०५	०४	०५
३०	वृ.	०५	४०	०७	३९	१०	३७	११	३१	०१	३०	०४	१६	०६	१७	०८	०१	१०	२२	०१	१०	०२	०१	०४	०१

पं. ५२ तिथि ३० गुरौ सूर्योदये स्पष्टग्रहाः

सू.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
उ.	उ.	उ.पू.	उ.पू.	उ.प.	उ.प.	अ.	अ.
११	०७	००	०४	११	०७	०४	१०
२३	१४	०७	२०	०७	२२	२६	२६
५४	०५	५०	४६	४६	०९	१०	१०
३१	३०	४०	३२	३५	४४	३०	३०
५९	०४	११४	०५	७४	०१	०३	०३
००	२३	५३	४६	१४	०५	११	११
मा.	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.	व.

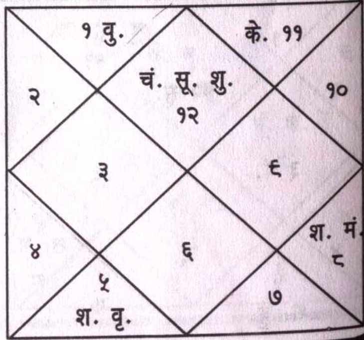

अथ होड़ाचक्रसहितं शत पदचक्रमिदम्।

नक्षत्र	अ.	भ.	कृ.	रो.	मृ.	आ.	पुन.	पुष्य	आश्ले.	म.	पू.फा.	उ.फा.	ह.	चि.
अक्षर	चू.चे. चो.ला.	ली.लू. ले.लो.	अ.ई. उ.ए.	ओ.बा. बी.बू.	बे.बो. का.की.	कु.घ. ड.छ.	के.को. हा.ही.	हू.हे. हो.डा.	डी.डू. डे.डो.	मो.मी. मू.मे.	मो.टा. टी.टू.	टे.टो. पा.पी.	पू.ष. ण.ठ.	पे.पो. रा.री.
राशि	मे.	मे.	में.१ वृ.३	वृ.	वृ.२ मि.२	मि.	मि.३ क.१	कर्क	कर्क	सिं.	सिं.	सिं.१ कं.३	क	कं.२ तु.२
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.१ वै.३	वै.	वै.२ शू.२	शू.	शू.३ ब्रा.१	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.१ वै.३	वै.	वै.२ शू.२
वश्य	च.	च.	च.	च.	च.२ न.२	नर	न.३ ज.१	ज.	ज.	व.	व.	व.१ न.३	नर	नर
योनि	अश्व.	गज	छाग	सर्प.	सर्प.	श्वान	मार्जार.	छाग.	मार्जार.	मूषक	मूषक	गौ.	महिष	व्याघ्र
राशीश	मं.	मं.	मं.१ शु.३	शु.	शु.२ बु.२	बु.	बु.३ चं.१	चं.	चं.	सू.	सू.	सू.१ बु.३	बु.	बु.२ शु.२
गण	देव	मनु.	राक्ष.	म.	दे.	म.	दे.	दे.	रा.	रा.	म.	म.	दे.	रा.
नाड़ी	आ.	म.	अं.	अं.	म.	आ.	आ.	म.	अं.	अं.	म.	आ.	आ.	म.

नक्षत्र	स्वा.	वि.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	श्र.	ध.	श.	पू.भा.	उ.भा.	रे.
अक्षर	रू.रे. रो.ता.	ती.तू. ते.तो.	न.नी. नू.ने.	नो.या. यि.यू.	ये.यो. भ.भी.	भू.ध. फा.ढा.	भे.भो. ज.जी.	खी.खू. खे.खो.	ग.गी. गू.गे.	गो.स. सी.सू.	से.सो. द.दी.	दू.थ. झ.ञ.	दे.दो. च.ची.
राशि	तु.	तु.३ वृ.१	वृ.	वृ.	ध.	ध.	ध.१ म.३	म.	म.२ कुं.२	कुं.	कुं.३ मी.१	मी.	मी.
वर्ण	शू.	शू.३ ब्रा.१	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.१ वै.३	वै.	वै.२ शू.२	शू.	शू.३ ब्रा.१	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	नर	न.३ की.१	कीट	कीट	नर	नर।। च.३।।	च.	च.१।। ज.२।।	ज.२ न.२	नर	न.३ ज.१	ज.	ज.
योनि	महिष	व्याघ्र	मृग.	मृग.	श्वान.	मर्कट.	नकुल	मर्कट	सिंह	अश्व.	सिंह	गो.	गज
राशीश	शु.	शु.३ मं.१	मं.	मं.	बृ.	बृ.	बृ.१ श.३	श.	श.	श.	श.३ बृ.१	बृ.	बृ.
गण	दे.	रा.	दे.	रा.	रा.	म.	म.	दे.	रा.	रा.	म.	म.	दे.
नाड़ी	अं.	अं.	म.	आ.	आ.	म.	अं.	अं.	मं.	आ.	आ.	म.	अं.

वर्णगुणाः। वरस्य १

कन्यायाः

वर्ण	ब्रा.	क्ष.	वै.	शूद्र
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्री	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

ग्रहमैत्रीगुणाः। वरस्य ५

ग्र.मै.	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
सू.५	५	५	४	५	०	०	
चं.५	५	५	१	४	।।	।।	
मं.	५	४	५	।।	५	३	।।
बु.	४	१	।।	५	।।	५	४
बृ.	५	४	५	।।	५	।।	३
शु.	०	।।	३	५	।।	५	५
श.	०	।।	।।	४	५	५	५

वैश्यगुणाः। वरस्य २

कन्यायाः

वैश्य	च.	मा.	ज.	व.	की
चतुष्पद	२	१	१	५	१
मानव	१	२	१	०	१
जलचर	१	१	२	१	१
बनचर	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

गणगुणाः। वरस्य ५

कन्यायाः

गण	देव	मनुष्य	राक्षस
देव	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	०	०	६

तारागुणाः। वरस्य ३

तारा	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
२	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
३	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
४	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
५	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
६	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
७	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
८	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
९	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३

नाड़ीगुणाः। वरस्य ८

कन्यायाः

नाड़ी	आद्य	मध्य	अन्त्य
आ.	०	८	८
म.	८	०	८
अं.	८	८	०

मेलापके विशेषः।

अज्ञातजन्मनां नृणां नागभं परिकल्पयेत्।
तेनैव चिन्तयेत् सर्व राशिकूटादिजन्मवत्।। १ ।।
जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामाधिष्ण्येन नामभम्।। व्यत्येन
यदा योज्य दम्पत्योर्निधन भवेदिति।। २।।

अथ सामान्यविवाहकृत्यम्।

विवाहकृत्यं सकलं विवाहभैर्विलोकयेच्चैव बलं हिमद्युतेः। नवत्रिष्ठेऽह्नि विवाहपर्वतो न वर्णको मंडपतैलमंगलम्।।
अथ प्रथमं कन्यातैलं पश्चात्तैल वरस्य। इदं रात्र्याः प्रथमयामे इति।।

गुण गणना विचार उदाहरणम्। वर का नाम रामचन्द्र है और कन्या का नाम पुष्पकुमारी है तो वर के दूसरे आधे चित्रा नक्षत्र के तीसरे चरण से देखा और कन्या के हस्त नक्षत्र से देखा तो जोड़ १६ मिले बस यही इतने गुण बने। इसी प्रकार और भी जानना।

कन्यायां नक्षत्राणि / वरस्य नक्षत्राणि →	अ.	भ.	कृ.१	कृ.३	रो.	मृ.२	मृ.२	आ.	पु.३	पु.१	पु.	आश्ले.	म.	पू.फा.	उ.फा.१	उ.फा.३
अ.	२८	३३	२८॥	१८॥	२१॥	२२॥	२६	१७	१८	२२॥	३१॥	२७	२०॥	२६	१७॥	११
भ.	३४	२८	२६	१६	२२॥	१३॥	१७	२६	२६	३०॥	२३॥	२४॥	२१	१६	२८	२१॥
कृ. १	२७॥	२७॥	२८	१६॥	६	१५॥	१६	२०	२१	२५॥	२६॥	२३॥	१७॥	२१	२२	१५॥
कृ. ३	१८॥	१८॥	१६	२८	१६	२५॥	१६॥	१७॥	१८॥	२२	२३	२०	१६॥	२३	२४	२१
रो.	२३॥	२३॥	१०	१६	२८	३६	२७	२३॥	२३॥	२७	२६	१३	१२॥	२६॥	२८	२५
मृ. २	२२॥	३॥	१५॥	२७॥	३४	२८	२०	२५	२३॥	२६	१६	२२	२१॥	१७॥	२५॥	२३॥
मृ. २	१७	८	२१	१८॥	२५॥	२०	२८	३३	३१॥	१६॥	१०॥	१५॥	२४	२०॥	२८॥	३०॥
आ.	१६	२७	२१	१८॥	२४॥	२६	३४	२८	२५	१३	२०॥	१३॥	२३॥	२६॥	२२॥	२४॥
पु. ३	१६	२६	२२	१६॥	२३॥	२४॥	३२॥	२४	२८	१६	२३	१६॥	२२॥	२७॥	२१॥	२३॥
पु. १	२१॥	२८	२३॥	२०	२४	२५	१६	१०॥	१४॥	२८	३५	२८॥	१५॥	२०	१४॥	१७
पु.	३०॥	२१॥	२६॥	२३	२४	१७	१०	१८	२१॥	३५	२८	३०	१८॥	१४॥	२३॥	२६
श्ले.	२५	२३॥	२२॥	१६	१२	२१	१३	१२	१५	२८॥	२८॥	२८	१५	१५॥	१७॥	२०॥
म.	२१	२१	१७॥	१८॥	११॥	१६॥	२२॥	२२॥	२१॥	१६॥	१८॥	१६	२८	३०	२६॥	१६॥
पू.फा.	२७	१६	२१	२२	२५॥	१७॥	२०॥	२८॥	२७॥	२२॥	१६॥	१६॥	३०	२८	३४	२४
उ.फा. १	१८॥	२७	२२	२३	२७	२५॥	२८॥	२१॥	२१॥	१६॥	२५॥	१८॥	२६॥	३४	२८	१८
उ.फा. ३	१३	२१॥	१६॥	२१	२५	२३॥	३०॥	२३॥	२३॥	१६॥	२८॥	२१॥	१७॥	२५	१६	२८
ह.	११	२०	१६॥	२१	२६	२६	३३	२३॥	२३॥	१६॥	२८॥	२३॥	१७॥	२२॥	१७	२६
चि. २	१३	६	१६	२५॥	२०	१२	१६	२६	२४॥	२०॥	१२॥	२६॥	२३॥	६॥	१५॥	२४॥
चि. २	२२॥	१६॥	२८॥	२३॥	२०	१२	१३	१०	१८॥	२०	१२	२६	२५॥	१०	१७॥	१७॥
स्वा.	२७॥	२६॥	१७॥	१२॥	१६॥	२७	२७	२६	२६॥	२८	२८	१५॥	१३॥	२५॥	२५॥	२५॥
वि. ३	२२॥	२२॥	२०॥	१५॥	१०॥	१८॥	१६॥	२१	२१	२२॥	२१॥	१६	१७॥	१६॥	१८॥	१७॥
वि. १	१६॥	१६॥	१४॥	१६॥	१४॥	२२॥	१३	१४॥	१४॥	१६	१८	१५॥	२१॥	२३॥	२१॥	१८
अनु.	२४॥	१४॥	१६॥	२४॥	२७	२०॥	११	१६	२१॥	२६॥	१८	२१	२४॥	२०॥	२६॥	२६
ज्ये.	१२	१८॥	२४॥	२६॥	२२	२२॥	१३	३	६॥	१०॥	२०	२६	३१	२३॥	१६॥	१३
मू.	१२	२०	२४॥	१६	१३	१४	२१	१५	१२	८॥	१७	२४	२५	१६	६॥	१३
पू.षा.	२७	२०	१६	१३॥	२०	१२	१८	२६	२६	२३॥	१३॥	१७॥	२१	१६	२७	२७
उ.षा. १	२५॥	२७	१४	८॥	११॥	१८	२४	२६	२६	२३॥	२४॥	६॥	११॥	२७	२८	२८॥
उ.षा. ३	२८	२६॥	१६॥	१४	१७	२२॥	२०॥	२२॥	२२॥	२७	२८॥	१३	६॥	२२	२३	२६
श्र.	२७	२६	१३॥	१०	१७	२६	२३॥	२१	२३॥	२८	२६	१५	६॥	१८॥	२०॥	२३॥
ध. २	२०॥	१०	२६	२३॥	२०	१२	८॥	१७॥	१७॥	२२	१३	२८	१८॥	५॥	१२॥	१६
ध. २	२०	११	२६	३०॥	२७॥	१६	१०	१६	१६	१४	५	२०	२५॥	११॥	१६॥	१७॥
श.	१५	२१	२८	३२॥	२५॥	२५	१८	१०	१०	७॥	१५	२०	२६॥	२०॥	१३॥	११॥
पू. भा. ३	१८	२५	२०	२४॥	३१॥	३१॥	२४॥	१७	१७	१३॥	२०	१४	१६॥	२५॥	१६॥	१५॥
पू. भा. १	१४॥	२१॥	१६॥	१६	२६	२६	२५॥	१८	१८	१८	२५	१८॥	१६॥	२२॥	१४॥	१६॥
उ. भा.	२४॥	१५॥	१८॥	२१	२५	१७	१६॥	२५॥	२७	२६	१६	२०	१७॥	१५॥	२५॥	२७॥
रे.	२५	२४॥	११॥	१४	१७	२६	२५॥	२४	२५॥	२४॥	२७	१३	१२	२२	२२	२४॥

ह.	चि. २	चि. २	स्वा.	वि. ३	वि. १	अनु.	ज्ये.	मू.	पू. षा.	उ.षा. १	उ.षा. ३	श्र.	ध. २	ध. २	श.	पू.भा. ३	पू.भा.-१	उ.भा.	रे.
९	१३	२२॥	२६॥	२२॥	१९॥	२६॥	१५	१३	२७	२४॥	२६	२४	२१	२१	१५	१६	१४॥	२४॥	२६
१९	६	१४॥	२९॥	२२॥	१९॥	१७॥	१९॥	२०	२०	२७	२८॥	२६	१०	१०	२०	२४	२२॥	१६॥	२८
१५॥	१८॥	२७॥	१५॥	१९॥	१६॥	२०॥	२६॥	२४॥	१९	१४	१५॥	१०॥	२५	२५	२७	१९॥	१७॥	१९॥	११॥
२१	२३॥	२२॥	१०॥	१४॥	२१॥	२५॥	३१॥	२०	१३॥	९॥	१४	१०	२३॥	२९॥	३१	२३॥	२०	२२	१४
२६	२०	१९	१५॥	९॥	१६॥	३०	२४॥	१४	२०	११॥	१७	१८	२०	२६	२४॥	३०॥	२७	२६	१९
२७	१३	१०	२५	१७॥	२३॥	२२॥	२५॥	१५	११	१८	२१	२४॥	१३	१९	२७	२९॥	२६॥	१७	२७
३४	२१	१४	२७	१९॥	१४	११	१३	२३	१८	२४	२०॥	२५	१२	१३	२१	२३॥	२७॥	१७	२७
२४॥	२७	२०	२७	२०	१३॥	१७	४	१६	२७	२७	२२॥	२२॥	१७	१८	११	१६	१९	२७	२७
२४॥	२५॥	१८॥	२७	२१	१३॥	२०॥	५	१३	२६	२७	२७॥	२३॥	१७॥	१८॥	११	१७	१९॥	२७॥	२८
१८	२०॥	२०	२७	२०	१९	२६	१०॥	८	२०॥	२१॥	२८॥	२७	२१	१२॥	७	११	१७	२५	२५॥
२७	१२	११॥	२६	२१	२०	१९	२२	१७	११॥	२२॥	२६	२५	१३	४॥	१४॥	१८	२४	१८	२७
२०॥	२६	२५॥	११॥	१६॥	१५॥	२०	२६	२२॥	१६॥	८॥	१२	१३	२७	१८॥	१८॥	१२॥	१८॥	२०	१२
१६॥	२२॥	२५॥	११॥	१७॥	२४॥	२६॥	३४	२४	२१	११॥	५॥	४॥	१८॥	२४॥	२५॥	१८॥	१७॥	१८॥	१२
२२॥	८॥	११॥	२५॥	१९	२६	२४॥	२४॥	१९	१९	२७	२१	१८	४॥	११॥	१९॥	२४॥	२३॥	१६॥	२४॥
१६॥	१४॥	१७॥	२६॥	१७॥	२४॥	३०॥	१९॥	१०॥	२७	२८	२२	२०	११॥	१८॥	१२॥	१५॥	१५॥	२६॥	२४॥
२५॥	२४॥	१६॥	२५॥	१६॥	१८	२७	१३	१५॥	२८॥	२९॥	२६	२५	१६॥	१६॥	१०॥	१४॥	१८	२९	२७
२८	२७	१९	२६॥	१७॥	१९॥	२६	१२	१४	२६	२७॥	२३	२४	१९	१९	८॥	१४॥	१९	२७	२७
२७	२८	२०	१९	२६॥	२८	११	२५	२८	१३	२१	१७॥	१९	१८	१८	२४	१८॥	२२	११	२१
२०	२१	२८	२७	३४॥	२४॥	७॥	२१॥	२८	१३	२१	२५॥	२७	२६	२०	२६	२०॥	१५	४	१३
२७॥	२१	२८	२८	२०	१०	२३॥	१८॥	२३	२६	१८	२२॥	२३॥	२७	२१	२०	२५	२०॥	२०	१३
१८॥	२७॥	३४॥	१८	२८	१८	१७	२१॥	२८	२१	१३	१७॥	१७॥	३२॥	२६॥	२६	२२	१६॥	१३॥	५
१९	२८	२३॥	८	१७	२८	२७	३१॥	२३॥	१६॥	९॥	१२	१२	२७	२७	२६॥	२२॥	२१	१८	९॥
२७	१२	७॥	२२॥	१७	२८	२८	३१	१६॥	१४॥	२२	२५	२६	१२	१२	२२	२४॥	२४	१८	२७
१२	२५॥	२०॥	१७॥	२०॥	३१॥	३०	२८	१५	१७॥	१७॥	२०	२०	२१	२५	१८	११	१०॥	२१	२१
१३	२७	२७	२१	२७	२४॥	१६॥	१६	२८	२७	२५॥	१५॥	१५॥	२१॥	२५	२१॥	११	१७॥	२५॥	२७
२६	११	११	२६	१९	१८॥	१८॥	१९॥	२७	२८	३४	२४	२३॥	८	१५॥	२२॥	२९॥	३२॥	२३॥	३२॥
२७॥	२०	२०	१९	१२	११॥	२५॥	१९॥	२५॥	३४	२८	१८	१५	१५॥	२२॥	२२॥	२८॥	३१॥	३२॥	२३॥
२५	१७॥	२४॥	२३॥	१६॥	१४	२८	२२	१६॥	२५	१९	२८	२५	२५॥	१७॥	१७॥	२३॥	३०॥	३२॥	२३॥
२४॥	१८॥	२५॥	२३	१६॥	१४	२८	२३	१६	२५॥	१५	२४	२८	३०	२०॥	१८	२३	३२॥	३१	२४॥
१७॥	१६॥	२४॥	२६	३०	२८	१४	२८	२१	९॥	१६॥	२५॥	२१	२८	१८॥	२३॥	२१	२६॥	१५	२२॥
२१	१८	१९	२२	२५॥	२८	१२	२६	२९॥	१६॥	१३॥	१८॥	२१	२०	२८	३३	२८॥	१८॥	७॥	१४॥
८॥	२६	२६	१९	२६	२६॥	२१	१९	२२॥	२३॥	२३॥	१८॥	१८॥	२५	३३	२८	१९	६	१७॥	१६॥
१७॥	१८॥	१९॥	२८	२१	२१॥	२७॥	१२	१५॥	३०॥	२९॥	२४॥	२५॥	२०॥	२७॥	१९	२८	१८	२३	२०॥
१८॥	१९॥	१२॥	१९॥	१४	२१	२७	११॥	१५	३१	३०॥	२८॥	३०॥	२५॥	१७	७॥	१६॥	२८	३३	३०॥
२६	९॥	५	१९॥	१२	१९	२०	२२	२४	२२॥	३१॥	२९॥	२९॥	१४॥	६	१६	२१॥	३३	२८	३४
२६॥	२०॥	१३॥	११॥	५॥	१२॥	२७	२२	२७	३०	२१	१९	२२॥	२२॥	१४	१६	१८	२८॥	३३	२८

।। श्री विक्रम संवत् २०७२ शाके १९३७ का मासादि तथा राश्यादि फल ।।

।। चैत्र शुक्ल पक्ष का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में जौ, चना, मटर आदि अन्न का भाव साधारण रहेगा। रसात्मक पदार्थों में तेजी रहेगी। गुड़, चीनी, वनस्पति, घी आदि में तेजी रहेगी। साग, सब्जी के भाव में तेजी रहेगी। सोना, चाँदी, लोहा, पीतल एवं सोने से बने आभूषण के भाव में मन्द रहेंगे। तेलहन और दहलन में तेजी दीख पड़ेगी। शेयर बाजार का भाव सामान्य रहकर ऊँचा उठेगा। मुद्रा स्फीति बढ़ेगी। असामयिक वृष्टि उपल वृष्टि से जहाँ तहाँ कृषक वर्ग त्रस्त रहेगा। कहीं-कहीं किसी महामारी के प्रकोप की सम्भावना रहेगी।

।। वैशाख मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेंहूँ, जौ, चना, आदि अन्नादि के भाव मन्द रहेंगे। दूध, दही रस वाले पदार्थ गुड़, शक्कर, फल, सब्जी आदि के भाव में उतार चढ़ाव दीख पड़ेगा। अलसी, सरसों, तेल, तेलहन, घृत के भाव सामान्य रहेंगे। किराना के भाव में उतार चढ़ाव का रुख रहेगा। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव में तेजी दीख पड़ेगी। रूई, सूती, ऊनी, रेशमी वस्त्रों के भाव में तेजी दीख पड़ेगी। शेयर बाजार में सामान्य स्थिति बनी रहेगी। वर्षा का अभाव होगा। गर्मी अधिक पड़ेगी। लू, तेज आँधी, अग्निकाण्ड की घटनायें घटने की सम्भावना रहेगी। कहीं-कहीं पेयजल का संकट रहेगा। अनेक रोगों से मनुष्य पशु पीड़ित दिखाई पड़ेंगे।

।। ज्येष्ठ मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेंहू, जौ, चना, मटर, मूँग, मसूर आदि खाद्यान्नों के भाव सामान्य रहेंगे। फल, दूध, दही, रस वाले पदार्थ का भाव पूर्ववत् बना रहेगा। घी, तेल, अलसी, गुड़ के भाव सम रहेंगे। लाल पदार्थ वस्त्र, तम्बाकू के भाव सस्ते होंगे। चीनी, चावल, सूती तथा रेशमी वस्त्र मँहगे होंगे। श्रृंगार प्रसाधन सामग्री मँहगी होगी। सोना, चाँदी आदि धातुओं एवं सर्राफा बाजार में मँहगी का रुख रहेगा। शेयर बाजार के भाव ऊँचे होंगे। प्रजा में परस्पर द्वेश कलह की भावना रहेगी। अग्निमय दुर्घटना आदि होंगे। मध्यम वर्षा के योग हैं। चक्रवात से जनमानस की हानि सम्भव है। वायु वेग प्रबल रहेगा। गर्मी पड़ेगी। जनता पशु अनेक रोगों से परेशान दिखेंगे।

।। शुद्ध आषाढ़ कृष्ण पक्ष से अधिक आषाढ़ शुक्ल पक्ष का फल ।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में खाद्य पदार्थ मँहगे होंगे। उपभोक्ता वस्तुयें यथा चावल, चीनी, दलहन, तेलहन, गेहूँ, तेल, घी, मँहगे होंगे। रूई अलसी का भाव कम होगा। गोरस सब्जी फल के भाव तेज होंगे। गृह निर्माण सम्बन्धी सामान तथा मशीनरी उद्योग में सामान्य सस्ती होगी। सोना, चाँदी आदि सर्राफा का भाव सामान्य रहेगा। सूती, रूई, कपास के वस्त्र श्रृंगार की वस्तु सामान्य रहेगी। किराना के भाव में तेजी दीख पड़ेगी। शेयर बाजार स्थिर रहकर नीचे आने की सम्भावना रहेगी। अनेक रोगों से मनुष्य पशु में भय व्याप्त रहेगा। कहीं-कहीं वर्षा के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा।

।। अधिक आषाढ़ कृष्ण पक्ष से शुद्ध आषाढ़ शुक्ल पक्ष का फल ।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में समस्त खाद्य पदार्थों के भाव मँहगे होने की सम्भावना रहेगी। उपभोक्ता वस्तुयें, तेलहन, दलहन, गोरस के उत्पादन में वृद्धि होगी। ईंधन, लकड़ी, कोयला आदि के मूल्यों में वृद्धि की सम्भावना रहेगी। सोना, चाँदी, सर्राफा के भाव सामान्य रहेंगे। अनेक बीमारियों से मनुष्य पशु पीड़ित दिखाई पड़ेंगे। वर्षा अच्छी होगी लेकिन खण्ड वृष्टि के कारण तथा बाढ़ से जन-धन की हानि सम्भव है।

।। श्रावण मास का फल ।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेहूँ, जौ, चना, मूँग, मटर, सरसों, तिल, उड़द आदि खाद्यान्नों के भाव सामान्य रहेंगे। उपभोक्ता की वस्तुओं जैसे तेल, चाय, ईंधन, कोयला, सूती वस्त्र के भाव में तेजी रहेगी। दूध, दही, रस वाले पदार्थ, साग, सब्जी, गुड़, शक्कर, फल आदि के भाव में तेजी रहेगी। रूई, कपास, रेशमी वस्त्र मँहगे होंगे। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव सामान्य रहेगा। लोहा, पीतल, ताम्बा आदि के भाव पूर्व की अपेक्षा नरम रहेगा। किराना एवं श्रृंगार के सामान सामान्य रहेंगे। शेयर बाजार में सामान्य स्थिति बनी रहेगी। वर्षा उत्तम होगी। कृषि विनाशक तत्वों का उदय होगा। पशुओं में अनेक प्रकार के रोग होंगे। प्राकृतिक आपदाओं की भी सम्भावना रहेगी।

।। भाद्रपद मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेहूँ, जौ, चना, आदि खाद्यान्न के भाव सामान्य रहेंगे। घी, तेल, तिलहन, स्नेहन के पदार्थों के भाव में तेजी दीख पड़ेगी। दूध, दही, रसवाले पदार्थ, गुड़, शक्कर के भाव में तेज

रहेंगे। सूती, रेशमी वस्त्रों के भाव सामान्य रहेंगे। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव में तेजी दीख पड़ेगी। लोहा, ताम्बा, पीतल आदि धातुओं किराना तथा श्रृंगार की वस्तुओं का भाव सामान्य रहेगा। शेयर बाजार में वृद्धि की सम्भावना रहेगी। भवन निर्माण सम्बन्धी उपकरणों में तेजी रहेगी। उत्तम वर्षा होने की सम्भावना है। अन्न को कीड़ों से भय रहेगा। शासक वर्ग में आपसी विद्वेश की भावना रहेगी जिससे प्रजा कष्ट का अनुभव करेगी।

।। आश्विन मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेहूँ, जौ, चना, मूँग, मटर आदि खाद्यान्नों के भाव मन्द रहेंगे। पीले पदार्थ मँहगे होंगे। जूट, रूई के भाव में वृद्धि होगी। दलहन, तेलहन, रंगीन वस्त्र, इमारती सामान, काष्ठ उपकरण के भाव में तेजी रहेगी। दूध, दही रस वाले पदार्थ फल, सब्जी के भाव में तेजी रहेगी। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव में तेजी रहेगी। किराना, मेवा, श्रृंगार की वस्तु मँहगे होंगे। शेयर बाजार सामान्य रहेगा लेकिन उसका रुख ऊँचा रहेगा। लवड़ादि, क्षार, वस्तु, तिल, तेल, सरसों, रूई, सूत, मोती, रेशमी वस्तु, सुपाड़ी, सन बेसर, कपूर के मूल्य में वृद्धि रहेगी। प्राकृतिक आपदाओं से जनता में भय व्याप्त रहेगा। शासकों में मन मुटाव की भावना रहेगी। वायु वेग से यत्र-तत्र वर्षा की सम्भावना रहेगी।

।। कार्तिक मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेहूँ, जौ, चना आदि खाद्यान्न के मूल्यों में कमी रहेगी। दूध, दही, रसवाले पदार्थ, गुड़, शक्कर, फल, सब्जी के मूल्य में गिरावट रहेगी। अलसी, सरसों, तेल, घी, पीली वस्तुओं के भाव में तेजी रहेगी। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। लोहा, ताम्बा, पीतल आदि धातुओं के भाव में वृद्धि दिखेगी। किराना, मेवा, श्रृंगार के वस्तुओं के भाव में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। इमारती सामान मँहगे रहेंगे। शेयर बाजार के भाव में तेजी का रुख रहेगा। व्यापारी वर्ग सुखी रहेगा। यत्र-तत्र वर्षा की सम्भावना रहेगी।

।। मार्गशीर्ष मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेहूँ, जौ, चना इत्यादि धान्यादि का भाव सामान्य रहेगा। दूध, दही, रस वाले पदार्थ, शक्कर, गुड़, फल, सब्जी के भाव पूर्व की अपेक्षा मन्दी का रुख रहेगा। अलसी, सरसों, तिल, तेल, घी आदि के भाव में तेजी रहेगी। पीली वस्तु श्रृंगार के सामान किराना मेवा मँहगे होंगे। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव में तेजी रहेगी। शेयर बाजार में तेजी का रुख रहेगा। इमारती सामान पूर्व की अपेक्षा मन्दी रहेगी। अनेक रोग से चौपाये परेशान दिखेंगे। कहीं-कहीं वायु वेग से वर्षा की सम्भावना रहेगी। सीत की अधिकता रहेगी।

।। पौष मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में खाद्य पदार्थों का मूल्य सामान्य रहेगा। तिल, सरसों, अलसी, तेल, घी आदि के भाव में तेजी रहेगी। दूध, दही, रस वाले पदार्थ, गुड़, शक्कर, फल, सब्जी के भाव सामान्य रहेंगे। सोना, चाँदी, सर्राफा के भाव सामान्य रहेंगे। कोयला, काष्ठोपकरण, पत्थर, लोहा, पीतल, ताम्बा आदि के भाव तेजी होकर मन्दी का रुख रहेगा। पीले वस्तु श्रृंगार के सामान किराना मेवा, सूती, ऊनी, वस्तु मँहगे होंगे। ओला, तुषार, हिमपात से फसल को हानि हो सकती है। सीत का प्रकोप रहेगा। छोटे बालकों को कष्ट की सम्भावना रहेगी।

।। माघ मास का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में धान्यादि का भाव सामान्य रहेगा। धान्यादि का उत्पादन संतोषजनक रहेगा। उपभोक्ता सामग्री के मूल्य सामान्य रहेंगे। रसवाले पदार्थ, घी इत्यादि मँहगे होंगे। अलसी, सरसो, तिल, स्नेहन पदार्थ, किराना, मेवा, श्रृंगार की वस्तुओं के भाव में तेजी रहेगी। निर्माण सामग्री मँहगे होंगे। सोना, चाँदी आदि सर्राफा का भाव सामान्य रहेगा। लोहा, ताम्बा, पीतल आदि के भाव सामान्य रहेंगे। सूती, ऊनी वस्त्रों के भाव में तेजी रहेगी। वर्षा एवं उपलवृष्टि से हानि सम्भव है। शीत लहर का प्रकोप रहेगा।

।। फाल्गुन तथा चैत्र कृष्ण पक्ष का फल।।

चन्द्र दर्शन के आधार पर इस मास में गेहूँ, जौ, चना आदि धान्यादि के भाव में मन्दी रहेगी। दलहन, तेलहन, दूध, दही, रस वाले पदार्थ, गुड़, शक्कर, फल, सब्जी के भाव सामान्य रहेंगे। रेशमी वस्त्र मँहगे होंगे। किराना, मेवा, श्रृंगार की वस्तु के भाव में तेजी रहेगी। सोना, चाँदी आदि सर्राफा के भाव में तेजी का रुख रहेगा। लोहा, ताम्बा, पीतल, काष्ठोपकरण, इमारती सामान के भाव में तेजी रहेगी। शेयर बाजार में घटा-बढ़ी की स्थिति रहेगी। कहीं-कहीं वायुवेग से वर्षा व उपलवृष्टि से फसलों को नुकसान पहुँच सकता है। अनेक रोगों से मनुष्य पशु परेशान दिखेंगे।

○○○

।। मेषादि राशि वालों का फल।।

मेष : मेष राशि वालों के लिये यह वर्ष कष्टदायक रहेगा क्योंकि शनि का अढ़ैया इस राशि पर चल रहा है। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। शारीरिक सुख सामान्य रहेगा। भाई बन्धुओं से आपसी कटुता की भावना रहेगी। परिवार में मांगलिक कृत्य होंगे। बाल बच्चों की उन्नति होगी। अध्ययन अध्यापन प्रतियोगिताओं में सफलता की संभावना रहेगी। आकस्मिक चोट-चपेट की संभावना रहेगी। किसी निर्माण कार्य के अवसर मिलेंगे। भूमि विवाद में धन व्यय होगा। न्यायालय के कार्यों में आशाकूल सफलता नहीं मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ करना पड़ेगा। योजनाओं में फेर-बदल करने की स्थिति रहेगी। विरोधी बढ़ेंगे। वर्ष के ४, ८, १२ मास नेष्ट हैं।

वृष : वृष राशि वालों के लिये यह वर्ष उत्तम रहेगा। शारीरिक एवं आर्थिक कार्यों में लाभ की सम्भावना रहेगी। व्यापार तथा साझीदार के कार्यों में सफलता रहेगी। बाल-बच्चों की पठन-पाठन में उन्नति रहेगी। नौकरी के कार्यों में उन्नति मिलने की सम्भावना रहेगी। माता-पिता को तीर्थ यात्रा करने का अवसर मिलेगा। घर में मांगलिक कार्य होंगे। न्यायालय के कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी भी कार्य में परिश्रम करने के बाद भी सफलता संदिग्ध रहेगी। पत्नी का स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। सुख साधन उपलब्ध होंगे। आकस्मिक दुर्घटना की सम्भावना रहेगी। मित्रों का अभ्युदय होगा। भाईयों की उन्नति होगी। वर्ष के १, ५, ९ मास नेष्ट हैं।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिये यह वर्ष सामान्य रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आर्थिक कार्यों में लाभ की सम्भावना रहेगी। न्यायालय के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। विरोधियों का पराभव होगा। बाल-बच्चों का अध्ययन सुचारू रूप से चलेगा। प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की सम्भावना रहेगी। घर में मांगलिक कृत्य होंगे। भाई-बन्धुओं से मेल-मिलाप की भावना रहेगी। कभी चोट-चपेट लगने का भय बना रहेगा। किसी निकट सम्बन्धी के निधन से कष्ट की सम्भावना रहेगी। वर्ष के २, ६, १० मास नेष्ट हैं।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिये यह वर्ष सामान्य रहेगा। शारीरिक स्थिति उत्तम रहते चिंताग्रस्त रहेगी। व्यापार एवं साझीदार के कार्यों में लाभ की सम्भावना रहेगी। न्यायालय के कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाटन के कार्यों में सफलता रहेगी। नौकरी के कार्यों में सफलता के साथ-साथ पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। मन में शुभ विचारों का उदय होगा। परिवार में मांगलिक कृत्य होंगे। नई योजनाओं पर कार्य होगा जिससे आय के नये स्त्रोत खुलेंगे। व्यायाधिक्य के कारण आर्थिक स्थिति प्रायः असंतुलित रहेगी। निर्माण के कार्यों में अवरोध का सामना करना पड़ेगा। विरोधियों का पराभव होगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वजनों से सम्बन्धों में कटुता की सम्भावना रहेगी। वर्ष के ३, ७, ११ मास नेष्ट हैं।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिये यह वर्ष शारीरिक सुख की दृष्टि से सामान्य रहेगा। शनि की अढ़ैया का प्रभाव रहेगा। आर्थिक स्थिति अनुकूल नहीं रहेगी। विरोध प्रबल होंगे। धन का अपव्यय होगा। त्रुटि पूर्ण कार्य होंगे। उच्च अधिकारियों से विरोध सम्भव है। यात्रा में भय बना रहेगा। कठिन श्रम के बाद भी महत्त्वपूर्ण कार्य में सफलता संदिग्ध रहेगी। मांगलिक कार्यों में धन का व्यय होगा। वाहन से चोट-चपेट की सम्भावना रहेगी। न्यायालय के कार्यों में सफलता संदिग्ध रहेगी। व्यर्थ की भाग दौड़ लगाना पड़ेगा। नौकरी के कार्यों में पदोन्नति में रुकावट देखने को मिलेगा। वर्ष के ४, ८, १२ मास नेष्ट हैं।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिये यह वर्ष सामान्य रहेगा। शारीरिक सुख की दृष्टि से शुभदायक रहेगा। ऐश्वर्य की वृद्धि होगी। वाहन सुख का योग है। आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी। प्रभावशाली कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मित्रों की सहायता प्राप्त होगी तथा विरोधियों का पराभव होगा। भ्रातृवर्ग को कष्ट की सम्भावना रहेगी। मानसिक संताप तथा किसी शोककारी घटना घटने की सम्भावना रहेगी। निर्माण कार्य में धन व्यय होगा। न्यायालय सम्बन्धी कार्यों में अनुकूलता रहेगी। बच्चों के पठन-पाठन के कार्यों में कुछ अवरोध के लक्षण दिखाई देंगे। माता-पिता को तीर्थ यात्रा का अवसर प्राप्त होंगे। वर्ष के १, ५, ९ मास नेष्ट हैं।

तुला : तुला राशि वालों के लिये यह वर्ष उत्तम नहीं है। क्योंकि शनि की साढ़ेसाती है। अतः शरीर में चिंतायें और मानसिक तनाव की सम्भावना रहेगी। आर्थिक दृष्टि में कमी की सम्भावना रहेगी। व्यापार तथा साझेदारी के कार्यों में अवरोध उत्पन्न दिखाई देगा। परिवार में आपसी मतभेद दिखाई पड़ेगा। लोगों से शत्रुता अनायास बढ़ेगी। बाल-बच्चों तथा स्त्री के रोग में व्यर्थ का अर्थ व्यय होगा। माता-पिता को किसी धार्मिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। दाम्पत्य जीवन कटुतापूर्ण रहेगा। न्यायालय के कार्यों में व्यर्थ का भागदौड़ होता रहेगा। परन्तु आशातीत सफलता नहीं मिलेगी। वर्ष के २, ६, १० मास नेष्ट हैं।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिये यह वर्ष उत्तम नहीं रहेगा। शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव उग्रतर होता जायेगा। अतः शारीरिक तथा मानसिक चिन्तायें घेरे रहेंगी। भाई बन्धुओं में आपसी मतभेद रहेगा। निर्माण कार्यों में अवरोध उपस्थित होंगे। शासन से भी भय की आशंका रहेगी। पत्नी का स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। गृहसुख संतान सुख की कमी की सम्भावना रहेगी। प्रवासी जीवन व्यतीत करना होगा। व्यवसाय एवं नौकरी से वांक्षित लाभ नहीं होगा। न्यायालय के कार्यों में व्यर्थ की भागदौड़ एवं वांक्षित सफलता नहीं मिलेगी। हनुमान जी के आराधना एवं सुन्दर काण्ड रामायण का पाठ करने से अशुभ फल का निवारण होगा।

धनु : धनु राशि वालों के लिये यह वर्ष उत्तम नहीं रहेगा। शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा। अतः शारीरिक तथा मानसिक तनाव के कारण कष्ट की सम्भावना रहेगी। धन उपार्जन में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। व्यापार में अल्प लाभ की सम्भावना रहेगी। ऋण भार बढ़ेगा। स्वजनों से निरर्थक मतभेद होगा। माता-पिता स्त्री बच्चों में रोग से पीड़ा होगी। व्यापार या साझीदार के कार्यों में सफलता या वांक्षित लाभ नहीं मिलेगा। विरोधियों से कष्ट होगा। धार्मिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। अशुभ फल के निवारण के लिय शनिवार का व्रत हनुमान जी की आराधना करना चाहिये। वर्ष के ४, ८, १२ मास नेष्ट हैं।

मकर : मकर राशि वालों के लिये यह वर्ष सुखदायक रहेगा। अनेक भौतिक सुख, स्त्री सुख की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी। कृषि कार्य तथा व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति की सम्भावना रहेगी। आर्थिक योजनायें सफल रहेगी। पठन-पाठन एवं अध्ययन कार्य में बाधा उपस्थित होगी। संतान पक्ष से कष्ट की सम्भावना रहेगी। भ्रातृवर्ग की उन्नति एवं सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। माता-पिता को धार्मिक कार्यों का अवसर प्राप्त होगा। मित्रों का अभ्युदय होगा। कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। वर्ष के १, ४, ६ मास नेष्ट हैं।

कुम्भ : कुम्भ राशि वालों के लिये यह वर्ष शारीरिक एवं आर्थिक दृष्टि से सामान्य सुखदायक रहेगा। कुछ विरोधियों का प्रभाव बढ़ने की सम्भावना रहेगी। शत्रु एवं रोग पर अर्थ व्यय की स्थिति रहेगी। न्यायालय के कार्यों में प्रतिकूल फल रहेगा। भूमि विवाद में धन की हानि होगी। अपमान जनक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। किसी नये व्यापार की योजना सफल होगी। अध्ययन अध्यापन या लेखन कार्यों में लाभ की सम्भावना रहेगी। वर्ष के २, ६, १० मास नेष्ट हैं।

मीन : मीन राशि वालों के लिये यह वर्ष उत्तम रहेगा। शारीरिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार की सम्भावना रहेगी। भाई-बन्धु में मेल-जोल रहेगा। न्यायालय के कार्यों में सफलता मिलेगी। बाल-बच्चों को पठन-पाठन का अवसर मिलेगा। नौकरी के कार्यों में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। स्त्री एवं संतान सुख बाध युक्त रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक सम्पर्क बढ़ेंगे। न्यायालय के कार्यों में अनुकूलता दीख पड़ेगी। वर्ष के ३, ७, ११ मास नेष्ट हैं।

ooo

योनिगुणाः। वरस्य ४

योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	३	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	२	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	२	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूषक	३	३	३	१	२	०	४	३	३	२	२	२	१	१
गौ	३	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	२	३	३	१	४	२	२	१
वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	१	२
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	१	१	२	१	१	२	२	४

अथ गुणानामैक्येन ग्राह्याग्राह्यविचारः।

गुणैः षोडशभिर्निन्द्य मध्यमा विंशतिस्था। श्रेष्ठं त्रिंशद्गुणः यावत्परतस्तूमोत्तमम्। सद्भकटे इति ज्ञेयं दुष्टकटेऽथे कथ्यते। निन्द्यं गुणैर्विंशतिभिर्मध्य बाणाधिकै स्मृतम्।। तत्परैः पञ्चभिः श्रेष्ठं ततः श्रेष्ठतरं गुणैः इति।। आवश्यके-व्यर्के ताम्रसु वर्णमकष्टरिपुके गोयग्ममर्थाङ्ककेरौप्यं कास्यमथैकनाडियुजि गोस्वर्णादि दत्त्वोद्वहेत्।

अथ राज्ञां खड्गविवाहः

शशाकपञ्चाङ्गसंशुद्धौ सौम्यायने विवाहभे। राज्ञो गोपधूलिके लग्ने खड्गोद्वाहः प्रशस्यते।।१।। अथोद्वाहानन्तरं मंडपोद्वासनम्। युग्मे घस्रे षष्ठहीने च पञ्चसप्ताहे कार्यं शुभवारे।।

भकूटगुणाः। वरस्य ७

कन्यायाः

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
मे.	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृ.	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मि.	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
क.	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिं	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कं.	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तु.	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृ.	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
ध.	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
म.	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कु.	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०
मी.	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	०

अथ ग्रहमेलापकविचारः।

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजः। कन्या भ्रार्तृविनाशाय भर्ता पत्नीविनाशकृत्।। इद लग्नेन्दुभ्या विचार्यम्।। एवं कन्याजन्मकुण्डल्या लग्नचन्द्राभ्यां १।४।७।८।१२ स्थानेषु कश्चित् पापग्रहोधिकारवास्तिष्ठे त्रदाप्यनिष्टः। सप्तमेशोऽष्टषष्ठरिष्केषु गतोऽनिष्टः। अथैतेषा वरकुण्डल्यां परिहारः —जामित्रे च यदा शौरिर्लग्ने वा हिबुकेऽयवा। अष्टमें द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।। शनिभौमोऽथवा कश्चित्पापो वा तादृशो भवेत्। तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।। एव यावान् पापग्रहः कन्याया नेष्टस्थानस्थितो भवेत्तावानेव ततोऽधिको वा वरस्यापि कुण्डल्यां दृष्ट्वा शुभदो वाच्यः नान्यथा। कन्यायाः सप्तमभावनाथशुक्रादिसौम्यग्रहाणा शुभस्थानस्थित्यादिना सौभाग्ययोगश्च विलोक्य इति।।

अथ संक्षेपतो यज्ञोपवीतधारणप्रयोगः

यज्ञोपवीतान्युदकेन प्रक्षाल्यानन्तरमाचम्य प्राणानायम्य।। संकल्प।। अद्येत्यादि मम श्रौतस्मार्तकर्मा नुष्ठानुसिद्ध्यर्थं तथा च आमुककर्माङ्गत्त्वेन नवीनयज्ञोपवीतधारणमह करष्यिे, इति संकल्पः।। यज्ञोपवीतानि करसंपुटे दशगायत्रीमन्त्रैः अभिमन्त्रयेत्।। तदनन्तरम्।। ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्त्। आयुष्यमग्रय प्रतिमुंचशुभ्रं यज्ञोपवीत बलमस्तु तेजः।। ॐ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।। इति मन्त्रौ पठित्वा पृथक् पृथक् यज्ञोपवीतानि सव्यहस्तद्वारा धार्याणि। प्रतियज्ञोपवीतधारणान्ते आचम्य पश्चात् यथाक्ति गायत्रीर्जपेत्।। ततो जीर्णयज्ञोपवीतत्यागः कार्यः। अर्पणर्म।। अनेन नवयज्ञोपवीत धरणार्थेकृतेन यज्ञाशक्तिगायत्रीजापारूयेन कर्मणा श्रीसूर्यनारायणः प्रीयतां मम।। ॐ तत्सत्।।

नैसर्गिकग्रहमैत्रीचक्रमिदम्।

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	च. मं. बृ.	सू.बु.	सू.च. बृ.	सू.शू.	सू.चं. म	बु.श.	बु.शु.
सम	बु.	म.बृ. शु.श.	शु.श.	म.बृ. श.	शनि	म.बृ.	बृ.
शत्रु	श.शु.	०	बु.	चन्द्र	बु.शु.	सू.चं.	चं मं. सू.

ग्रहस्वामी

ग्रह	सू.	च.	म.	बु.	बृ.	शु.	श	रा	के
स्वामी	शिव	पार्व.	स्वा.	वि.	ब्रह्मा	इंद्र	यम	का	वि

लग्नप्रमाणम्।

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
३	४	५	५	५	५	५	५	५	५	४	३
३८	११	३	४३	४७	३८	३८	४७	४३	३	११	३८

मंगलीबोधकचक्रम्।

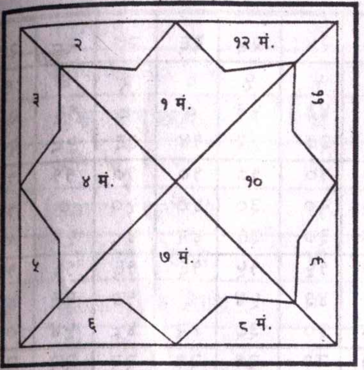

कार्याकार्य-विचारप्रश्नः।

दिशा प्रहरसंयुक्तास्तारका- वारमिश्रिताः
अष्टभिस्तु हरेन्द्भागं शेषं प्रश्नस्य लक्षणम्।। १।।
पंचैके त्वरिता सिद्धिः षट्तुर्ये च दिनत्रयम्।।
त्रिसप्तके विलम्बश्च द्वौ चाष्टौ न सिद्धिदौ।। २।।

पृच्छक का मुख जिस दिशा में हो वह दिशा, नक्षत्र और वार इनको जोड़कर ८ का भाग दे, १। ५ बचे तो शीघ्र सिद्धि हो, ६। ४ बचे तो ३ दिन में सिद्धि हो, ३। ७ बचे तो देर से सिद्धि हो और अगर २। ८ बचे तो कार्य कदापि सिद्ध नहीं होगा।

सर्वकष्टनाडीचक्रम्

आदि	मध्य	अंत
आर्द्रा	पुन.	पुष्य
पू.फा.	मघा	श्लेषा
उ.फा.	हस्त	चित्रा
अनुराधा	विशाखा	स्वाती
ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.
घनिष्ठा	श्रवण	उ.षा.
शतभिष.	पू.भा.	उ.भा.
भरणी	अश्वि.	रेवती
कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा

अथात्र युजिभचक्रमिदम्।

रेवती अशिव. भ. कृ. रो. मृ.
पूर्व भाग ६ पति श्रेष्ठ
आर्द्रापुन. पुष्य श्ले. म. पू. फा. उ. फा. ह. चि. स्वा. वि. ऽनु.
मध्यमभाग १२ द्वयोः सुमति
ज्ये. मू. पू. षा. उ. षा. श्र. ध. श. पू. भा. उ. भा.
परभाग ९ कन्या श्रेष्ठ

अथ द्रेष्काणबोधचक्रम्।

राश्यादि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	बृ.	ध.	मं.	कुं.	मी.
ग्रहादि	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
अंशादि	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
ग्रहादि	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.
अंशादि	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०
ग्रहादि	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.
अंशादि	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०

अथ हद्दाबोधचक्रम्

राश्यादि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	बृ.	ध.	मं.	कुं.	मी.
स्वामी	बृ.	शु.	बु.	मं.	बृ.	बु.	श.	मं.	बृ.	बु.	बु.	शु.
अंशादि	६	८	६	७	६	७	६	७	१२	७	७	१२
स्वामी	श.	बु.	शु.	शु.	शु.	शु.	बु.	शु.	शु.	बृ.	शु.	बृ.
अंशादि	६	६	६	६	५	१०	८	५	४	७	६	४
स्वामी	बु.	बृ.	बु.	बु.	श.	बृ.	बृ.	बु.	बु.	शु.	बृ.	बु.
अंशादि	८	८	५	६	७	४	७	८	४	८	७	३
स्वामी	मं.	श.	मं.	बृ.	बु.	मं.	शु.	बृ.	मं.	श.	मं.	मं.
अंशादि	५	५	७	७	६	७	७	५	५	४	५	९
स्वामी	श.	मं.	श.	श.	मं.	श.	मं.	श.	श.	मं.	श.	श.
अंशादि	५	३	६	४	६	२	२	६	४	४	५	२

अथ नवमांशबोधचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	अं.	क.
मं.	श.	शु.	चं.	मं.	श.	शु.	चं.	मं.	श.	शु.	चं.	३	२०
शु.	श.	मं.	सू.	शु.	श.	मं.	सू.	शु.	श.	मं.	सू.	६	४०
बु.	बृ.	बृ.	बु.	बु.	बृ.	बृ.	बु.	बु.	बृ.	बृ.	बु.	१०	०
चं.	मं.	श.	शु.	चं.	मं.	श.	शु.	चं.	मं.	श.	शु.	१३	२०
सू.	शु.	श.	मं.	सू.	शु.	श.	मं.	सू.	शु.	श.	मं.	१६	४०
बु.	बु.	बृ.	बृ.	बु.	बु.	बृ.	बृ.	बु.	बु.	बृ.	बृ.	२०	०
शु.	चं.	मं.	श.	शु.	चं.	मं.	श.	शु.	चं.	मं.	श.	२३	२०
मं.	सू.	शु.	श.	मं.	सू.	शु.	श.	मं.	सू.	शु.	श.	२६	४०
बृ.	बु.	बु.	बृ.	बृ.	बृ.	बु.	बृ.	बृ.	बु.	बु.	बृ.	३०	०

नृदूरबोधकचक्रम्

भोमिनीजन्मनक्षत्राद्द्वितीयं पतिजन्मभम्। न शुभं भर्तृनाशाय इत्युक्तं रुद्रयुक्तं रुद्रयामले। परिहारः-भित्रक्षं राश्येक भिन्नङ्ध्रयैक मतेर्योगणखगौ नाड़ीनृदूरं च। अन्यद्विशेषः-वश्याभावे तथाऽन्योन्यं ताराशुद्धौ परस्परम्। न चेत्वष्ठाष्टमेदोषस्तदा षष्ठाष्टमः शुभः। हीनवर्णौ यदा राशी राशीशो वर्ण उत्तमः। तदा राशीश्वरो ग्राह्यस्तद्राशिं नैव चिन्तयेद्। नृदूर दोषो दक्षिणदेशे त्याज्यो न मध्यदेशे।

चन्द्रकुण्डली तो मंगलीज्ञानम्।

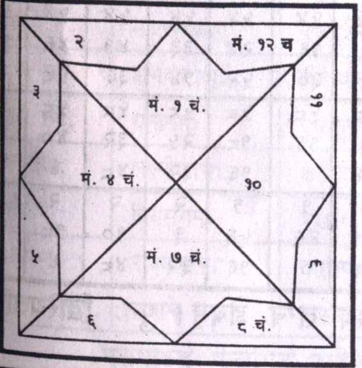

अथ वर्षे मुद्दादशाचक्रम्

सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	दशास्वामि
०	१	०	१	१	१	१	०	२	मासाः
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०	दिनानि

मुद्दादशानयनम्-जन्मर्क्षसंख्यासहिता गताब्दी दृगूनिता नन्दहृतवाशेषात्। आ. चं. कु. रा. जी. श. बु. के. शु. पूर्वा भवन्ति मुद्दादशिका क्रमोऽयम्।। १।।

दिनदशाकुंडलीचक्रम्।

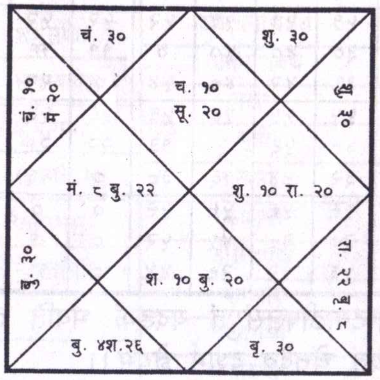

निष्कलंककुंडलीचक्रम्

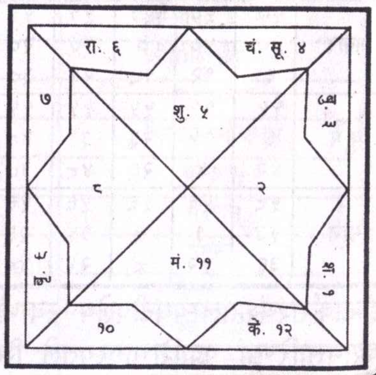

अथ लक्ष्मणपुर्यां लग्नसारिणीयम्।। इष्टार्कराश्यंशतले घटीपलं स्वाभीष्टनाडीपलसंयुतं च। यद्राशिभागस्य तले स्थितं भवेत्तदेव लग्नं च कलानुमानात्।। १ अस्यार्थः लग्नसारिण्यां

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
मेष	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
	३२	३९	४७	५४	१	८	१६	२२	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५
	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४०	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०
वृष	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
	३३	४२	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	०६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	११
	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	१६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०
मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६
	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	४२	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	१३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२९	४०
	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००
कर्क	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२
	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६
	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	३४	१८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०
सिंह	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८
	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	१४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७
	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०
कन्या	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३
	१८	२९	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२२	३४	४५
	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०
तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९
	५६	७	१९	३०	४१	५२	४	१२	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९
	२६	५२	८	१४	४०	५६	१२	२८	४४	०	३४	८	४२	१६	५०	४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४८	२०
वृश्चि.	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५
	४०	४२	४	१५	२७	३८	४०	१	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३
	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०
धनु	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०
	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०
	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०
मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४
	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	११	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१७	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८
	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	६	१५	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	२०	२७	३४	४१	४९	५६	३	११	१८	२५	३२	४०	४७
	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०
मीन	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२
	५४	१	९	१६	२३	३०	३८	४५	५२	८	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	३	१०	१८	२५
	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४१	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०

इष्टार्कराश्यंशतलस्यघटीपलेष स्वाभीष्टनाडीपलसंयुतं यदङ्कं भवति तद्द्विस्थं कार्य तत्र लग्नसारिण्यां यद्राशिभागस्य तले स्थितं भवेत्तदेव लग्नं ज्ञेयम्। पुनः द्विस्थितांकः दशमसारिण्यां यद्राशिभागस्यतले स्थितं चेत्तदेव दशर्म ज्ञेयम।।

अक्षरों पर अंगुली रखवाकर प्रश्न का लिखित उत्तरबोधक-चक्र।

ॐ	सुखसौभाग्यप्राप्ति	ओ	दुःखशोकना, कार्यसि	ञ	संतानविरोधहानि	ब	धननाश, शोक
अ	सर्वकार्यसिद्धिः प्राप्ति	औ	कार्यनाश मित्रविरोध	ट	लाभ, साधनसिद्धि	भ	सुख, पुत्रलाभ
आ	शोकसंतापदुःखादि	अं	दुःख, शोक	ठ	लाभ, साधनसिद्धि	म	कीर्त्तिनाश
इ	अतिसुख, रोगनाश	अः	पशुभय	ड	शोकवृद्धि	य	धनधान्यप्राप्ति
ई	द्रव्यलाभ, कार्यसिद्धि	क	राज्यमानलाभ	ढ	वैधव्याधिसंताप	र	विरोध, हानि
उ	संतापवियोगदुःखादि	ख	धनक्षय, रोगवृद्धि	ण	सकलविद्याद्रव्यलाभ	ल	धनागम, रोगप्राप्ति
ऊ	क्षितिलाभ, कार्यसिद्धि	ग	कार्यसिद्धि, मित्रप्रीति	त	जलाशयलाभ	व	धनक्षय, अरिष्ट
ऋ	सुवर्णप्राप्ति	घ	कार्यसिद्धि, मित्रदर्शन	थ	कार्यहानि, रोग	श	अर्थागम
ॠ	व्याधिसंतापमित्रविरोध	ङ	कार्यनाश क्लेश	द	धर्मलाभ, सुखप्राप्ति	स	धान्यागम, धनप्राप्ति
लृ	मित्रलाभ, आनंद	च	राजमान, वृद्धि	ध	धनप्राप्ति, सुखप्राप्ति	स	धान्यागम, धनप्राप्ति
ल	व्याधि, कार्यहानि	छ	कार्यसिद्धि	न	लाभ, आनंदप्राप्ति	ह	धनप्राप्ति
ए	सर्वऋद्धि, सुखप्राप्ति	ज	हानि, कार्यनाश	प	अपव्यय, कष्ट	क्ष	सर्वसिद्धि, लाभ
ऐ	बंधुविरोध, रोग	झ	पशुलाभ	फ	धनलाभ	०	इत्यक्षरप्रश्नम्

अङ्ग के प्रत्येक हिस्से के फड़कने का फल।

स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्
मस्तकस्फुर	पृथ्वीलाभः	नेत्राकोपाङ्गदे	कलत्रलाभः	हस्तस्फुरण	सुद्रव्यलाभ	गुदस्फुरणे	वाहनप्राप्तिः
ललाटस्फुर	स्थानलाभः	नासिकायां २	प्रीतिसुखम्	वक्षसिस्फु.	विजयः	वृषणस्फु.	पुत्रलाभः
स्कंधस्फुर	भोगसमृद्धि	ओष्ठस्फुर	प्रियवस्तुलाभः	हृदयस्फुरण	वांछितसिद्धि	बस्तिदेशो	अभ्युदयम्
भ्रुवोर्मध्ये	सुप्रियाप्तिः	हनुदेशेस्फु.	महन्द्भयम्	कठ्यांस्फु.	प्रमोदो बलं च	उरस्फुरण	सद्वस्त्रलाभः
भ्रुवोर्युग्मे	महत्सौख्यम्	कंठदेशेस्फु.	ऐश्वर्यलाभः	कठ्चं पार्श्वे	प्रीतिमनुत्तमाम्	जानुनीस्फु.	शत्रुसंधिः
कर्णे २ स्फु.	शुभवार्ताश्रुतिः	ग्रीवायांस्फु.	रिपुजभयम्	नाभिस्फु.	स्थाननाशः	जंघास्फु.	स्वाभ्यादेशः
नेत्रद्वये स्फु.	धनागमः	पृष्स्फुरणे	युद्धपराजयः	आंत्रकस्फु.	कोशवृद्धिः	अन्यस्थाने	शुभागमः
नेत्रकोणयोः	लक्ष्मीलाभः	कपोलस्फु.	वराग्डंनाप्तिः	भंगस्फुरण	कन्याप्राप्तिः	चरणोपरि	स्थानलाभः
नेत्रसमीपे	प्रियसंगमः	मुखस्फुरण	मधुरभोजनम्	कुक्षिद्वयेस्फु.	सुप्रीतिलाभः	पदभ्यांस्फु.	अलाभम्
नेत्रपक्षस्फु.	राज्यलाभः	बाहुस्फुरण	मित्राप्तिः	उदरस्फुरण	कोशप्राप्तिः	पादतलेस्फु.	नृपत्वमिति
नेत्रपक्ष २ स्फु.	संग्रामे जयः	बाहोर्मध्ये	धनागमः	लिंगस्फुरण	स्त्रीलाभः	इति।।	

पुरुषोक्तं फलमिदं स्त्रीणां वैपरीत्यम्। दक्षिणाङ्ग शुभं पुंसा ब्रामाङ्ग योषितां तथा। इति

शरीर के किसी भी भाग पर छिपकली के गिरने का फल

स्थानम्	फलम्
शिरसि	राज्यलाभः
ललाटे	बंधुदर्शनम्
भ्रूमध्ये	राज्यसम्मानम्
उत्तरोष्ठे	धननाशः
अधरोष्ठे	धनैश्वर्यलाभः
नासाग्रे	व्याधिपीडनम्
दक्षिणकर्णे	आयुर्वृद्धिः
वामकर्णे	बहुलाभः
नेत्रयोः	बन्धनप्राप्तिः
दक्षिणभुजे	नृपतुल्यताः
वामभुजे	राजभीतिः
कंठे	शत्रुनाशः
स्तनद्वये	दौर्भाग्यम्
उदरे	भूषणलाभः
पृष्टदेशे	बुद्धिनाशः
जानुद्वये	शुभागमः
जंघद्वये	शुभाब्रह्म
हस्तद्वये	वस्त्रलाभः
स्कंधयोः	विजयी भवेत्
नाभौ	बहुधनाप्तिः
कटिभागे	अश्वलाभः
दक्षिणमणिबंध	मनस्तापो धननाशः
वाममणिबंधे	कीर्तिवित्तविवर्धनं
नखेषु	धान्यलाभः
मुखे	मिष्ठान्नभोजनम्
गुल्फयोः	बन्धनम्
केशान्ते	मरणम्
दक्षिणपादे	गमनन्
वामपादे	वन्धुनाशः
पादमध्ये	स्त्रीनाशः।
पादन्ते	मरणं भवेत्

रोगावलीचक्रम्।

अ.	६	०	७	११	खीरखांड़	स्वा.	११	११	१०	१२	वस्त्र दान
भ.	१५	४०	०	११	महिषी	वि.	१४	१५	११	३०	गोदान
कृ.	६	११	७	२१	नवग्रह	अनु.	०	४५	१३	१२	गोवत्स
रो.	४	६	११	३०	अन्नदान	ज्ये.	०	०	१५	१५	गोकृष्णा
मृ.	३०	७	२८	१	मूँगादान	मू.	१	१२	२५	३०	घीखांड़
आ.	०	८	०	२	घीखांड़	पू.	०	२०	६०	४५	मुक्तादान
पु.	७	११	७	२१	गोदान	उ.	१५	२०	१५	४०	भोजन
पु.	७	२१	२०	२१	आमान्न दान	श्र.	११	१५	४५	४२	सप्तान्न तैल
श्ले.	०	०	०	०	अजादान	ध.	११	२०	४५	४५	कांस्यदान
म.	२०	१३	१७	३०	घीखांड़ दान	श.	११	०	६	४५	गोदान
पू.	७	७	१७	२७	गोदान	पू.	०	१४	२०	०	गोरस दान
उ.	७	१४	१६	१४	अन्नदान	उ.	७	११	११	१४	मूंगादान
ह.	१५	१४	७	१०	अलोना	रे.	०	१५	४५	३४	रूपादान
चि.	११	०	८	३	तिलगुड़ दान	अभि.	१५	२०	६०	४५	सप्तान्न दान

अथ प्रस्तानचक्रम।

पू.	द.	प.	उ.	दिशा
७	५	३	२	दिन

अथ हलप्रवाहमुहूर्तम्।

तिथि	१।५।७।८।१०।११।१३
वार	चन्द्र, बुध गुरु, शुक्र
नक्षत्र	मू. म. चि. स्वा. पु. अ. ध. श. उ. ३ रो. कृ. रे. चि. अनु. ह. अश्वि. पुन.

सूर्यभात् द्वारचक्रम्

४	८	८	३	४	न.
शु.	अ.	शु.	अ.	शु.	फ.

मेषादिराशिजवधूवरयोर्वटोश्च तैलादिलेपनविधौ कथतात्र संख्या।
शैला दिशः शरदिगक्ष. नगाद्रिबागणवाणाक्षवाणगिरयो विवुधैस्तु कैश्चित्।।

मेषादि राशिवाले वर, कन्या और यज्ञोपवीतवाले वटु के तेल और उबटन लगाने की संख्या चक्रानुसार जानना चाहिए।

वर कन्या के तेल आदि की संख्या।

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मीन
संख्या	७	१०	५	१०	५	७	७	५	५	५	५	७

गोधूलिकाल।

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्ततों स्याद्अर्घास्तेतपसमये गोधूलिः। संपूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ।।१।।

हेमन्तऋतु (जाड़े के चार महीनों) में जब सूर्य गोला सा दिखाई देने पर और तप समय (गर्मी के चार महीनों) में सूर्य आधा अस्त होने पर तथा जलधरमालाकाल (वर्ष के चार महीनों) में पूर्ण सूर्यास्त होने पर गोधूलिकाल होता है।।१।।

गोधूलि समय में त्याज्य दोष।

अस्तंवाते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ। कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।२।।

बृहस्पति के दिन सूर्यास्त होने पर और शनैश्चर के दिन सूर्यास्त होने के पूर्व गोधूलिकाल होता है। लग्न से आठवें, छटे और लग्न में चन्द्रमा के होने से कन्या का नाश और लग्न से सातवें, आठवें या लग्न में मंगल के होने से वर का नाश होता है। लग्न से ग्यारहवें, दूसरे और तीसरे चन्द्रमा के होने से वर-वधू को सुख होता है।। २।।

त्रिराशिपाः।

लग्न	में.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मीन
दिवा	र.	शु.	श.	शु.	ब.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	बृ.	चं.
रात्रौ	बृ.	चं.	बु.	मं.	र.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	बृ.	चं.

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रम्

रविभाद्गणना कार्या

स्थानम्	नक्षत्रं संख्या	फलम्
मुखे	१	अग्निदाहः
पूर्वदिशा	४	उद्वसनम्
दक्षिणे	४	लाभः
पश्चिमें	४	लक्ष्मीलाभः
उत्तरे	४	कलहः
गर्भे	४	विनाशः
गुदे	३	शुभम्
कण्ठे	३	स्थिरत्वंशुभम्

शनैश्चर का विचार

शनैश्चरस्य राश्यन्तरगमनदिने जन्मराशितश्चन्द्रे यत्संख्यातुल्ये तद्वशेन पादं ज्ञेयम्। यथा-जन्माङ्ग रुद्रेन्द्र।१।६।११ सुवर्णपादम् द्विपंचनन्दै २।५।९ रजतस्य पादम्। त्रिसप्तदिक् ३।७।१० ताम्रपदं वदन्ति वेदाष्टसार्केष्विह ४।८।१२ लौहपादम्।। फलम्-लौहे धन विनाशःस्यात्सर्व-सौख्यञ्च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्य रजते भवेत्।।

बर्षसारिणीयम्। गताब्कोष्ठांकेषु जन्मवारादिसंयोजनाद्वर्षप्रवेशे वारादिः स्वात्।

गताब्दाः	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
गताब्दाः	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०
वार	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६
घटी	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६
पल	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५
विपल	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गताब्दाः	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३
वार	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६
घटी	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८
पल	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

गताब्दाः	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३
वार	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	४	५	६
घटी	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२
पल	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९
विपल	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
गताब्दाः	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६
वार	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६
घटी	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३	४९	४
पल	४६	१८	४९	२१	४२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गताब्दाः	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९
वार	०	१	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५
घटी	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४८	३	१९	३४	५०	५	२१	३६
पल	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८
विपल	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

अथ विवाह मास समयः- मकर, वृश्चिक, मिथुन, वृष, कुंभ के सूर्य में विवाह हो तो कन्या सुख सौभाग्यवती हो। माघ में हो कन्या धनवती हो। फाल्गुन में सौभाग्यवती हो। वैशाख व ज्येष्ठ में पति को प्यारी हो, और अषाढ़ में हो तो कुल की वृद्धि हो, ये ही भाव शुभ हैं लेकिन मार्गशीर्ष, कार्तिक व चैत्र में भी सूर्यों की राशिस्थित होने से हो जाता है। परन्तु कार्तिक, चैत्र, मार्गशीर्ष आदि मास मध्यम हैं।

अथ ग्रहाणं दशा ३ तथा दृष्टिस्तथा वर्ष संख्या।

ग्रहा.	रवि	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
विंशोत्तरी १२०	०६	१०	०७	१७	१६	२०	१९	१८	७
अष्टोत्तरी १०८	०६	१५	०८	१७	१९	२१	१०	१२	०
योगिनीदशा ३६	पि.२	मं.१	भ्रा.४	भ.५	धा.३	सि.७	उ.६	सं.८	०
ग्रहाणां १ पाददृष्टिः	३।१०	३।१०	०।७	३।१०	४।८	३।१०	५।९	०	०
द्विपाददृष्टिः	५।९	५।९	३।१०	५।९	०।७	५।९	४।८	०	०
त्रिपाददृष्टिः	४।८	४।८	५।९	४।८	३।१०	४।८	०।७	०	०
संपूर्णदृष्टिः	०।७	०।७	४।८	०।७	५।९	०।७	३।१०	०	०
ग्रहाणां वर्षाणि	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	१२	४२
नवग्रहोपायः	हरि-वंश	त्रिपुर	रुद्री जाप	कांस्य दान	आ. मान्न	गोप्र तिमा	मृत्युं-जय	भुज गदान	ध्वजा दान
ग्रहाणां रत्नानि	माणिक	मोती	मूँगा	पन्ना	पुष्प रोग	वज्र	नीलम	गोमेद	लह निया
ग्रतव्यराशेः फल दाः पुरस्तात्	आदि	३ घ.	८	३	६	७	६	२	२
काल प्रमाणम्	आदि	अंत्य	आदि	सदा	मध्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य
ग्रहाणां दानम्	धेनु	शंख	रक्त वृषभ	सुवर्ण	पीता-वर	श्वेत घोडा	श्याम गऊ	खड्ग	अज

जन्मलनेश और अष्टमेश के चरादि राशि में होने से दीर्घादि आयु।

अल्पायुः	मध्यायुः	दीर्घायुः
चरभे १ लग्नेशः द्विस्वभावभे ३ रन्ध्रेशः	चरभे १ लग्नेशः स्थिरभे २ अष्टमतेशः	चरभे १ लग्नेशः चरभे १ अष्टमेशः
अल्पायुः	**मध्यायुः**	**दीर्घायुः**
स्थिरभे २ लग्नेशः स्थिरभे २ रन्ध्रेशः	स्थिरभे २ लग्नेशः चरभे १ रन्ध्रेशः	स्थिरभे २ लग्नेशः द्विस्वभावभे ३ अष्टमेशः
अल्पायुः	**मध्यायुः**	**दीर्घायुः**
द्विस्वभावमे ३ लग्नेशः चरभं १ रन्ध्रेशः	द्विस्वभावभे ३ लग्नेशः द्विस्वभावभे ३ रन्ध्रेशः	द्विदेहभे ३ लग्नेशः स्थिरभे २ अष्टमेशः

गर्भिणीप्रश्नः

कान्ताभिधानृ गुणित मुनीन्द्रैस्तिथ्यायुतं नागहृतं च शेषम्।। समे च कन्या विषमें च पुत्रो निःशेष भागं मरणाय नूनम्।। १।। अन्यच्च। नखद्वयं गर्भिणिनामधेयं तिथिप्रयुक्तं शरसंयुतं च।। एकेन हीनं नवभागधेय समे कुमारी विषमें च पुत्रः।। २।। तिथिवार च नक्षत्रं गर्भिणीनामसंयुतम्।। सप्तभिस्तु हरेद्भागं शेषांके फलमादिशेत्।। १।। ओजे पुत्रः ममे कन्या निःशेषे मरणं ध्रुवम्।

गुर्वादित्य का विचार- बृहस्पति की राशि के सूर्य और सूर्य की राशि के गुरु हों तो उसे गुर्वादित्य कहते हैं, यह सब कामों में वर्जित है। जैसे मीन और धन का सूर्य है और सिंह का बृहस्पति है तो गुर्वादित्य हुआ। ऐसी दशा में जनेऊ-चविवाहादि सब शुभ काम वर्जित हैं। ऐसा सभी विद्वज्जनों का मत है।

अथ दशमसारिणीयम्।

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
मकर	३ ४७	३ ५७	४ ७	४ १८	४ २९	४ ४०	४ ५१	५ १	५ १२	५ २३	५ ३३	५ ४३	५ ५३	६ ३	६ १३
कुंभ	९ २	९ १२	९ २२	९ ३२	९ ४२	९ ५२	१० २	१० १२	१० २२	१० ३१	१० ४१	१० ५०	१० ५९	११ ५	११ १८
मीन	१३ ४६	१३ ५५	१४ ४	१४ १४	१४ २३	१४ ३२	१४ ४१	१४ ५१	१५ ०	१५ ९	१५ १७	१५ २९	१५ ३७	१५ ४६	१५ ५६
मेष	१८ २४	१८ ३३	१८ ४२	१८ ५२	१९ १	१९ १०	१९ १९	१९ २८	१९ ३८	१९ ४८	१९ ५८	२० ९	२० १८	२० २८	२० ३७
वृष	२३ १७	२३ २७	२३ ३७	२३ ४७	२३ ५७	२४ ७	२४ १७	२४ २७	२४ ३७	२४ ४८	२४ ५९	२५ ९	२५ २०	२५ ३१	२५ ४२
मिथु	२८ ३५	२८ ४४	२८ ५२	२८ ५९	२९ ९	२९ १७	२९ २८	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३२	३० ४३	३० ५५
कर्क	३३ ४६	३४ ९	३४ १८	३४ २९	३४ ४०	३४ ५१	३५ १	३५ १२	३५ २३	३५ ३३	३५ ४३	३५ ५३	३६ ३	३६ १३	३६ २३
सिंह	३९ २	३९ १२	३९ २२	३९ ३२	३९ ४२	३९ ५२	४० २	४० १२	४० २२	४० ३१	४० ४१	४० ५०	४० ५९	४१ ८	४१ १८
कन्या	४३ ४६	४३ ५५	४४ ४	४४ १४	४४ २३	४४ ३२	४४ ४१	४४ ५१	४५ ०	४५ ९	४५ १८	४५ २८	४५ ३६	४५ ४६	४५ ५६
तुला	४८ २४	४८ ३३	४८ ४२	४८ ५२	४९ १	४९ १०	४९ १९	४९ २९	४९ ३८	४९ ४८	४९ ५८	५० ८	५० १८	५० २८	५० ३८
वृश्चि	५३ १७	५३ २७	५३ ३७	५३ ४७	५३ ५८	५४ ७	५४ १७	५४ २७	५४ ३७	५४ ४८	५४ ४९	५५ ९	५५ २०	५५ ३२	५५ ४२
धनु	५८ ३४	५८ ४५	५८ ५५	५९ ८	५९ १७	५९ २८	५९ ३८	५९ ४८	० ०	० १०	० २२	० ३२	० ४३	० ५४	१ ५
अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४

अंशाः	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
मकर	६ २३	६ ३३	६ ४३	६ ५३	७ ३	७ १३	७ २३	७ ३३	७ ४३	७ ५३	८ २	८ १२	८ २२	८ ३४	८ ४२
कुंभ	११ २७	११ ३६	११ ४५	११ ५५	१२ ५	१२ १३	१२ २२	१२ ३२	१२ ४१	१२ ५०	१३ ०	१३ ८	१३ १८	१३ २५	१३ ३७
मीन	१६ ४	१६ १४	१६ २३	१६ ३३	१६ ४२	१६ ५२	१७ १	१७ १०	१७ १९	१७ २८	१७ ३८	१७ ४७	१७ ५६	१८ ५	१८ १५
मेष	२० ४८	२० ५८	२१ ८	२१ १८	२१ २८	२१ ३८	२१ ४८	२१ ५८	२२ ७	२२ १७	२२ २७	२२ ३७	२२ ४७	२२ ५७	२३ ७
वृष	२५ ५२	२६ ३	२६ १४	२६ २५	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५७	२७ ८	२७ १९	२७ २९	२७ ४०	२७ ५१	२८ २	२८ १२	२८ २२
मिथु	३१ ६	३१ १६	३१ २६	३१ ३७	३१ ४८	३१ ५८	३२ ९	३२ २०	३२ ३१	३२ ४२	३२ ५२	३३ ३	३३ १४	३३ २५	३३ ३५
कर्क	३६ ३३	३६ ४३	३६ ५३	३७ ३	३७ १३	३७ २३	३७ ३३	३७ ४३	३७ ५३	३८ २	३८ १२	३८ २२	३८ ३२	३८ ४२	३८ ५२
सिंह	४१ २७	४१ ३६	४१ ४५	४१ ५१	४२ ४	४२ १३	४२ २३	४२ ३३	४२ ४१	४२ ५०	४३ ०	४३ ९	४३ १८	४३ २७	४३ ३७
कन्या	४६ ५	४६ १४	४६ २३	४६ ३३	४६ ४१	४३ ५१	४७ ०	४७ १०	४७ १९	४७ २८	४७ ३८	४७ ४७	४७ ५६	४८ ५	४८ १५
तुला	५० ४८	५० ५८	५१ ८	५१ १८	५१ २८	५१ ३८	५१ ४८	५१ ५८	५२ ९	५२ १७	५२ २७	५२ ३७	५२ ४७	५२ ५६	५३ ७
वृश्चि	५५ ५२	५६ २	५६ १४	५६ २५	५६ ३५	५६ ४५	५६ ५७	५७ ८	५७ १९	५७ २९	५७ ४०	५७ ५१	५८ २	५८ १२	५८ २३
धनु	१ १५	१ २६	१ ३७	१ ४८	१ ५८	२ ९	२ २०	२ ३१	२ ४२	२ ५२	३ ३	३ १४	३ २५	३ ३३	३ ४६
अंशाः	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९

यह पत्रा और यहाँ की छपी हुई उर्दू, फारसी, हिन्दी और संस्कृत की पुस्तकें—तमाम पुस्तक-विक्रेताओं के यहाँ वा हमारे यहाँ मिल सकती हैं..प्र. सं. तेजकुमार बुकडिपो (प्रा.) लि. लखनऊ

अथ विंशोत्तरीमत से ग्रहों की महादशा व अन्र्दशा जानने का चक्र।

सूर्यदशा वर्ष ६				चन्द्रदशा वर्ष १०				भौमदशावर्ष ७				राहुदशा वर्ष १८				गुरुदशा वर्ष १६				शनिदशा वर्ष ११				बुधदशा वर्ष १७				केतुदशा वर्ष ७				शुक्रेदशा वर्ष २०			
कृ.उ.फा.उ.षा.				रो.हो. श्रवण				मृ.चि.ध.				आर्द्रा.स्वा.श.				पुन.वि.पू.भा.				पु.अनु.उ.भा.				श्ले.ज्ये.रे.				म.मू. अश्वि.				पू.फा.पू.वा.म.			
अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा				अन्तर्दशा			
ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.	ग्रह	व.	म.	दि.
सू.	०	१३	१८	चं	०	१०	०	मं	०	४	२७	रा.	२	८	१२	बृ	२	१	१८	श.	३	०	३	बु.	२	४	१७	के.	०	४	२७	शु.	३	४	०
चं	०	६	०	मं.	०	७	०	रा.	१	०	१८	बृ.	२	४,	२४	श.	२	६	१२	बु.	२	८	९	के.	०	११	२७	शु.	१	२	०	सू.	१	०	०
मं.	०	४	६	रा.	१	६	०	बृ.	०	११	६	श.	२	१०	६	बु.	२	३	६	के.	१	१	९	शु.	२	१०	०	सू.	०	४	६	चं.	१	८	०
रा.	०	१०	२४	बृ.	१	४	०	श.	१	१	९	बु.	२	६	१८	के.	०	११	६	शु.	३	२	०	सू.	०	१०	६	चं.	०	७	०	मं.	१	२	०
बृ.	०	९	१८	श.	१	७	०	बु.	०	११	२७	के.	१	०	१८	शु.	२	८	०	सू.	०	११	१२	चं.	१	५	०	मं.	०	४	२७	रा.	३	०	०
श.	०	११	१२	बु.	१	५	०	के.	०	४	२७	शु.	३	०	०	सू.	०	९	१८	चं.	१	७	०	मं.	०	११	२७	रा.	१	०	१८	बृ.	२	८	०
बु.	०	१०	६	के.	०	७	०	शु.	१	२	०	सू.	०	१०	२४	चं.	१	४	०	मं.	१	१	९	रा.	२	६	१८	बृ.	०	११	६	श.	३	२	०
के.	०	४	६	शू.	१	८	०	सू.	०	४	६	चं.	१	६	०	मं.	०	११	६	रा.	२	१०	६	बृ.	२	३	६	श.	१	१	९	बु.	२	१०	०
शु.	१	०	०	सू.	०	६	०	चं.	०	७	०	मं.	१	०	१८	रा.	२	४	२४	बृ.	२	६	१२	श.	२	८	९	बु.	०	११	२७	के.	१	२	०

योगिनीदशाचक्रम्।

मंगला १				पिंगला २				धान्या ३				भ्रामरी ४				भद्रिका ५				उल्का ६				सिद्धा ७				सङ्कटा ८			
श्र.आ.चि.				ध.पुन.स्वा.				श.पु.वि.				अ.श्ले.अनु.पू.भा.				भ.म.ज्येष्ठा उ.भा.				कृ.पू.फा.मू.रे.				रो.उ.फा.पू.षा.				मृ.ह.उ.षा.			
मा. १२ चन्द्र				मा. २४ सूर्य				मा. ३६ गुरु				मा. ४८ मङ्गल				मा. ६० बुध				मा. ७२ शनि				मा. ८४ शुक्र				मा. ९६ केतु			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
मं.	०	०	१०	पिं.	०	१	१०	धा.	०	३	०	भ्रा.	०	५	१०	भ.	०	८	१०	उ.	१	०	०	सिं.	१	४	१०	सं.	१	६	१०
पिं.	०	०	२०	धा.	०	२	०	भ्रा.	०	४	०	भ.	०	६	२०	उ.	०	१०	०	सिं.	१	२	०	सं.	१	६	२०	मं.	०	२	२०
धां.	०	१	०	भ्रा.	०	२	२०	भ.	०	५	०	उ.	०	८	०	सिं.	०	११	२०	सं.	१	४	०	मं.	०	२	१०	पिं.	०	५	१०
भ्रा.	०	१	१०	भ.	०	३	१०	उ.	०	६	०	सिं.	०	९	१०	सं.	१	१	१०	मं.	०	२	०	पिं	०	४	२०	घ.	०	८	०
भ	०	१	२०	उ.	०	४	०	सिं.	०	७	०	सं.	०	१०	२०	मं.	०	१	२०	पिं.	०	४	०	धा.	०	७	०	भ्रा.	०	१०	२०
उ.	०	२	०	सिं.	०	४	२०	सं.	०	८	०	मं.	०	१	१०	पिं.	०	३	१०	घा.	०	६	०	भ्रा.	०	९	१०	भ.	१	१	१०
सिं.	०	२	१०	सं.	०	५	१०	मं.	०	१	०	पिं.	०	२	२०	घा.	०	५	०	भ्रा	०	८	०	भ.	०	११	२०	उ.	१	४	०
स.	०	२	२०	मं.	०	०	२०	पिं.	०	२	०	धा	०	४	०	भ्रा.	१	६	२०	भ.	०	१०	०	उ.	१	२	०	सिं.	१	६	२०

चोरी गई वस्तु का लाभालाभ प्रश्न।

नक्षत्रसंज्ञा	नक्षत्र	प्राप्तिसंख्या	दिशागत
मन्दलो.	अ.मू.श्ले.ह.अनु.उ.षा.श.	३ दिन में	दक्षिण
मध्यलो.	भ.आ.म.चि.ज्ये.अभि.पू.भा.	१ मास में	पश्चिम
सुलोचन	कृ.पु.पू.फा.स्वा.म.श्र.उ.भा.	मिले नहीं	उत्तर
अधलो.	रो.पुष्य.उ.फा.वि.पू.षा.ध.रे.	शीघ्र मिले	पूर्व

अथ नेत्रस्फुरणफलज्ञानम्।

नेत्रस्योर्ध्वं हरति सकलं मानसं दुःखजालं नेत्रोपान्तं विशति च धनं नासिकान्ते च मृत्युः॥ पत्रस्याधः स्फुरणमसकृत्सङ्गरे भङ्गहेतुर्वामे चैतत् नेलमविकलं दक्षिणेवैपरीत्यम्॥१॥

लाभव्ययफलम् लाभव्ययौ समौ कृत्वा एकहीनं तु कारयेत्। अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्॥ लाभः सौख्यं तथा क्लेशो रोगो लोकापवादकम्। सम्मानं विजयो हानिः कथितं पूर्वसूरिभिः॥

भारतीय पर्व व्रतोपवासादि विक्रम संवत् २०७२ (सन् २०१५ - २०१६ ई०)

तारीख	माह	पर्व	तारीख	माह	पर्व
२१	मार्च	वासंती नवरात्रारम्भ	१२	अक्टूबर	पितृविसर्जन
२७	मार्च	दुर्गाष्टमी	१३	अक्टूबर	नवरात्रारम्भः शारदीय नवरात्र
२८	मार्च	राम नवमी	२१	अक्टूबर	महाष्टमी व्रतम्
०३	अप्रैल	महावीर जयन्ती	२३	अक्टूबर	विजयादशमी
२१	अप्रैल	अक्षय तृतीया	२७	अक्टूबर	शरद् पूर्णिमा
०४	मई	वैशाखी पूर्णिमा	३०	अक्टूबर	करवा चौथ
२८	मई	गंगा दशहरा	०६	नवम्बर	धनवन्तरि जयन्ती धनतेरस
२६	मई	निर्जला एकादशी	११	नवम्बर	दीपावली महोत्सव
०२	जून	कबीर जयन्ती	१२	नवम्बर	अन्नकूट, गोवर्धन पूजा
१८	जुलाई	श्री जगदीश रथयात्रा	१३	नवम्बर	भ्रातृ द्वितीया (भइया दूज)
२७	जुलाई	देवशयनी एकादशी	१४	नवम्बर	नेहरू जयन्ती (बाल दिवस)
३१	जुलाई	गुरू पूर्णिमा	१६	नवम्बर	गोपाष्टमी
१५	अगस्त	भारतीय स्वतंत्रता दिवस	२०	नवम्बर	अक्षय नवमी
१६	अगस्त	नाग पंचमी	२२	नवम्बर	प्रबोधनी एकादशी व्रतम्
२६	अगस्त	श्रावणी कर्म, रक्षाबंधनम्	२५	नवम्बर	कार्तिक पूर्णिमा, नानक जयन्ती
०३	सितम्बर	हलषष्ठी व्रतम्	०३	दिसम्बर	काल भैरवाष्टमी
०५	सितम्बर	श्री कृष्ण जन्माष्टमी	२५	दिसम्बर	क्रिसमस डे (बड़ा दिन)
१३	सितम्बर	कुशोत्पाटनी अमावस्या	१४	जनवरी	मकर संक्रान्ति, उत्तरायणे सूर्यः
१६	सितम्बर	हरितालिका तीज व्रतम्	२६	जनवरी	भारतीय गणतंत्र दिवस
१७	सितम्बर	विश्वकर्मा पूजनोत्सव	०८	फरवरी	मौनी अमावस्या
१८	सितम्बर	ऋषि पंचमी व्रतम्	१३	फरवरी	बसन्त पंचमी
२७	सितम्बर	अनन्त चतुर्दशी व्रतम्	२२	फरवरी	माघी पूर्णिमा
०२	अक्टूबर	गांधी जयन्ती	०७	मार्च	महाशिव रात्रि व्रतम्
०४	अक्टूबर	जीवित पुत्रिका व्रतम् महालक्ष्मी पूजनम्	२२	मार्च	होलिका दहन
०६	अक्टूबर	मातृनवमी	२३	मार्च	होलिकोत्सव

योगिनीचक्रम्।

ई. ८ ३०	पू. १ ६	आ. ३ ११
२ उ. १०	०	५ १३ द.
७ १५ वा.	६ १४ प.	४ १२ नै.

मूलवृक्षचक्रम्।

	श्री	
अल्पायु	५	शिखा
राजनाश	६	फल
मन्त्रीनाश	६	फूल
कुलनाश	१०	पत्र
मातानाश	११	शाखा
भाईनाश	८	त्वचा
धननाश	७	स्तंभ
मूलनाश	८	मूल

दिने चतुर्घटिकाबोधचक्रम्।

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
उ.	आ.	रो	ला.	शु.	चं.	का.
च.	क.	उ.	अ.	रो.	ला.	शु.
ला.	शु.	चं.	का.	उ.	अ.	उ.
अ.	रो.	ला.	शु.	चं.	का.	उ.
का.	उ.	अ.	रो.	ला.	शु.	चं.
शु.	चं.	का.	उ.	अ.	रो.	ला.
रो.	ला.	शु.	चं.	का.	उ.	अ.
उ.	अ.	रो.	ला.	शु.	चं.	का.

अथ सर्वघातचक्रम्।

राशयः	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
सूर्यघातः	०४	०८	१२	०५	०९	०१	०६	१०	०७	११	०२	०३
चन्द्रघातः	०१	०५	०९	०२	०६	१०	०३	०७	०४	०८	११	१२
मंगलघातः	०५	०९	०१	०६	१०	०२	०७	११	०८	१२	०३	०४
बुधघातः	०२	०६	१०	०३	०७	११	०४	०८	०५	०९	१२	०१
गुरुघातः	०६	१०	०२	०७	११	०३	०८	१२	०९	०१	०४	०५
शुक्रघातः	०७	१०	०३	०८	१२	०४	०९	०१	११	०२	०५	०६
शनिघातः	०३	०७	११	०४	०८	१२	०५	०९	०६	१०	०१	०२
राहुघातः	०८	०७	०६	०४	०५	१०	१२	०१	०२	०९	११	०३
केतुघातः	०८	०७	१०	०१	११	०५	०६	०४	०२	०३	१२	०९
करणघातः	वव	श.	च.	नां.	व.	कौ.	तै.	ग.	तै.	श.	किं.	चं.
नक्षत्रघातः	म.	ह.	स्वा.	अनु.	मू.	अ.	श.	रे.	भ.	रो.	आ.	श्ले.
तिथिघातः	नं.	पू.	म.	भ.	ज.	पू.	रि.	नं.	ज.	रि.	ज.	पू.
योगघातः	वि.	शु.	प.	धृ.	बृ.	शु.	शू.	व्य.	वै.	गं.	व्या	अ.
लग्नघातः	०१	०२	०४	०७	१०	१२	०६	०८	०९	११	०३	०५
मासघातः	का	मा	पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.
वारघातः	सू.	श.	चं.	बु.	श.	श.	बृ.	शु.	शु.	मं.	बृ.	शु.

अथ वर्षे विंशोत्तरीयमुद्दादशाचक्रम्

ग्रहाः	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.
मासाः	०	१	०	१	१	१	१	०	२
दिनानि	१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०

भद्रावास

स्वर्ग	मर्त्य	पाताल
१	४	६
२	५	७
३	११	९
८	१२	१०

चन्द्रवासचक्रम्

पू.	द.	प.	उ.
१	२	३	४
५	६	७	८
९	१०	११	१२

रात्रौ चतुर्घटिकाबोधचक्रम्।

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
शु.	चं.	का.	उ.	अ.	रो.	ला.
अ.	रो.	ला.	शु.	चं.	का.	उ.
चं.	का.	उ.	अ.	रो.	ला.	शु.
रो.	ला.	शु.	चं.	का.	उ.	अ.
का.	उ.	अ.	रो.	ला.	शु.	चं.
ला.	शु.	चं.	का.	उ.	अ.	रो.
उ.	अ.	रो.	ला.	शु.	चं.	का.
शु.	चं.	का.	उ.	अ.	रो.	ला.

सूर्यभातचुल्हीचक्रम्।

पृष्ठे	मस्तके	अंगे	मध्ये	बाह्ये
६	४	८	५	४
सुखं	मरणं	लक्ष्मी प्रा.	गर्भनाश	अमृतभोग

कालवासचक्रमिदम्।

वार	श.	शु.	बृ.	बु.	मं.	चं.	र.	०
दिशा	पू.	अ.	द.	नै.	प.	वा.	उ.	ई.

जन्मभाच्छनिवाहनविचारः।

येषां जन्मनि तारकादि गणयेत्सूर्यात्मजोभावधिं चन्द्रांक १ सहित पुनस्त्रिगुणितं पश्चाद्युगैर्भाजितम्-शेषे १ कुंजर २ वाजिनो ३ त्तमरथः ४ स्याद्वाहनं सेविका श्वेत पीतमरक्तश्यामशुभदं सौख्यं च शोकक्षयम् ।।१।।

स्वोच्चे स्वभे सवमैत्रे वा स्वांशे वर्गोत्तमै गुरुः।
रिष्काष्टतुर्यगोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभो यसत्।।
इति गुरोः परिहारः-शुभम्।

चन्द्रवासचक्रम्

उषः प्रशस्येत गर्गः शकुनं च बृहस्पतिः। अंगिराणां मनोत्साहो विप्रवाक्यं जर्नादन।।

गर्गजी के मत से ४ घड़ी रात रहे गमन करे। बृहस्पति के मत से जब अच्छा शकुन मिले तब यात्रा करे। अंगिरा के मत से जब मन चाहे तब ही चला जाय। भगवान् के मत से ब्राह्मण की आज्ञा लेकर यात्रा करने से शुभ होता है।

उत्पातादियोगचक्रम्।

वार	उत्पात	मृत्यु	काण	सिद्धि
र.	वि.	अनु.	ज्ये.	मू.
चं.	पू.षा.	उ.षा.	अभि.	श्रवण
मं.	धनि.	श.	पू.भा.	उ.भा.
बु.	रेवती	अ.	भ.	कृ.
बृ.	रो.	मृ.	आ.	पुन.
शु.	पुष्य	श्ले	मघा	पू.फा.
श.	उ.फा.	ह.	चि.	स्वा.

ग्रहराशिस्थितिचक्रम्।

ग्रह	राशि	मास
सूर्य	१	१
चंद्र	१	२। दिन
भौम	१	१।।
बुध	१	१
बृहस्पति	१	१३
शुक्र	१	१
शनि	१	३०
राहु	१	१८
केतु	१	१८

पञ्चकज्ञानम्।

अश्विन्यादि नक्षत्रों के अन्त के पाँच नक्षत्र पञ्चक के होते हैं। किसी भी मास में यदि आपको धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद होता कहीं भी मिले तो आपको जानना चाहिए कि पञ्चक है।

नवग्रह शान्ति विधिः

सूर्य देवी व बीज मंत्र	चन्द्रमा देवी व बीज मंत्र	मंगल देवी व बीज मंत्र	बुध देवी व बीज मंत्र	गुरु देवी व बीज मंत्र	शुक्र देवी व बीज मंत्र	शनि देवी व बीज मंत्र	राहू देवी व बीज मंत्र	केतू देवी व बीज मंत्र
मातङ्गी ॐ हां ही हौं सः सूर्याय नमः ॐ हों हीं सूर्याय नमः ॐ घृणिः सूर्याय नमः	कमला ॐ श्रीं श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः ॐ सों सोमाय नमः	बगुलामुखी ॐ क्रौं क्रीं क्रों सः भौमाय नमः ॐ हूं श्रींभौमाय नमः ॐ अं अंगारकाय नमः	त्रिपुर सुन्दरी ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॐ ऐं रीं श्री बुद्धाय नमः ॐ बुं बुधाय नमः	तारा ॐ गें ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः ॐ हीं क्लीं हूं बृहस्पतये नमः ॐ वृ बृहस्पतये नमः	भुवनेश्वरी ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॐ हीं श्रीं शुक्राय नमः ॐ शुं शुक्राय नमः	दक्षिण काली ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः ॐ ऐं हीं श्री शनैश्चराय नमः ॐ शं शनैश्चराय नमः	छिन्नमस्ता ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः ॐ ऐं. ह्रीं राहवे नमः ॐ रां राहवे नमः	धूमावती ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः ॐ कें केतवे नमः
जप संख्या व समय ७,००० प्रातःकाल	जप संख्या व समय ११,००० संध्याकाल	जप संख्या व समय १०,८०० सूर्योदय	जप संख्या व समय १७,००० प्रातः	जप संख्या व समय १६,००० संध्याकाल	जप संख्या व समय २१,००० सूर्योदय प्रातः	जप संख्या व समय २३,००० संध्याकाल	जप संख्या व समय १८,००० रात्रि में	जप संख्या व समय १८,००० रात्रिकाल में
यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र	यन्त्र
६ १ ८	७ २ ९	८ ३ १०	६ ४ ११	१० ५ १२	११ ६ १३	१२ ७ १४	१३ ८ १५	१४ ९ १६
७ ५ ३	८ ६ ४	९ ७ ५	१० ८ ६	११ ९ ७	१२ १० ८	१३ ११ ९	१४ १२ १०	१५ १३ ११
२ ९ ४	३ १० ५	४ ११ ६	५ १२ ७	६ १३ ८	७ १४ ९	८ १५ १०	९ १६ ११	१० १७ १२
किस दिन पूजा करें र. सो. मं. बृ. सूर्य की आराधना एवं मन्त्र का जप	किस दिन पूजा करें सोमवार शिवजी की पूजा एवं रुद्र का मंत्र जाप	किस दिन पूजा करें मंगलवार पंचमुखी हनुमान जी का पाठ एवं मंत्र जाप बजरंग बाण का पाठ	किस दिन पूजा करें बुधवार महादेव की आराधना एवं रुद्र मंत्र का जाप	किस दिन पूजा करें बृहस्पतिवार केले की पूजा एवं मंत्र का जाप	किस दिन पूजा करें शुक्रवार अष्टभुजी दुर्गा जी का मंत्र जाप	किस दिन पूजा करें शनिवार पीपल की पूजा एवं भगवान वासुदेव के मंत्र का जाप	किस दिन पूजा करें रविवार शिवजी की आराधना एवं मंत्र लघु मृत्युञ्जय जाप	किस दिन पूजा करें सोम., बुध. शिवजी की आराधना लघु मृत्युञ्जय का जाप
माणिक्य, स्फटिक	मोती, मून स्टोन	देशी मूंगा व ताँबा	पन्ना मरगज व फिरोजा	पुखराज, स्फटिक	हीरा	नीलम, जमुनिया, नाव की कील का छल्ला	गोमेद लाजवर्त काले घोड़े की नाल का छल्ला	लहसुनिया लाजवर्त
बेल की जड़	खिरनी की जड़	अवंतमूल एवं नागफनी की जड़	वरधारा की जड़	केले व हल्दी की जड़ ब्रह्मषष्टी की जड़	अरंड व अनार की जड़ सिंह पुच्छ की जड़	शमी, बिच्छुआ, श्वेत बिड़ाला की जड़	लटजीरा की जड़ सफेद चन्दन की जड़	अश्वगंधा की जड़ पत्थरचट्टा की जड़
दान करें गेहूं, गाय, गुड़, ताँबा, सोना, लाल वस्त्र, लालकमल, माणिक्य, लाल फूल, केसर मसूर	दान करें चावल, कपूर, सफेद वस्त्र, चांदी, शंख, वंशपात्र, सफेद चन्दन श्वेत पुष्प, चीनी वृषभ, दधि, मोती, घी	दान करें ताँबा, सोना, गेहूँ, लाल वस्त्र, गुड़, लाल चन्दन, लाल केसर, कस्तूरी, लाल वृषभ, मसूर की दाल, मूँगा	दान करें कांशी, हाथी दाँत, हरा- वस्त्र, पन्ना, सुवर्ण, दासी, दुमशस्त्र, फल, षटुरस, भोजन, घृत, सर्वपुष्पहराफूल, पालक का साग	दान करें पीला वस्त्र, सोना हल्दी, घृत, पीले पुष्प, पीला अन्न, पुखराज, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि, छत्र	दान करें चांदी, सोना, चावल, घी, सफेद वस्त्र, सफेद चन्दन, सफेद अश्व, दही, गन्धद्रव्य, चीनी, गौधूम, हीरा	दान करें तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, काले पुष्प, जूता, कस्तूरी, स्वर्ण, काला कम्बल	दान करें अभ्रक, लौह, तिल, नीला वस्त्र, छाग, ताम्रपात्र, सप्तधान्य, उड़द, गोमेद, काले पुष्प, तेल, कम्बल, घोड़ा, खड्ग	दान करें कस्तूरी, तिल, छाग, काला वस्त्र, ध्वजा। सप्तधान्य, उड़द, वैदूर्य, काले पुष्प, तेल, स्वर्ण, लोहा, वस्त्र, कम्बल